{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 24 अक्टूबर 2025
कार्तिक शुक्ल 03 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 31
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स	~	84,556.40
निफ्टी	~	25,888.90
सोना	~	1,25,080
चांदी	~	1,59,000
डॉलर	~	87.82

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज़ डायरी

पुलिस ने 46 लाख मूल्य का गुटखा, प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद किया जब्त

मुंबई एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में पुलिस ने करीब 46 लाख रुपए कीमत का गुटखा और प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद बरामद किया। पुलिस ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि कसारवडावली इलाके की एक आवासीय परिसर से प्रतिबंधित माल बेचे जाने की सूचना मिलने पर पुलिस ने मंगलवार को परिसर में छापा मारा। पुलिस ने करीब 46 लाख रुपये मूल्य के कई कंपनी का प्रतिबंधित गुटखा और तंबाकू उत्पाद जब्त किया और दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया, जिनकी पहचान नीलेश चालवाडे (35) और सत्यभान बेहरा (32) के रूप में हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चालवाडे और बेहरा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस गुटखा के स्रोत और आरोपी व्यक्तियों के वितरण नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

भारतीय सेनाओं के लिए 79 हजार करोड़ रुपये से खरीदे जायेंगे सैन्य हार्डवेयर

नई दिल्ली एजेंसी। भारत की तीनों सेनाओं की मारक क्षमता बढ़ाने को लेकर एक 79 हजार करोड़ रुपये की डील की गई है। इस डील के तहत भारतीय सेनाओं के लिए सैन्य हार्डवेयर खरीदा जाएगा। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में बैठक की और वायु सेना, नौसेना और सेना की कई योजनाओं को मंजूरी दी है। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने पटरियों पर नाग मिसाइल प्रणाली, जिसे एमके-द्वद्व एनएएमआईएस कहा जाता है, खरीदने के प्रस्ताव पर आवश्यकता की स्वीकृति का दर्जा दिया। सरकार ने बैठक के बाद एक बयान में कहा कि ग्राउंड-आधारित मोबाइल ईएलआईएनटी सिस्टम जिन्हें जीबीएमईएस कहा जाता है, और उन पर स्थापित क्रेन के साथ उच्च गतिशीलता वाले वाहन डीएसी द्वारा अधिग्रहण के लिए मंजूरी दे दी गई कुछ अन्य सैन्य हार्डवेयर हैं। ट्रैक किए गए एनएएमआईएससे दुश्मन के लड़ाकू वाहनों, बंकरों और अन्य फील्ड किलेबंदी को नष्ट करने की सेना की क्षमता में सुधार होगा।

पुष्कर मेला 2025 की शुरुआत...

अजमेर एजेंसी। राजस्थान के अजमेर जिले में मशहूर पुष्कर मेला 2025 की शुरुआत बुधवार से हो गई। मेला में आने वाले श्रद्धालुओं व टूरिस्ट की संख्या दूसरे दिन से बढ़ने लगी है। अब तक मेले में घोड़ों की संख्या नाम मात्र की है, वहीं ऊंट की संख्या दौ सौ के पार हो चुकी है। बरेली से आए जुबैद ने बताया कि वे मेले में 11 घोड़े लेकर आए हैं। इन घोड़े की कीमत 2 से 11 लाख रुपए तक है।

कुछ ना कहना

इंडिया महागठबंधन ने साझा प्रसवार्ता में किया ऐलान

तेजस्वी सीएम चेहरा घोषित, मुकेश सहनी डिप्टी सीएम

पटना एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच गुरुवार को पटना में हुई एक संयुक्त प्रेसवार्ता में कांग्रेस ने राजद नेता तेजस्वी यादव को आखिरकार सीएम चेहरा घोषित कर दिया है। इतना ही नहीं कांग्रेस ने बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने पर विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी को भी डिप्टी सीएम बनाने का वादा किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने साझा प्रेसवार्ता में इसका ऐलान किया।

बीते कुछ महीनों से कांग्रेस पार्टी तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा मानने से परहेज कर रही थी। राहुल गांधी से लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेता तेजस्वी के सीएम चेहरे के सवाल को टालते रहे। इस बीच महागठबंधन में सीट बंटवारे पर राजद, कांग्रेस और अन्य घटक दलों के बीच सहमति और असहमति का भी लंबा दौर चला। अंदरखाने से खबरें आईं कि कांग्रेस चुनाव रिजल्ट के बाद ही मुख्यमंत्री का चुनाव चाहती है।

लेकिन इसके बाद महागठबंधन की साझा प्रेसवार्ता को संबोधित कर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरीय नेता गहलोत ने पार्टी की ओर से बात रखी। गहलोत ने नेता प्रतिपक्ष को बिहार चुनाव में महागठबंधन का सीएम चेहरा घोषित करते हुए कहा,卐तेजस्वी ने पिछली बार भी कमाल किया था। मगर मामूली वोटों के अंतर से उनकी सरकार बनते हुए रह गई थी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और एनडीए पर साम, दाम, दंड, भेद के बल पर तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनने से रोकने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता गहलोत ने कहा कि मीडिया की ओर से बार-बार सीएम फेस के बारे में सवाल किया जा रहा था, इसलिए आज घोषणा करनी पड़ी।

दरअसल, कांग्रेस अब तक तेजस्वी को महागठबंधन का सीएम चेहरा मानने से बचती रही। वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पूर्णिया में राहुल गांधी से जब तेजस्वी पर सवाल किया था, तब उन्होंने गोलमोल जवाब दिया था। इससे पहले कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु सहित अन्य शीर्ष नेताओं ने भी बार-बार तेजस्वी को सीएम चेहरा घोषित करने के सवाल को टाला था।

बिहार चुनाव के लिए पहले और दूसरे चरण के नामांकन के दौरान महागठबंधन की कलह खुलकर सामने आ गई थी। कुछ सीटों पर घटक दलों ने एक-दूसरे के सामने ही उम्मीदवार उतर दिए। सुल्तानगंज, कहलगंव, वैशाली सहित कुछ सीटों पर कांग्रेस और राजद दोनों के उम्मीदवारों के नामांकन कर दिया। कांग्रेस ने बछवाड़ा और अन्य जगह पर लेफ्ट पार्टी सीपीआई के खिलाफ भी अपना प्रत्याशी उतारा।

इस वजह से महागठबंधन में गांठ उलझती दिख रही थी। खासकर राजद और कांग्रेस के बीच सीटों पर तनातनी बढ़ने के बाद कांग्रेस आलाकमान ने गहलोत को सुलह के लिए पटना भेजा गहलोत ने पटना आने के बाद बुधवार को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद याजव और तेजस्वी से मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात के तुरंत बाद उन्होंने कुछ खास नहीं बोला और कहा कि गुरुवार को महागठबंधन की साझा प्रेसवार्ता में स्पष्ट कर दिया जाएगा।

बताया जा रहा है कि कांग्रेस ने तेजस्वी को सीएम फेस घोषित करने के साथ ही सहनी को डिप्टी सीएम बनाने का वादा करके सारी कंफ्यूजन दूर कर दी है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अब तक मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर टालमटोल करने वाली कांग्रेस ने आखिरकार लालू-तेजस्वी के सामने अपने हथियार डाल दिए।

बिहार चुनाव में नीतीश कुमार की 100 जनसभाएं...

गठबंधन के सभी उम्मीदवार चाह रहे नीतीश की सभा

बिहार में विधानसभा चुनावी माहौल तेज है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आने वाले दिनों में करीब 100 जनसभाएं करने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार, एनडीए गठबंधन के सभी उम्मीदवार अपनी-अपनी सीटों पर मुख्यमंत्री की सभा कराने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, सभी 243 विधानसभा सीटों पर नीतीश कुमार की सभाएं कराना संभव नहीं है, इसलिए जदयू (जेडीयू) ने विशेष रणनीति तैयार की है।

जदयू की रणनीति के अनुसार, मुख्यमंत्री की जनसभाएं उन क्षेत्रों में आयोजित होंगी जहां से आसपास की विधानसभा सीटें भी कवर हो सके। इसका मकसद अधिकतम क्षेत्रों में पार्टी संदेश को पहुंचाना है। साथ ही, पार्टी ने अपने प्रदेश पदाधिकारियों और स्थानीय नेताओं को बूथ स्तर तक प्रचार अभियान चलाने की जिम्मेदारी दी है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावा, पार्टी नेताओं जैसे राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, और ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव की सभाओं की भी मांग लगातार बढ़ रही है। जदयू के सहयोगी दल- भाजपा, रालोमो, हम, और लोजपा (आर) भी मुख्यमंत्री की सभाओं की मांग कर रहे हैं ताकि गठबंधन की ताकत को ज़मीनी स्तर पर मज़बूती मिले।

ट्रंप के अरमान पर फिरा पानी, आसियान समिट में शामिल नहीं होंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मलेशिया में 26 अक्टूबर से होने वाले आसियान समिट में हिस्सा लेने नहीं लेंगे। प्रधानमंत्री ने बुधवार की शाम को मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से फोन पर बातचीत की। दोनों प्रधानमंत्रियों ने आसियान और द्विपक्षीय मसलों पर चर्चा की। इस बातचीत में साफ हो गया कि पीएम मोदी आसियान समिट में भाग नहीं लेंगे। इस तरह मलेशिया दौरा न होने की वजह से पीएम मोदी और ट्रंप मुलाकात की संभावना भी खत्म हो गई। यहां बताना जरूरी है कि आसियान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हिस्सा ले रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप उम्मीद लगाए बैठे थे कि यहां उनकी मुलाकात पीएम मोदी और शी जिनपिंग से होगी। मगर पीएम मोदी की ओर से यह कन्फर्म हो गया है वह इस समिट में भाग नहीं ले रहे हैं। भारत की ओर से विदेश मंत्री एस जयशंकर आसियान समिट में प्रतिनिधित्व करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप के अलावा, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस समिट में शामिल होंगे। ट्रंप शी जिनपिंग से भी मुलाकात को लेकर आतुर हैं। बहरहाल, आसियान समिट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पीएम मोदी संग संभावित मुलाकात की राहें अब बंद हो गई हैं। दरअसल, आसियान (दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन) शिखर सम्मेलन 26 से 28 अक्टूबर तक कुआलालंपुर में आयोजित किया जाएगा। शिखर सम्मेलन से संबंधित विचार-विमर्श में भारत की भागीदारी के स्तर पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों ने बताया कि भारत ने मलेशिया को सूचित किया है कि जयशंकर आसियान बैठकों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल माध्यम से भाग लेने की संभावना है। हालांकि, यह कन्फर्म है कि पीएम मोदी आसियान समिट में शामिल होने मलेशिया नहीं जा रहे हैं। पीएम मोदी की मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के साथ फोन वार्ता बुधवार शाम को हुई। पीएम मोदी ने पहले से तय कार्यक्रम का हवाला देकर आसियान समिट में शामिल न होने की बात कही। दोनों नेताओं ने आसियान के साथ भारत के मजबूत संबंधों पर जोर दिया। चर्चा में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, व्यापार, निवेश और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। पीएम मोदी ने भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई, जबकि अनवर ने मलेशिया के माध्यम से आसियान-भारत साझेदारी को गहरा करने पर सहमति जताई। द्विपक्षीय स्तर पर दोनों ने व्यापार घाटे को कम करने, डिजिटल अर्थव्यवस्था में सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे विषयों पर बात की। आसियान-भारत संवाद संबंध 1992 में एक क्षेत्रीय साझेदारी की स्थापना के साथ शुरू हुए। ये दिसंबर 1995 में पूर्ण संवाद साझेदारी और 2002 में शिखर सम्मेलन स्तर की साझेदारी में परिवर्तित हुए। इन संबंधों को 2012 में रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया। आसियान के 10 सदस्य देश इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपीन, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्यांमा और कंबोडिया हैं।

खुशखबरी : अग्निवीरों को सेना की भर्ती में मिल सकता है 75 पर्सेंट आरक्षण

नई दिल्ली एजेंसी। सेना में भर्ती सपना अग्निवीरों का आसानी से पूरा हो सकेगा। इसके लिए आने वाले समय में उन्हे 75 प्रतिशत आरक्षण मिल सकता है। इस स्कीम के तहत अब तक 25 फीसदी जवानों को ही 4 साल के कार्यकाल के बाद भी नौकरी में बनाए रखने का प्रावधान है। अब इस लिमिट में बड़ा इजाफा हो सकता है और इसे 75 फीसदी तक किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक इस संबंध में जैसलमेर में आज आयोजित होने वाली आर्मी कमांडर्स की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी इसके बारे में कोई निर्णय हो सकता है। अहम बात यह है कि अगले साल ही अग्निवीरों के पहले बैच के 4 साल की अवधि पूरी हो रही है। ऐसे में इन लोगों को फायदा मिल सकता है और 75 फीसदी लोगों की सेना में सेवा बरकरार रहेगी।

अब इन लोगों की भागीदारी को बढ़ाने पर भी विचार होगा। मौजूदा सैनिकों के कल्याण के लिए भी कुछ फैसले लिए जा सकते हैं। सबसे अहम मसला यह होगा कि कैसे तीनों सेनाओं के बीच समन्वय बने और जॉइंट कमांड में काम हो सके। कोलकाता में बीते महीने कंबाइंड कमांडर्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ था। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी भी पहुंचे थे। उस मीटिंग में सरकार की ओर से ऐलान हुआ था कि तीन जॉइंट मिलिट्री स्टेशन बनेंगे। इसके अलावा आर्मी, नेवी और एयरफोर्स की शैक्षणिक शाखाओं का विलय किया जाएगा। यदि कोई हमला होता है या कोई ऑपरेशन करना है तो भारतीय बल कितनी देर में तैयार हो सकते हैं। हथियारों या विमानों की रिपेयर में कितना टाइम लग सकता है। इन मसलों पर भी आज बात होगी।

बता दें कि मई में भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ ऐक्शन लेते हुए पाक में सक्रिय आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर किया था। उसके बाद आज पहली बार आर्मी कमांडर्स की कॉन्फ्रेंस होने वाली है। इस कॉन्फ्रेंस में सेना की टॉप लीडरशिप तमाम मसलों पर बात करती है और प्रमुख मुद्दा सुरक्षा की समीक्षा होता है। एक और विषय पर विचार हो सकता है कि सेना के पास रिटायर सैनिकों का एक बड़ा पूल है। इनकी सेवाओं का कैसे प्रयोग किया जा सकता है। इस पर भी विचार होगा। फिलहाल इन लोगों को आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसायटी, एक्स सर्विसमेन कॉन्ट्रिब्यूटरी हेल्थ स्कीम में ही लगाया गया है।

कर्नाटक में डेटा सेंटर ऑपरेटर ने मतदाताओं के हटाए नाम, एसआईटी जांच में हुआ खुलासा

-राहुल गांधी ने वोट चोरी के लगाए थे आरोप

बेंगलुरु एजेंसी। कर्नाटक की आलंद विधानसभा सीट पर कांग्रेस के वोट चोरी के आरोपों पर बड़ा खुलासा सामने आया है। पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने मतदाता सूची में अनियमितताओं की जांच के दौरान पाया कि एक डेटा सेंटर ऑपरेटर को प्रत्येक मतदाता के नाम फर्जी तरीके से हटाए जाने के लिए प्रति मतदाता 80 रुपये मिले थे।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एसआईटी की जांच के खुलासे अनुसार, दिसंबर 2022 और फरवरी 2023 के बीच आलंद सीट पर 6,018 वोटरों के नाम हटाने के आवेदन आए थे। इस आधार पर डेटा सेंटर ऑपरेटर को कुल 4.8 लाख रुपये का भुगतान हुआ था। एसआईटी ने कलबुर्गी जिला मुख्यालय में ऐसे ही एक डेटा सेंटर की पहचान भी की है, जहां से मतदाताओं के नाम हटाए जाने के आवेदन भेजे गए थे। जांच में खुलासा हुआ कि जो 6,018 आवेदन आए थे, उनमें केवल 24 ही सही थे। क्योंकि ये आवेदनकर्ता अब आलंद में नहीं रहते हैं।

गौरतलब है कि कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 18 सितंबर को कहा था कि चुनाव आयोग की नाक के नीचे वोट चोरी और वोट डिलीट कराए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप सिद्ध करने, आलंद के उन मतदाताओं को भी प्रस्तुत किया था, जिनके नाम हटाने की कोशिश की गई थी। बताते चलें कि सीआईडी की साइबर क्राइम ब्रांच मामले की जांच कर रही थी। इसके बाद 26 सितंबर को एसआईटी ने जांच अपने हाथ में ले ली। ऐसे में पिछले हफ्ते, एसआईटी ने भाजपा नेता सुभाष गुट्टेदार से जुड़ी संपत्तियों पर छापामार कार्रवाई की थी। बता दें कि 2023 में सुभाष गुट्टेदार आलंद से कांग्रेस के बीआर पाटिल से हार गए थे। हालांकि गुट्टेदार ने मतदाताओं के नाम हटाए जाने में स्वयं की भूमिका से इंकार किया है और आरोपों को राजनीति प्रेरित बताया है।

'मैं दलित न होता तो क्या मुझे पेशाब पिलाई जाती ?'

मध्यप्रदेश में 15 दिनों के अंदर दलित उत्पीड़न के 3 बड़े मामले

(नोट : इस कहानी का कुछ ब्योरा आपको विचलित कर सकता है)

भोपाल एजेंसी। 'उन्होंने मुझे बंदूक की नोक पर गाड़ी में डाल दिया। मेरे साथ मारपीट की और मुझे जबरदस्ती बोतल में भरकर पेशाब पिलाई। मैं दलित न होता तो क्या मुझे पेशाब पिलाई जाती ?' ये पूछते हुए दलित समुदाय के 33 साल के ज्ञानसिंह जाटव रो पड़ते हैं। शिकायत के मुताबिक मध्य प्रदेश के भिंड जिले में 20 अक्टूबर को ज्ञानसिंह जाटव के साथ मारपीट की गई और ज़बरदस्ती पेशाब पिलाई गई। पिछले 15 दिनों के भीतर मध्य प्रदेश में दलित उत्पीड़न के तीन गंभीर मामले सामने आए हैं। सबसे ताजा मामला भिंड से आया है जिसने एक बार फिर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना से बीबीसी ने फोन और व्हाट्सअप पर बात करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने अब तक कोई जवाब नहीं दिया। वहीं भिंड पुलिस ने ज्ञानसिंह के साथ हुए उत्पीड़न के मामले में तीन लोगों, सोनू बरुआ, आलोक शर्मा और छोटू पर एफआईआर दर्ज की है। भिंड जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक ने बीबीसी से कहा, इस मामले में हमने मारपीट, अपहरण और एससी-एसटी एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया है और तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। अस्पताल में भर्ती मामले आया है कि उसके साथी अमानवीयता की गई और पैशाब पिलाई गयी।

पुलिस के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्य जुटाने में पुलिस की टीम लगी हुई है। वहीं भिंड जिला अस्पताल में भर्ती ज्ञान सिंह का कहना है कि उनके साथ दलित होने के कारण ये घटना हुई है और इसका असर उनके पूरे परिवार पर पड़ रहा है। भिंड ज़िले के रहने वाले ज्ञानसिंह पेशे से ड्राइवर हैं। वो दावा करते हैं कि 18 अक्तूबर को पास के गांव के सोनू बरुआ ने उनसे अपनी गाड़ी के लिए ड्राइवर के तौर पर काम करने के लिए कहा।

उन्होंने मुझे गाड़ी के लिए ड्राइवर के तौर पर बुलाया था लेकिन मुझे उनके साथ काम नहीं करना था। मेरा गांव इनके गांव से आधा किलोमीटर दूर है। मुझे ये पता था कि ये लोग आपराधिक प्रवृत्ति के लोग हैं। मुझे इनके लिए काम नहीं करना था।

ज्ञानसिंह का आरोप है कि गाड़ी के लिए ड्राइवर की ड्यूटी करने से मना करने के बाद उनको बंदूक की नोक पर उनके घर से अगवा करके मारपीट की गई। अस्पताल में इलाज रत ज्ञानसिंह फोन पर रुंधे हुए गले से कहते हैं, 'मेरा अपराध क्या था सर ? उन्होंने मुझसे गाड़ी चलाने के लिए कहा, मैंने मना कर दिया। मैंने डर से उनकी गाड़ी चलाने से मना कर दिया, इसके बाद उन्होंने मुझे घर से किडनैप किया, मुझे मारा और जबरदस्ती पेशाब पिलाई।'

ज्ञानसिंह दो बच्चों के पिता हैं। उनकी पत्नी पिंकी जाटव ने बीबीसी से कहा, मेरे पति को इतना मारा कि वो दो दिन से अस्पताल में भर्ती हैं। शरीर का ज़ख्म तो भर जाएगाज्पेशाब पिला दी, पूरे गांव को ये पता है, हमारे लिए तो जिंदगी बहुत कठिन हो गई है।

शेष पृष्ठ 06 पर...

बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने 62 करोड़ के कर्ज से जुड़े मामले में कर्जदार को झटका दिया

नागपुर एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच का एक महत्वपूर्ण फैसला है, जिसमें कोर्ट ने भारतीय बैंक (पहले इलाहाबाद बैंक) से 62 करोड़ के कर्ज से जुड़े मामले में कर्जदार को झटका दिया है। दरअसल नागपुर स्थित एक हाउसिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर फर्म के निदेशक, जिन्होंने अपनी निजी संपत्ति गिरवी रखकर गारंटर की भूमिका भी निभाई थी। भारतीय बैंक (पूर्व में इलाहाबाद बैंक) से 2011 में एक रिसॉर्ट प्रोजेक्ट के लिए 62 करोड़ का लोन लिया गया था। लोन न चुकाने के कारण 2017 में खाता गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) घोषित हो गया। इसके बाद पैसों की वसूली के लिए बैंक ने वसूली शुरू की, जिसके तहत सरफेसी कानून के तहत कार्रवाई की गई, और ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) और राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में दिवालियापन कार्यवाही की गई। कर्जदार/गारंटर ने बैंक द्वारा वन-टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना का लाभ न देने को चुनौती देकर हाई कोर्ट में याचिका दायर की। इस मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट में जस्टिस अनिल किलोर और रजनीश व्यास की डिवीजन बेंच ने याचिका को खारिज कर दिया। फैसले में कोर्ट ने कहा कि वन-टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) लाभ देने का निर्णय पूरी तरह से बैंक के व्यावसायिक निर्णय पर निर्भर करता है। कोर्ट बैंकों को लोन की शर्तें बदलने या ओटीएस का लाभ देने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत रिट जारी करना या बैंक को लोन की शर्तें फिर से लिखने का निर्देश देना न्याय के हित में नहीं होगा। बेंच ने कहा कि जब दोनों पक्ष पूरी समझ के साथ लोन की शर्तों पर सहमत होते हैं, तो वे बाद में इन शर्तों से बच नहीं सकते। कोर्ट ने कहा कि इसतरह के वित्तीय मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप सार्वजनिक हित में नहीं होगा, और निष्पक्षता का मतलब है कि तय समय में सहमति के अनुसार बकाया राशि का भुगतान करना होगा।

10 फीट लंबे और 40 किलो वजनी विशालकाय अजगर सर्प का किया गया पोस्टमार्टम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
आज दिनांक 23 अक्टूबर 2025 को बालाघाट वन परिक्षेत्र में एक विशालकाय अजगर (Python) का पोस्टमार्टम किया गया। यह अजगर लगभग 10 फीट लंबा तथा 40 किलोग्राम वजनी था। वन विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में चिकित्सकीय टीम द्वारा वैज्ञानिक पद्धति से इसका परीक्षण किया गया। डॉ. बादल पटले (वेटरनरी सर्जन) ने बताया कि यह अजगर प्राकृतिक रूप से मृत पाया गया था। पोस्टमार्टम के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि सर्प का तीन कक्षों वाला हृदय (three-chambered heart) होता है, जो सरीसृप वर्ग की प्रमुख विशेषता है। इसके अतिरिक्त शरीर के 36 सेंटीमीटर घेराव (girth) और मजबूत मांसपेशीय ढांचे ने इसके उत्कृष्ट स्वास्थ्य की झलक दी। जांच के अनुसार, मृत्यु का कारण आंतरिक संक्रमण या पाचन तंत्र की समस्या माना जा रहा है । डॉ. बादल पटले ने बताया कि इस तरह के अध्ययन से वन्यजीव संरक्षण और सर्पों की जैविक संरचना को समझने में मदद मिलती है। उन्होंने आम जनता

से अपील की कि यदि इस प्रकार के वन्य जीव कहीं दिखाई दें तो उन्हें नुकसान न पहुँचाएँ और तुरंत वन विभाग को सूचना दें।

कौलीवाड़ा में पूजा के दीपक से दुकान में लगी आग

बुझाने के दौरान दुकानदार झुलसा, जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
थाना रामपायली आने वाले ग्राम कौलीवाड़ा में उस वक्त अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया, जब पूजा के बाद किराना दुकान में रखे दीपक से, दुकान में आग लग गई। हालांकि इस आगजनी में दुकान के सामान का ज्यादा नुकसान नहीं हुआ ,लेकिन, आग बुझाने के दौरान दुकानदार के दोनों पैर बुरी तरह से इस आग में झुलस गए। इसके उपरांत दुकानदार को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है।आगजनी से झुलसे, दुकानदार का नाम ग्राम कौलीवाडा निवासी 42 वर्षीय सुनील पिता डुकरुजी मेश्राम बताया गया है जिसका जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

फुलपैंट में लगी आग से कमर के नीचे का हिस्सा बुरी तरह झुलसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कौलीवाडा निवासी सुनील मेश्राम ,के घर पर किराना दुकान है। जिसका वे संचालन कर अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं। बताया गया कि सुनील के घर पर पूजा अर्चना की गई थी, इसके उपरांत उन्होंने दुकान में जलता हुआ दीपक रख दिया था, इसी जलते हुए दीपक के संपर्क में वहां रखी पॉलिथीन आ गई और पॉलिथीन से ही वहां आग लग गई ।इस आग ने जल्द ही वहां पड़ी प्लास्टिक बोरियों को भी अपनी चपेट में ले लिया ।जिससे आग अचानक से तेज हो गई। जिसकी जानकारी मिलने पर दुकानदार सुनील मेश्राम दुकान का सामान इधर-उधर

कर उक्त आग को बुझाने का प्रयास करने लगा ।जहा आग बुझाने की कोशिश के दौरान आग उनके फुलपैंट में लग गई, जिससे कमर के नीचे तक का भाग बुरी तरह से झुलस गया ।उक्त आग से झुलसे दुकानदार सुनील मेश्राम को उपचार के लिए देर रात जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार जारी है।

घास काट रहे शख्स पर टूट पड़ा मधुमक्खियों का झुंड, उपचार के दौरान मौत

पद्मेश न्यूज। कटंगी।
नगर के सिवनी मार्ग स्थित राधा गोविंद मंदिर के पीछे सागौन वन रेस्टारेंट के बाजू खेत में गाय के लिए घास काटने गए व्यक्ति पर अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। मौके पर अचेत हो गए व्यक्ति पर राह चलते किसी की नजर पड़ी तो 108 को सूचना दी गई। 108 एंबुलेंस से घायल को सरकारी अस्पताल कटंगी लाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान नगर के वार्ड 15 निवासी जयप्रकाश सिंह बैस उम्र 52 वर्ष के रूप में हुई है। घटना गुरूवार की सुबह तकरीबन 8 बजे की बताई जा रही है। मृतक जयप्रकाश गाय के लिए घास काटने के लिए गया हुआ था तभी मधुमक्खियों का झुंड उस पर टूट पड़ा। मृतक नगर में निजी वाहनों की ड्राइविंग का कार्य करता था परिवार में एक बेटा, एक बेटी, पत्नि के अलावा एक वृद्ध मां है। बेटी बाहर रहकर जॉब करती है। अस्पताल से प्राप्त तहरीर पर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर प्रकरण को जांच में लिया है।

एनाफिलेक्सिस बनी मौत की वजह

उक्त घटना के संबंध में बीएमओ डॉ.पंकज दुबे ने व्यक्ति की मौत की वजह एनाफिलेक्सिस बताई। उन्होंने बताया कि एनाफिलेक्सिस एक ऐसी एलर्जी प्रतिक्रिया है जो कि मधुमक्खी के डंक से निर्मित होती है। मधुमक्खी के काटने के बाद घायल व्यक्ति के शरीर में रक्तप्रवाह का कम होना एवं श्वास लेने में कठिनाई जैसी स्थिति

तेजी से बढ़ती है। यदि तत्काल न उपचार मिल पाए तो मौत हो जाती है। इस घटना में भी जयप्रकाश सिंह बैस नामक व्यक्ति ने एनाफिलेक्सिस से प्रभावित होकर दम तोड़ दिया।

जागपुर में गाय खिलाने की रस्म धूमधाम से संपन्न

रात्रि में छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम ने बांधा समां

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत जाकपुर में भी गाय खिलावन की रस्म पूरे रीति रिवाज और धूमधाम के साथ अदा की गई । साथ ही रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करते हुए मोर रंग जोगनी छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजित किया गया। यहां छत्तीसगढ़ और बालाघाट के कलाकारों ने देर रात तक एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। दीपावली के पांच दिवसीय पर्व की ग्रामीण क्षेत्रों सहित जिला मुख्यालय में भी धूम रही। 22 एवं 23 अक्टूबर को मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में गाय खिलावन की रस्म अदा की गई। गाय खिलावन के बाद अलग-अलग क्षेत्र में प्रथम मंडई का आयोजन किया गया एवं रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित देवी जागरण किए गए । इसी क्रम में जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत जागपुर में भी गाय खिलावन की रस्म अदा की गई , यहां सार्वजनिक मंडई, मेला उत्सव समिति द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मंडई का आयोजन कर रात्रि में छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन

किया गया। यहां समिति के पदाधिकारीयों द्वारा बताया गया कि वह बीते कुछ वर्षों से पहली मंडई के अवसर पर रात्रि में छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन करते हैं , इस आयोजन को आसपास के क्षेत्रवासी देखने बड़ी संख्या में पहुंचते हैं । इस बार भी मोर रंग जोगनी छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में बालाघाट और छत्तीसगढ़ के कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी गई , जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया , कार्यक्रम दे रात तक चलता रहा। कार्यक्रम में सार्वजनिक मेला, मंडई उत्सव समिति के अध्यक्ष आशीष करवड़े, उपाध्यक्ष लोकेश बारेकर ,कोषाध्यक्ष संजय चौहान ,सचिव फुलेंद्र बागडे, सहसचिव भैयालाल सहारे , राहुल , रामगिरी गोस्वामी , योगराज कनौजे, अंकेश नेवारे, अरुण दुबे, गोलु बागड़े, अरुण कोहरेगुरु सहारे, प्रमोद वरकड़े, राजा बारेकर, रविन्द्र सेन्द्रे, रिताशु गेडाम, फिरोज खान, हितेश सहारे, श्यामकीशोर कोहरे, दिलीप खरोले, हितांशु बारेकर, अतुल गौरे, दुर्गाप्रसाद चौहान, पवन मसराम, आदित्य नेवारे, संदीप कारसर्पे, राजु कोहरे, रंजित चौहान, जितेन्द्र, कोल्ते, सनोज उके, मनीष बंसारे, जितेन्द्र वरकड़े, नवीन खांडकुरे, प्रिंस भिमटे, नैतिक वासनिक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे ।

दो ट्रक की जबरदस्त भिड़ंत,दोनों ड्रायवर घायल

पद्मेश न्यूज़। वारासिवनी।
वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत मेहंदीवाड़ा स्थित चंदन नदी पुल के पहले गुरूवार की रात करीब 9 बजे दो ट्रक के बीच ज़बरदस्त भिड़ंत हो गई। घटना में दोनों ट्रक ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गए जिसमे एक ड्रायवर का उपचार सिविल अस्पताल में जारी है। पुलिस के द्वारा मौके पर पहुंचकर आवागमन व्यवस्था को व्यवस्थित करने का कार्य किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक क्रमांक एम पी 50 एफ जेड 0782 टेकाडीघाट से समान खाली कर वापस वारासिवनी की ओर आ रहा था। तो वही ट्रक क्रमांक एम पी 22 जेड सी 3106 वारासिवनी से मेहंदीवाड़ा की ओर जा रहा था। तभी मेहंदीवाड़ा की ओर चंदन नदी के पुल के पहले ट्रक क्रमांक एम पी 50 एफ जेड 0782 के द्वारा मोटरसाइकिल पर जा रही दंपति को बचाने के लिए थोड़ा साइड लिया गया। तो आगे से आ रहे ट्रक ने उसे ड्राइवर साइड से जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें मेहंदीवाड़ा की ओर जा रहे ट्रक के ड्राइवर और कंडक्टर उतरकर फरार हो गए तो वही टेकारीघाट से वारासिवनी की ओर आ रहे ट्रक का ड्राइवर राजकुमार मात्रे भरवेली निवासी बताया जा रहा है जो स्टेरिंग में फस गया था। दोनों ट्रक की जबरदस्त टक्कर की आवाज सुनकर ग्राम के लोग दौड़ के आए और तत्काल दोनों ड्राइवरों को देखा जिसमें एक ड्राइवर स्टेरिंग में फंसा हुआ था जिसे बड़ी मशक्कत कर बाहर निकल गया। वहीं घटना की जानकारी लगने पर राहुल गांधी विचार मंच जिला अध्यक्ष जावेद अली के द्वारा मौके पर पहुंचकर स्टेरिंग से निकल गए ड्राइवर को सिविल अस्पताल में लाकर उपचार के लिए भर्ती कराया गया। इस दौरान दोनों ट्रक की टक्कर से मौके पर आवागमन अवरुद्ध हो गया था तो वहीं ट्रक रोड पर आड़ा खड़ा था। ऐसे में ग्रामीणों की सूचना पर वारासिवनी पुलिस और डायल 112 मौके पर पहुंची उनके द्वारा यातायात व्यवस्था बनाकर आवागमन बहाल करवाया गया।

आगे वाला ट्रक तेज रफ्तार मे था-राजकुमार मात्रे

ड्राइवर राजकुमार मात्रे ने बताया कि मैं बालाघाट भरवेली का रहने वाला हूं ट्रक लेकर टेकाडीघाट खाली करने के लिए गया हुआ था। जहां से खाली ट्रक लेकर वापस बालाघाट जा रहा था इस दौरान मेहंदीवाडा में नदी के पुल के पहले मोटरसाइकिल वाले को बचाने के लिए थोड़ा साइड लिया तो आगे से एक ट्रक बहुत तेज रफ्तार में आया और सीधे टक्कर मार दिया।

पुलिस को ऐसे मामले मे तत्परता दिखानी चाहिये-जावेद अली

जिला अध्यक्ष जावेद अली ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि मेहंदीवाड़ा के तरफ नदी के पहले दो ट्रक की भीड़ हो गई है। आकर देख तो एक ट्रक वाला खड़ा था और दूसरा ट्रक में एक ड्राइवर स्टेरिंग में फस गया था। जिसे ग्रामीणों की मदद से निकल गया हमारे द्वारा उसे सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया है। दोनों ट्रक खाली थे इस दौरान पुलिस को सूचना दी गई परंतु बहुत लेट पहुंची ऐसा नहीं होना चाहिए। पुलिस को तत्परता दिखानी चाहिए मौके पर यदि कोई नहीं हो तो घायल व्यक्ति के साथ कुछ भी हो सकता है समय पर उपचार मिलना जरूरी है।

राघोपुर के दर्जनों शिक्षकों को सितंबर माह का वेतन नहीं मिला, आंदोलन की चेतावनी

पटना। एजेंसी। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार जारी है। इस बीच नीतिश सरकार की लापरवाही का उजागर करती एक खबर सामने आई है। इस खबर के मुताबिक राघोपुर के दर्जनों शिक्षकों को सितंबर माह का वेतन नहीं मिला है। वेतन भुगतान में लगातार हो रहे विलंब से दर्जनों शिक्षक आक्रोशित हैं। वेतन पर्ची में त्रुटि बताकर मामला जिला कार्यालय भेज दिया जाता है, और फिर से संपर्क स्थापित करने के नाम पर शिक्षकों का शोषण (दोहन) किया जाता है। कई प्रधान शिक्षकों को योगदान दिए महीनों हो गए हैं, फिर भी उनका वेतन नहीं मिला है। विशिष्ट शिक्षकों की सेवा पुस्तिका का संधारण अन्य जिलों की तरह कैंप लगाकर नहीं किया जा रहा है। पटना उच्च न्यायालय के आदेशानुसार नियोजित शिक्षकों को सेवा शर्त नियमावली के अनुसार कालबद्ध एवं स्नातक ग्रेड प्रोन्नति नहीं दी जा रही है। क्षेत्रीय पदाधिकारी समस्याओं को सुलझाने के बजाय उलझाकर शिक्षकों का दोहन और शोषण कर रहे हैं, जबकि सरकार और शिक्षा पदाधिकारियों का विचार है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बाधित न हो, इसलिए समस्याओं का समाधान क्षेत्रीय स्तर पर ही होना चाहिए।

आम सूचना

मैं सजीव कुमार जायसवाल पिता अमृतलाल जायसवाल जाति कलार निवासी वार्ड नं. ६ लालबर्रा रोड़ वारासिवनी जिला बालाघाट का निवासी हूं। तथा मेरे हक व स्वामित्व की भूमि के दस्तावेज/ रजिस्ट्री जो मेरे द्वारा दिनांक ०७/०२/२००१ को बिक्रीदार हिरकन बाई पति श्री रामलाल जाति पवार निवासी वार्ड नं.५ वारासिवनी जिला बालाघाट से मौजा सिवनी प.ह.न. २६/२ खसरा नं.११४/१ण/२ रा.नि.मं . वारासिवनी से रकबा ०.०२२ हे. भूमि क्रय की थी। जिसकी मूल रजिस्ट्री मेरे पास से कहीं गुम गई तथा किसी भी व्यक्ति को उक्त भूमि की रजिस्ट्री कहीं मिले तो मुझे प्रदान करें।

प्रेषक
सजीव कुमार जायसवाल
निवासी वार्ड नं. ६ वारासिवनी

पेपर लीक, नकल और गड़बड़ियों की जांच को अंजाम देने वाले वीके सिंह एडीजी लॉ एंड ऑर्डर नियुक्त

सचिन मित्तल को जयपुर पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया

जयपुर। एजेंसी। राजस्थान की बीजेपी की भजनलाल शर्मा सरकार ने 34 आईपीएस अधिकारियों की लिस्ट जारी की है। इसमें जयपुर पुलिस कमिश्नर सहित कई डीजी बदले गए हैं। 5 अफसरों को अतिरिक्त चार्ज सौंपा गया है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ का तबादला एडीजी पुलिस कार्मिक के पद पर हुआ है। इस पद पर पहले काम कर रहे सचिन मित्तल को जयपुर पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है। वीके सिंह का एडीजी एसओजी-एटीएस से एडीजी लॉ एंड ऑर्डर के पद पर तबादला किया है। एसआई भर्ती-2021 सहित कई भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल और गड़बड़ियों की जांच को अंजाम तक पहुंचाने का जिम्मा एटीएस-एसओजी के एडीजी रहते सिंह के पास था। दिनेश एमएन को एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) जयपुर का एडीजी बनाया गया है। विशाल बंसल को एडीजी लॉ एंड ऑर्डर के पद से हटाकर एडीजी एसओजी का पद सौंप गया है।

संजय अग्रवाल का डीजी इंटेलिजेंस से तबादला करके डीजी लॉ एंड ऑर्डर के पद पर पोस्टिंग दी है। 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी संजय अग्रवाल को डीजीपी राजस्थान की दौड़ में सबसे आगे थे, लेकिन सरकार ने उन्हें डीजी इंटेलिजेंस में ही रखा था।

1993 बैच के आईपीएस गोविंद गुप्ता को एसीबी डीजी के पद पर तैनात किया गया है। पिछले कुछ महीने में जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल उठे थे। इस दौरान जेल डीजी गोविंद गुप्ता ने कड़े कदम उठाए। इसके बाद भी जेल में मोबाइल से धमकी देने जैसी घटनाएं कम नहीं हुई। हाल ही में जयपुर सेंट्रल जेल से 2 कैदी भाग गए थे। इस दौरान भी जेल काफी चर्चा में रही। अनिल पालीवाल को सरकार ने डीजी प्रशिक्षण एवं यातायात में लगा दिया है। 1994 बैच के आईपीएस अनिल पालीवाल अभी तक टेलीकॉम और ट्रैफिक में अपनी सेवा दे रहे थे। 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी आनंद श्रीवास्तव कई समय से एडीजी आर्म्स बटालियन में थे। अब उन्हें डीजी, स्पेशल ऑपरेशंस लगाया गया है। अशोक राठौड़ को जेल डीजी लगाया है। जयपुर में पहली बार विशेष पुलिस कमिश्नर ऑपरेशंस लगाया गया है। राहुल प्रकाश का तबादला जयपुर आईजी से विशेष पुलिस कमिश्नर ऑपरेशंस के पद पर किया है।

श्रमिकों की आयु गणना के लिये नवीन निर्देश

भोपाल।एजेंसी। मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना अंतर्गत श्रमिक की आयु गणना के लिये श्रम विभाग द्वारा नवीन निर्देश जारी किये गये हैं। अब आयु गणना के लिये आधार कार्ड के आधारपर शब्द विलोपित किया गया है। आयु के प्रमाण के लिये परीक्षा लेने वाले बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया प्रमाण पत्र या अंकसूची या उस अंतिम विद्यालय द्वारा, जिसमें उसने अध्ययन किया, जारी किया गया विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र मान्य होगा। इसी तरह जन्म तथा मृत्यु के रजिस्ट्रार से प्रमाण पत्र एवं ग्राम पंचायत या मुख्य नगर पालिका अधिकारी से प्रमाण पत्र मान्य होगा। श्रम विभाग के अतिरिक्त सचिव बसंत कुर्रे ने बताया है कि उपरोक्त प्रमाण-पत्रों के न होने पर उस चिकित?सा अधिकारी का प्रमाण पत्र, जो शासकीय सेवा में सहायक शल्य चिकित्सक की पदश्रेणी से निम्न पद श्रेणी का न हो का प्रमाण पत्र मान्य होगा। उक्त चारों दस्?तावेजों अथवा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अन्य आयु संबंधी दस्तावेजों के परीक्षण उपरांत गुण-दोष के आधार पर आयु संबंधी निर्णय लिया जायेगा।

चीन की मांग के चलते मध्य प्रदेश से गायब हो रहे गधे ? सिर्फ 9 जिलों में बचे

1997 में 49,289 थी संख्या, अब सिर्फ 3,052 गधे ही बचे हैं

भोपाल। एजेंसी। क्या मध्य प्रदेश में अब गधे दुर्लभ हो जाएंगे ? ये सवाल इसलिए भी खास है क्योंकि तीन दशक से भी कम समय में इनकी संख्या में 94 फीसदी की कमी आई है। मध्यप्रदेश में गधों की जनसंख्या में तेजी से गिरावट आई है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान का दिल कहे जाने वाले इस प्रदेश में अब सिर्फ 3,052 गधे ही बचे हैं, जो कि 1997 में 49,289 की संख्या से एक बड़ी गिरावट है। राज्य के 55 में से नौ जिलों में एक भी गधा नहीं मिला, जो इस बात का संकेत है कि यह जानवर जो कभी ग्रामीण भारत में परिवहन और व्यापार का मुख्य आधार था, करीब पूरी तरह से लुप्त हो चुका है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गधों के गायब होने के पीछे अभी तक कोई खास अध्ययन नहीं हुआ है, लेकिन गुड़गांव के एक पशु अधिकार कार्यकर्ता ने केंद्र सरकार से गधों को लुप्तप्राय प्रजाति घोषित करने का आग्रह किया है। वह चेतावनी देते हैं कि चीन की गधों की खाल की मांग ही इस गिरावट का कारण है। वह चीन के एजियाओ उद्योग को इसके लिए दोषी मानते हैं। इस उद्योग में गधों की खाल को उबालकर एक जिलेटिन निकाला जाता है जिसका इस्तेमाल पारंपरिक टॉनिक, कामोत्तेजक और एंटी एजिंग क्रीम बनाने में किया जाता है। इस वजह से यह प्रजाति विलुप्त होने की कगार पर है।

आधिकारिक आँकड़ों के मुताबिक नर्मदापुरम (होशंगाबाद) में सबसे ज्यादा 332 गधे हैं। इसके बाद छतरपुर 232, रीवा 226 और मुरैना 228 गधे हैं। दूसरी ओर विदिशा में जहां कभी 6,400 से ज्यादा गधे होते थे, अब वहां सिर्फ 171 ही बचे हैं और भोपाल में केवल 56 गधे हैं। डिंडोरी, निवाड़ी, सिवनी, हरदा और उमरिया जैसे जिलों में एक भी गधा नहीं मिला है, जो स्थानीय रूप से उनके विलुप्त होने की पुष्टि करता है।

जनगणना से पशुधन की अन्य श्रेणियों में भी बड़े रुझान सामने आते हैं। मध्य प्रदेश में कुल 3.75 करोड़ जानवर हैं, जिनमें शामिल हैं- गाय 1.57 करोड़, भैंस-1.02 करोड़, बकरी-1.09 करोड़, भेड़-5,58,324, घोड़े-9,971, खच्चर-972, ऊंट-2,896, सूअर-89,177 हैं।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

गायखुरी और पाद्रीगंज में दो युवकों ने लगाई फांसी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
नगर के वार्ड नंबर 33 गायखुरी में उस वक्त सनसनी फैल गई,जब स्थानीय आवासटोली निवासी एक युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली।मृतक युवक का नाम गोपाल पिता स्वर्गीय मोतीराम मेहरबान (24) वर्ष बताया गया है।घटना के तत्काल बाद, परिजन, उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉ. ने उसे मृत घोषित कर दिया। गुरूवार को युवक गोपाल के शव का पंचनामा कार्यवाही पूरी की गई और शव का पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। हालांकि युवक गोपाल ने यह कदम क्यों उठाया? यह फिलहाल स्पष्ठ नही हो पाया है।जिसकी जांच कोतवाली पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है। वहीं दूसरी तरफ चांगोटोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पादरीगंज में गुरुवार की सुबह करीब 8 बजे उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक का शव उसी के घर में फांसी के फंदे पर लटका हुआ दिखाई दिया।जिसके फाँसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की बात कही जा रही है।हालांकि युवक ने यह कदम क्यो उठाया, फिलहाल यह स्पष्ठ नही हो पाया है। मृतक का नाम ग्राम पादरीगंज निवासी 24 वर्षीय दुर्गेश पिता भुवर लाल बोपचे बताया गया है।उधर घटना के बाद से ही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

परिवार में इकलौता बेटा था गोपाल

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक गोपाल इतवारी सब्जी मंडी में हमाली करता था। जिसके पिता की मृत्यु हो चुकी है, गोपाल की पांच बहन और वह इकलौता पुत्र था। इनमें तीन बहन की शादी हो गई है। मृतक अपनी मां व दो छोटी बहनों के साथ रहता था। बताया गया कि 22अक्टूबर की शाम मां व उसकी बहन सरेखा की मंडई गये हुये थे और वह घर में अकेला ही था। रात करीब 8:30 बजे मंडई से मृतक की बहन व मां वापस घर लौटे तो अंदर से सामने का दरवाजा बंद था। मृतक की छोटी बहन ने खिडकी से झांककर देखा तो गोपाल सामने कमरे में लोहे की हुक में रस्सी से फांसी के फंदे पर लटका दिखाई दिया।

अस्पताल ले जाते समय रास्ते मे हुई मौत

ऊपर खिड़की से देखने पर फंदे पर लटके युवक की सांसे चल रही थी जिससे उसकी माँ और बहन द्वारा शोर मचाते हुये पड़ोसियों को बताया गया। शोर सुनते ही पड़ोसी भी दौडकर आये और दरवाजा को तोडकर अंदर जाकर देखा तो युवक की हल्की सांसे चल रही थी। जिससे फांसी के फंदे से नीचे उतारकर अस्पताल ले जाया जाया गया।लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी, जहां चिकित्सक ने जांच कर युवक को मृत घोषित कर दिया।बताया गया कि गोपाल घर का इकलौत पालनहार था। बुधवार की देरशाम तक वह दोस्तो के साथ रहा। जिसके बाद उसने फांसी लगा लगा ली। परिवार के इकलौते बेटे की मौत से मां और बहनो का रो-रोकर बुरा हाल है। वह, अब भी यकीन नहीं कर पा रहे है कि गोपाल की मौत हो गई।

पीएम के बाद सौंपा गया शव

उधर चिकित्सक द्वारा तहरीर अस्पताल चौकी पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने युवक के शव को रात होने से मरच्यूरी में सुरक्षित रखवा दिया गया। पुलिस द्वारा दूसरे दिन गुरूवार की सुबह मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। युवक ने इतना बड़ा कदम किस वजह से उठाया परिवार भी समझ नहीं पा रहा है। उधर अस्पताल चौकी पुलिस द्वारा शून्य पर मर्ग कायम कर डायरी जांच के लिये कोतवाली थाना को भेजी गई है।जिसके आधार पर कोतवाली पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पाद्रीगंज में युवक का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला

चांगोटोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पादरीगंज में गुरुवार की सुबह करीब 8 बजे उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक का शव उसी के घर में फांसी के फंदे पर लटका हुआ दिखाई दिया।जिसके फाँसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की बात कही जा रही है।हालांकि युवक ने यह कदम क्यो उठाया, फिलहाल यह स्पष्ठ नही हो पाया है। मृतक का नाम ग्राम पादरीगंज निवासी 24 वर्षीय दुर्गेश पिता भुवर लाल बोपचे बताया गया है।उधर घटना के बाद से ही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार की रात दुर्गेश अपने घर के भीतर कमरे में सोया हुआ था,जो गुरुवार की सुबह से किसी को दिखाई नही दिया।सुबह करीब 8 बजे के दरमियान जब परिजनो ने उसके कमरे का दरवाजा खोलकर देखा तो युवक फांसी पर लटका मिला। जिसकी मौत हो चुकी थी।जिसकी सूचना परिजनों द्वारा तत्काल चांगोटोला पुलिस को दी गई।उधर सूचना मिलते ही चांगोटोला थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।वही परिजनों के बयान दर्ज कर पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की।वही मर्ग कायम कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शव अस्पताल पहुचाया गया।उधर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

पिता की हत्या का आरोपी बेटा गिरफ्तार खेतों में छिपकर बैठा था आरोपी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
मलाजखंड थाना क्षेत्र के भड़गांव में पिता की हत्या कर फरार हुए आरोपी बेटे कृष्णा मेरावी को पुलिस ने गुरूवार को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद से फरार हुआ आरोपी कृष्णा, गांव के खेतो में छिपा था। पुलिस ने उसकी तलाशी के बाद उसे खेतो से धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर, न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया है। थाना प्रभारी नरेन्द्र यादव ने बताया कि घटना के बाद से फरार आरोपी कृष्णा मेरावी की पुलिस तलाश कर रही थी। इसी बीच उसके खेतो में छिपा होने की जानकारी के बाद पुलिस टीम ने उसे पकड़ा। मलाजखंड थाना क्षेत्र में निकम्मे बेटे कृष्णा मेरावी को पिता धनीराम मेरावी के काम नहीं करने की डांट इतनी नागवार गुजरी की, उसने, पिता की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। जिसकी जानकारी के बाद मलाजखंड पुलिस ने एफएसएल टीम के साथ घटनास्थल घटनास्थल पहुंचकर जांच की थी। पुलिस को पता चला था कि पिता धनीराम मेरावी, अपने निकम्मे बेटे को अक्सर काम करने को लेकर डांटा करते थे। मंगलवार की शाम भी पिता ने इसी बात को लेकर अपने बेटे कृष्णा मेरावी पर डांटा था। जिसके बाद बेटे कृष्णा मेरावी ने गुस्से में आकर, घर में रखे बांस के डंडे से पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी और फरार हो गया। घटना के बाद गत बुधवार को मलाजखंड पुलिस टीम ने मृतक धनीराम मेरावी (55) का शव बरामद कर उसका पीएम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया था। जिसके बाद से पुलिस फरार आरोपी बेटे कृष्णा मेरावी की तलाश कर रही थी।

पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट

घटना में दोनों पक्षों के करीब एक दर्जन लोग घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
भरवेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पाथरवाड़ा में बीती रात पुरानी रंजिश के चलते दो पक्ष एक बार फिर आमने सामने आ गए है। जिनके बीच किसी बात को लेकर तू तू, मैं मैं शुरू हो गई। जहां विवाद जल्द ही गाली गलौज में बदल गया और दोनों पक्षों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। दोनों पक्षों के बीच उपजा यह विवाद इतना अधिक बढ़ गया कि दोनों पक्षों द्वारा एक दूसरे पर जमकर लाठी डंडे बरसाए गए, जिनके बीच हुई इस मारपीट में दोनों पक्षों के करीब एक दर्जन लोग घायल हुए हैं।सभी घायलों को देर रात उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया, जिसमें से 3 घायलों का उपचार कर उन्हें डिस्चार्ज किया गया है,तो वही अब भी दोनों पक्षों के कुल 7 लोगों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

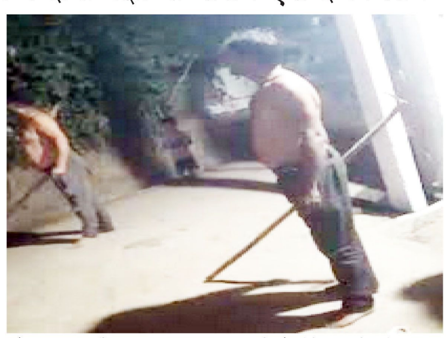

घायलों में इनका समावेश

बीती रात हुई इस मारपीट की घटना में ग्राम पाथरवाड़ा निवासी 38 वर्षीय शिशुमाती पति अशोक कुमार धामने ,35 वर्षीय मनोज पिछोड़ें, 35 वर्षीय ईश्वरी पिता यशवंत धामडे और एक 15 वर्षी बालक निखिल पिता शिवलाल धामने घायल हो गए,जिसमें से युवक निखिल का उपचार कर,उसे डिस्चार्ज किया गया है। तो वहीं दूसरे पक्ष से 60 वर्षीय रेमनलाल पिता राम लिल्हारे, पूरन बाई पति रेमन लाल लिल्हारे, रीना पति कमलेश लिल्हारे, रायवंती पति निलेश लिल्हारे, कमलेश पिता रेमन लिल्हारे और नीलेश लिल्हारे सभी पाथरवाड़ा निवासी घायल हो गए।जिनमें से रीना और रायवंती लिल्हारे को उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है,जबकि अन्य सदस्यों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

घटना का वीडियो

सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पाथरवाड़ा निवासी इन दोनों पक्षों के मकान आमने-सामने है। जिनका आए दिनों किसी ना किसी बात को लेकर विवाद होता ही रहता है। पिछले दिनों चुनाव के समय भी ये दोनों पक्ष एक दूसरे के आमने-सामने आ गए थे, जिनके बीच जमकर मारपीट हुई थी। बताया गया की बुधवार रात करीब 9 बजे किसी बात को लेकर दोनों पक्षों का आमना सामना हो गया। दोनों पक्ष की ओर से तू तू, मैं मै शुरू हो गई। जो जल्द ही गाली गलौज और हाथापाई में बदल गई। इसी बीच दोनों पक्ष के लोगों के बीच जमकर लाठी डंडे चलना शुरू हो गए। जिसमें दोनों पक्षों के मिलाकर करीब 10 लोग घायल हुए हैं जिसमें से तीन को उपचार के दौरान डिस्चार्ज किया गया है, तो वही दोनों पक्षों के कुल 7 लोगों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। उधर दोनों पक्षों द्वारा एक दूसरे के खिलाफ गाली गलौज कर मारपीट करने और घर में घुसकर पत्थर, लाठी डंडों से मारपीट किए जाने का आरोप लगाया है।जिनकी शिकायत पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पागल श्वान के हमले में दो बच्चे घायल

गुस्साए ग्रामीणों ने पागल श्वान को मार डाला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
बालाघाट नगर सहित जिले भर में आवारा श्वानों (कुत्तों) की तादाद कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है, जो आए दिनों लोगों को काटकर घायल कर रहे हैं, राह चलने वाले लोगों को झपट्टा मारकर घायल करना, तो दूर की बात अब ये आवारा श्वान (कुत्ते) लोगों के घरों में घुसकर हमला कर उन्हें घायल कर रहे हैं।एक ऐसा ही मामला लामता थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत अमोली में सामने आया है। जहां कथित रूप से पागल कुत्ते ने एक ही मोहल्ले के दो घरों में अलग अलग समय घुसकर दो मासूम बच्चों को काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है।घायलों में ग्राम अमोली निवासी 10 वर्षीय अनूप पिता जीतलाल कोकोटे और उसी मोहल्ले में कुछ दूरी पर रहने वाली 8 वर्षीय बालिका योगिता पिता दिनेश मर्सकोले के नाम का समावेश है। जिनका जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

दोनो बच्चो के घर मे घुसकर श्वान ने किया गया हमला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम अमोली निवासी जीतलाल कोकोटे और उन्हीं के मोहल्ले में कुछ दूरी पर रहने वाले दिनेश मर्सकोले मजदूरी का कार्य करते हैं जिसमें जीतलाल का 10 वर्षीय पुत्र अनूप और दिनेश की 8 वर्षीय बेटी योगिता गांव के ही शासकीय प्राथमिक शाला में पढ़ने के लिए जाते हैं। बताया गया कि गुरुवार की दोपहर अनूप अपने घर के भीतर खेल रहा था, जो खाना खाने के लिए किचन में गया और खाना निकाल कर बाहर के कमरे पर आकर खाना खाने के लिए बैठा था, इसी दरमियान एक पागल श्वान (कुत्ता) कहीं से दौड़ता हुआ सीधा उसके घर में घुस गया और अनूप पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।जिंसमे आवारा श्वान ने अनूप में मुह में बुरी तरह से काटकर उसे गम्भीर रूप से घायल कर दिया है। अभी यह मामला थमा भी नहीं था की इस घटना के कुछ देर बाद वही आवारा कुत्ता मोहल्ले में दिनेश मर्सकोले के घर में घुस गया, जिसने उनकी 8 वर्षीय बेटी योगिता मर्सकोले पर हमला कर उसे जगह-जगह काट लिया।

घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने कुत्ते को मार डाला

घटना के बाद मोहल्ले सहित पूरे गांव में हड़कंप मच गया।इस घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने कथित आवारा पागल कुत्ते को दौड़ना शुरू कर दिया और उसे घेर कर लाठी डंडों की मदद से पागल कुत्ते के प्राण ले लिए।वही कुत्ते के काटने से गंभीर रूप से घायल अनूप और योगिता को उपचार के लिए लामता के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।जहां के चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार कर, उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रिफर कर दिया।जिनका जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

मोटरसाइकिलों के बीच हुई आपसी भिंड़त में दो घायल

एक का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार दूसरे को गंभीर अवस्था में किया गया रिफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
रामपायली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम साकड़ी मार्ग पर दो मोटरसाइकिल के बीच हुई आपसी भिड़ंत में मोटरसाइकिल में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें स्थानिक ग्रामीणों की मदद से उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां एक का जिला अस्पताल में उपचार जारी है, तो वहीं इस सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए दूसरे व्यक्ति का प्राथमिक उपचार कर, बेहतर उपचार के लिए उसे जिला अस्पताल रिफर किया गया है। घायलों में ग्राम साकड़ी निवासी 45 वर्षीय राजकुमार पिता डुलीचंद्र दंदारे और थाना वारासिवनी ग्राम सतोना निवासी 22 वर्षीय पवन पिता अशोक मातर नामो का समावेश है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम साकड़ी निवासी राजकुमार दंदारे खेती किसानी का काम करता है ,जो बीती देर शाम अपनी मोटरसाइकिल से बेनीटोला जाने के लिए निकला था। उधर थाना वारासिवनी ग्राम सतोना निवासी पवन मातरे,जो मजदूरी का काम करता है, वह जो अपने दोस्त मुकेश पंचेश्वर के साथ महाराष्ट्र के डागोरली से अपने ग्राम सतना आ रहा था। जहां ग्राम साकड़ी के समीप दोनों की मोटर साइकिल की आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। जिससे मोटरसाइकिल में सवार तीनो लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए, इसमें मुकेश पंचेश्वर को मामूली चोट आई, जबकि पवन मातरे और राजकुमार दंदारे गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के तुरंत बाद स्थानीय गांव वालों की मदद से पवन को उपचार के लिए जिला अस्पताल तो, वही राजकुमार को उसके घर पहुचाया गया।जिनके पड़ोसी गजेंद्र दंदारे और शरद खाण्डेकर ने उन्हें उपचार के लिए निजी वाहन की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसमें से पवन मातरे की हालत काफी नाजुक होने पर जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार पर, उसे बेहतर उपचार के लिए रिफर कर दिया, तो वहीं राजकुमार दंदारे का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

छोटी कुन्हारी में पंचमी मंडई का आयोजन 25 को

अंतराज्यायी डांस प्रतियोगिता का आयोजन कर वितरित किए जाएंगे ईनाम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला मुख्यालय के समीप ग्राम छोटी कुम्हारी में दीपावली पर्व के पांचवें दिन पंचमी मंडई का आयोजन किया गया है। पंचमी मंडई 25 अक्टूबर को गांव के हनुमान चौक में भराई जाएगी।जिसमें मनोरंजन के लिए अंतराज्यायी डांस प्रतियोगिता का आयोजन आयोजक समिति द्वारा किया गया है। हनुमान चौक छोटी कुम्हारी में आयोजित इस प्रतियोगिता में ग्रुप डांस और एकल डांस प्रतियोगिता होगी। जहां ग्रुप डांस में प्रथम आने वाली टीम को 15,000 रु, द्वतीय स्थान पाने वाली टीम को 10,000 रु, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 5000 रु, तो वहीं चौथे स्थान पर आने वाली टीम को 2000 रु का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।तो वहीं एकल डांस प्रतियोगिता में प्रथम आने वाले प्रतियोगी को 6000 रु, द्वतीय स्थान पाने वाले प्रतियोगी को 4000 रु, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगी को 2000, रु चतुर्थ स्थान पर आने वाले प्रतियोगी को 1500 रु, तो वही पांचवे स्थान पर आने वाले प्रतियोगी को नगद 1000 रुपए देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।पंचमी के अवसर पर छोटी कुम्हारी में आयोजित इस मंडई और अंतराज्यायी डांस प्रतियोगिता में उपस्थित की अपील, ग्राम छोटी कुम्हारी कार्यक्रम आयोजक सर्व समाज एकता समिति द्वारा की गई है।

भाईदूज पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने लाड़ली बहनों के खाते में अंतरित की 250-250 रुपए की राशि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भाई दूज त्यौहार के अवसर पर लाड़ली बहना योजना की बहनों के खाते में सिंगल क्लिक से 250-250 रुपए की राशि हस्तांतरित की है।इसमें बालाघाट जिले की 03 लाख 49 हजार 967 बहनों के खाते में 08 करोड़ 74 लाख 91 हजार 750 रुपये की राशि जमा हुई है। भाईदूज के त्यौहार पर ग्रामीण क्षेत्रों में विकासखंड बैहर की 19 हजार 701 बहनों के खाते में 49 लाख 25 हजार 250 रुपये, विकासखंड बालाघाट की 37 हजार 989 बहनों के खाते में 94 लाख 97 हजार 250 रुपये, विकासखंड बिरसा की 27 हजार 362 बहनों के खाते में 68 लाख 40 हजार 500 रुपये, विकासखंड कटंगी की 35 हजार 301 बहनों के खाते में 88 लाख 25 हजार 250 रुपये, विकासखंड खैरलांजी की 31 हजार 793 बहनों के खाते में 79 लाख 48 हजार 250 रुपये, विकासखंड किरनापुर की 38 हजार 867 बहनों के खाते में 97 लाख 16 हजार 750 रुपये, विकासखंड लालबर्रा की 37 हजार 823 बहनों के खाते में 94 लाख 55 हजार 750 रुपये, विकासखंड लांजी की 38 हजार 826 बहनों के खाते में 97 लाख 06 हजार 500 रुपये, विकासखंड परसवाड़ा की 22 हजार 522 बहनों के खाते में 56 लाख 30 हजार 500 रुपये एवं विकासखंड वारासिवनी की 33 हजार 504 बहनों के खाते में 83 लाख 76 हजार रुपये की राशि जमा हुई। इसी प्रकार नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिका बालाघाट की 8974 बहनों के खाते में 22 लाख 83 हजार 500 रुपये, नगर पालिका मलाजखंड की 5907 बहनों के खाते में 14 लाख 76 हजार 750 रुपये, नगर पालिका वारासिवनी की 3820 बहनों के खाते में 09 लाख 55 हजार रुपये, नगर परिषद बैहर की 2698 बहनों के खाते में 06 लाख 74 हजार 500 रुपये, नगर परिषद कटंगी की 2456 बहनों के खाते में 06 लाख 14 हजार रुपये तथा नगर परिषद लांजी की 2424 बहनों के खाते में 06 लाख 06 हजार रुपये की राशि जमा हुई है।

लालबर्रा में दूसरे दिन खिलाई गई गाय

नौनिहालों को सुपे में लिटाकर भगवान गोवर्धन का मिला आशीर्वाद

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय में दीपावली पर्व के छटवें दिन 23 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के सामने स्थित आखर चौक में गाय खिलाने की रस्म अदा की गई। इस अवसर पर अहीरों एवं गोवारी समाज के द्वारा स्थाई पटेल, वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा पूर्व अध्यक्ष अनिल बब्बी शर्मा, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, शिवचरण माते एवं वरिष्ठ नागरिकों को उनके निवास से आखर चौक तक लाया गया। जिसके पश्चात चौक पर समस्त ग्रामीण व कृषक अपने-अपने चौपाये पशुओं को लेकर एकत्रित हुए जहां विधि-विधान से खिल्या मुठिया देव की पूजन अर्चन कर आखर को पारंपरिक नियमों के अनुसार बांधा गया एवं अहिरों व गोवारी समाज के व्यक्तियों के द्वारा नाच-गाकर विभिन्न व्यंजनों से तैयार भोज से गौमाता को भोग लगाया गया और गाय के बछड़े को खिचड़ी खिलाकर उसकी पूजन अर्चन पश्चात सुपे में लिटाकर गाय खिलाने की रस्म अदा की गई। जिसके बाद ग्राम के नौनिहालों को रस्म निर्वहन हेतु उपयोग किये गये सुपे में लिटाकर गोबर से तिलक लगाकर भगवान गोवर्धन का आशीर्वाद दिलवाया गया। साथ ही उपस्थितजनों ने भी एक दुसरे को गोबर का तिलक लगाया और दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी गई। जिसके बाद पशुओं को सुपे के ऊपर से दौड़ाया गया। इस दौरान अहिरों व गोवारा बंधुओं के द्वारा रूंझा व नगाड़ा की धुन पर नृत्य भी किया गया। चर्चा में यादव समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपोत्सव पर्व के लक्ष्मी पूजन के दिन से ही देव जगाने, डार बांधने सहित अन्य कार्यक्रम प्रारंभ हो जाते है और दीपावली पर्व के छटवें दिन खिल्या मुठिया देव आखर चौक लालबर्रा में गाय खिलावन की रस्म अदा की गई। इस अवसर पर ग्राम के कृषक बंधु अपने-अपने पशुओं को लेकर आखर चौक पहुंचे जहां अहिर, गोवारा, बिंझवार समाज के स्वजातीय बंधु द्वारा खिल्या मुठिया देव की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर गाय के बछड़े को खिचड़ी खिलाकर सूपे में लिटाकर गाय खिलावन की रस्म अदा की गई तत्पश्चात नौनिहाल ब'चों को सूपे में लिटाकर गोवर्धन भगवान का आशीर्वाद दिलवाया गया। स्थाई पटेल अनिल शर्मा ने बताया कि इंद्रदेव रूठ कर धरती पर तेज बारिश की थी। जिस समय भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठाकर सभी की रक्षा की थी। तभी से सभी हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा दीपावली पर्व के चौथे दिन गोवर्धन भगवान की पूजा अर्चना कर पांचवे दिन गाय खिलाने की रस्म अदा की जाती है। इसी कड़ी में लालबर्रा के आखर चौक में 23 अक्टूबर को यादव समाज के द्वारा पूजा अर्चना कर गाय खिलाने की रस्म अदा की गई। पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने सभी को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लालबर्रा में दीपावली पर्व के छटवे दिन मंडई के दिन गाय खिलावन की रस्म अदा गई। इस दौरान सभी ग्रामीणजन अपने मवेशियों को लेकर एकत्रित हुए। साथ ही यह भी बताया कि भगवान से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में खुशहाली बनाये रखे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अहिर, बिंझवार, गोवारे समाज के स्वजातीय सहित ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बघोली में 'चिन्हारी' छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बघोली के स्कूल ग्राउंड में तीसरी मंडई के अवसर पर 24 अक्टूबर को रात 9 बजे से सांस्कृतिक एवं पारम्परिक मनोरंजन के 'चिन्हारी' पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में मंडई समिति के मीडिया प्रभारी कमलेश खरोले ने बताया कि यह आयोजन बघोली के सर्वसमाज की एकता और संस्कृति प्रेम को दर्शाता है। ग्राम की तीसरी मंडई के अवसर पर ग्राम के स्कूल ग्राउण्ड में ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए 24 अक्टूबर को रात 9 बजे से सांस्कृतिक एवं पारम्परिक मनोरंजन के लिए एक शानदार कार्यक्रम ग्रामीणों और समस्त क्षेत्रीयजनों के स्वच्छ एवं स्वस्थ मनोरंजन के लिए छत्तीसगढ़ की सुप्रसिध्द संस्था डीके देशमुख कृत 'चिन्हारी' पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य संस्था सुरेगांव जिला बालोद का आयोजन किया गया है। जिसके कलाकारों के द्वारा अपनी पारंपरिक और जीवंत छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झांकी के साथ नृत्यों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील बघोली सरपंच अरशद पापा पटेल, सर्वसमाज अध्यक्ष मनीष रहांगडाले, मंडई समिति अध्यक्ष पन्नालाल बनवाले, उपाध्यक्ष खालिक खान, सचिव चैनलाल चौधरी, कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल धानेश्वर, सहित समस्त सर्वसमाज बघोली के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

बकोड़ा में छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम 25 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दुर ग्राम पंचायत बकोड़ा में 25 अक्टूबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया हैं। तत्संबंध में जानकारी देते हुए सार्वजनिक मंडई समिति बकोड़ा अध्यक्ष श्रीनिवास कावरे ने बताया कि 25 अक्टूबर को दिन-रात की मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें छत्तीसगढ़ के गायक-गायिकाओं के द्वारा छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील समिति अध्यक्ष श्रीनिवास कावरे सहित अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

बहनों ने भाईयों की उतारी आरती, दीर्घायु की कामना की

हर्षोल्लास के साथ नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बहनों ने मनाया भाईदूज पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भाई-बहन के अटूट स्नेह का पर्व भाई दूज का पर्व बुधवार को धार्मिक आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने भाई की आरती उतारकर उनका तिलक वंदन किया, वहीं भाईयों ने अपनी बहन की रक्षा का वचन दिया। भाईदूज कार्तिक मास में दीपावली पर्व के तीसरे दिन भाई दूज का पर्व हर्षोल्लास एवं धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनें भाइयों को तिलक लगाकर आरती उतार कर मिठाई खिलाकर भगवान से उनके उ'जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है। साथ ही यह भी मान्यता है कि जिसकी

पर्व पर सुबह से ही बहन व भाई के अटूट स्नेह के इस पर्व को मनाने के लिए हिन्दु धर्मालंबियों में खासा उत्साह देखा गया और विशेष मुहुर्त में यमराज व यमुना की पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात बहनों ने आरतीयां सजाकर भाईयों को आरती उतारकर अक्षत रोली से तिलक लगाया और भाईयों ने भी अपनी-अपनी बहनों को रक्षा का वचन दिया। साथ ही आकर्षक गिफ्ट भेंट कर बहन भाई की लंबी उम्र की मनोकामना की और भाईयों ने भी अपनी बहनों की खुशी के लिए भगवान से प्रार्थना की। आपकों बता दे कि हिन्दु धर्मालंबियों में भाई-बहन के स्नेह का पर्व भाईदूज की अलग ही महत्ता रहती है और इस दिन बहने भाई के माथे पर तिलक लगाकर सदैव खुश रहने का आशीर्वाद देती है। साथ ही मुंह मीठा करवाकर उसके दीर्घायु की कामना भी करती है। व्रतधारी महिला एवं बहनों ने बताया कि बहनों की शादी हो चुकी है ऐसे भाई अपनी बहनों के यहां जाकर यह त्यौहार मनाते हैं जिससे उनकी आयु लंबी होती है और यह एक बहुत पुरातन परंपरा है जो चली आ रही है। इस पर्व पर लोग गोबर से गाय, बैल, बेरी बनाकर पूजा अर्चना करते हैं। बेरी बनाकर उसे कुचला जाता है ऐसा करने से यहां मान्यता है कि भाइयों के ऊपर जो भी संकट होता है वह दूर हो जाता है। साथ ही भाई हमेशा खुश रहे, दुश्मनों से उनकी रक्षा हो इसलिए बहने भाईदूज के दिन व्रत रखती है एवं उनकी पूजा करने के बाद व्रत तोड़ती है और भगवान से अपने भाईयों की दीर्घायु की कामना करती है। साथ ही भाई भी अपने बहनों को उपहार भेंट कर उनकी हमेशा रक्षा करने का वचन देते है और यह भाईदूज का पर्व भाई-बहन के स्नेह का पर्व है जिसे सभी बहने हर्षोल्लास के साथ मनाती है।

माँ चंडी माई के दरबार में चढ़ाई गई धान की बाली

यादव समाज और स्थाई पटेलों ने पूजन-अर्चन कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के सराफा बाजार स्थित माँ चंडी माई के दरबार में यादव समाज संगठन के तत्वाधान में 23 अक्टूबर को विधि-विधान से पूजा अर्चन कर धान की बाली चढ़ाकर माँ चंडी माई से क्षेत्र की खुशहाली, सुख, शांति एवं समृध्दि की कामना की गई। आपकों बता दे कि दीपावली पर्व के छटवें दिन लालबर्रा मुख्यालय में मंडई का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में 23 अक्टूबर को यादव समाज संगठन के द्वारा ग्राम रामजीटोला के स्थाई पटेल डॉ. रामप्रसाद पंचेश्वर, पुंजारी बसंत हट्टेवार एवं ग्राम के महाजनों के घर पहुंचकर उन्हे यादव समाज के द्वारा ढोल-नगाड़ों के साथ गाते-बजाते हुए मुख्यालय के सराफा बाजार स्थित माँ चंडी माई के दरबार लेकर आये। जहां अन्य ग्रामों के यादव समाज के स्वजातीय बंधु भी उपस्थित हुए और माँ चंडी माई की विधि-विधान से पूजा अर्चन कर धान की बाली चढ़ाकर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की गई तत्पश्चात यादवों की टोली नृत्य गान करते हुए ग्राम के पटेल एवं महाजनों के साथ क्षेत्रीय पटेल वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा के पूर्व अध्यक्ष अनिल (बब्बी) शर्मा के निवास पहुंचे जहां टोली के द्वारा दोहा, शैला, नृत्यगान किया। जिसके बाद यादवों की टोली मंडई विहावन का कार्य संपन्न कर अपनी-अपनी टोली के साथ ग्राम के पटेल, महाजनों को लेकर वापस अपने ग्राम पहुंचे। यादव समाज संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि लालबर्रा मंडई के उपलक्ष्य में यादव समाज के द्वारा लालबर्रा, पांढरवानी, रामजीटोला, पनबिहरी सहित अन्य ग्राम के पटेल एवं महाजनों को लेकर माँ चंडी माई के दरबार में लेकर आये जहां विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई और धरती माता के कोख से जन्म धान की बाली को माँ चंडी माई को अर्पित कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की है। स्थाई पटेल, वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा ने बताया कि पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए आज माँ चंडी माई के दरबार में यादव समाज के द्वारा धान की बाली चढ़ाकर पूजा अर्चना की गई है। जिसके बाद ग्रामों के महाजन एवं स्थाई पटले हमारे निवास पहुंचे और सभी ने एक दुसरे से मिलकर दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देने के साथ ही लालबर्रा मंडई के विहावन के लिए चले गये। यादव समाज लालबर्रा अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि लालबर्रा मंडई के अवसर पर यादव समाज के द्वारा लालबर्रा, पांढरवानी, रामजीटोला, मानपुर, पनबिहरी, औल्याकन्हार सहित अन्य ग्राम के स्थाई पटेल एवं महाजनों को लेकर माँ चंडी माई के दरबार में लेकर आये जहां विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई और धरती माता के कोख से जन्म धान की बाली को माँ चंडी माई को अर्पित कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की गई एवं धरती माता से प्रार्थना करते है कि धान की फसल की पैदावार अ'छी करवाये ताकि सभी को भोजन मिल सके। जिसके बाद सभी यादव समाज की टोली, स्थाई पटेल व महाजन वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा पूर्व अध्यक्ष, क्षेत्रीय स्थाई पटेल अनिल (बब्बी) शर्मा के निवास पहुंचे जहां पूर्वजों से चली आ रही प्रथा का निर्वहन किया गया। इस अवसर पर यादव समाज के स्वजातीय बंधु, स्थाई पटेल एवं महाजन उपस्थित रहे।

तेली समाज का पारिवारिक फोटो और रंगोली प्रतियोगिता संपन्न

दीपावली मिलन समारोह कार्यक्रम में पारिवारिक फोटो एवं आकर्षक रंगोली बनाने वाले प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। दीपावली पर्व के पावन अवसर पर ब्लाक तेली (साहू) समाज के तत्वाधान में सोमवार को दीपोत्सव की पारिवारिक एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दीपोत्सव पर तेली (साहू) समाज के स्वजातीय बंधुओं के द्वारा लक्ष्मीपूजन के दिन अपने-अपने मकानों के आंगनों में मनमोहक आकर्षक रंगोली उकेरी गई थी। साथ ही पारिवारिक फोटो खिंची गई जिसका अवलोकन निर्णायक समिति के द्वारा घर-घर पहुंचकर किया गया। जिसके तीसरे दिन 22 अक्टूबर को अस्पताल रोड़ स्थित रेस्टोरेंट में पुरस्कार वितरण एवं दीपावली मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम तेली (साहू) समाज जिला राजेन्द्र मानवटकर के मुख्य आतिथ्य एवं ब्लाक अध्यक्ष कोमल शाकुरे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर रंगोली एवं पारिवारिक फोटो प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जिसमें रंगोली प्रतियोगिता में बोरी (मोहगांव) की कु. पलक उराड़े, प्रेरणा उराड़े ने प्रथम, जाम की कु. चारू शाकुरे ने द्वितीय, लालबर्रा की कु. पायल हटवार ने तृतीय स्थान प्राप्त की है। इसी तरह पारिवारिक फोटो प्रतियोगिता में बघोली के डिलेश समरिते परिवार की फोटो ने प्रथम, मोहगांव (जाम) के भगतराम तुलसीकर परिवार की फोटो ने द्वितीय, नैतरा के प्रेमलाल काटेकर परिवार की फोटो ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जिन्हे अतिथियों के हस्ते पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। तेली (साहू) समाज लालबर्रा ब्लाक सहसचिव बालकिशन साटोने ने बताया कि दीपोत्सव पर आयोजित पारिवारिक फोटो एवं रंगोली प्रतियोगिता में स्वजातीय बंधुओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जिसमें रंगोली प्रतियोगिता में कु. पलक उराड़े, कु. प्रेरणा उराड़े ग्राम बोरी (मोहगांव) को प्रथम पुरस्कार, कु. चारू साकुरे ग्राम जाम को द्वितीय पुरस्कार, कु. पायल हटवार लालबर्रा को तृतीय पुरस्कार। इसी तरह पारिवारिक फोटो प्रतियोगिता में डिलेश समरिते परिवार बघोली को प्रथम पुरस्कार, भगतराम तुलसीकर परिवार मोहगांव (जाम) को द्वितीय पुरस्कार एवं प्रेमलाल काटेकर परिवार नैतरा को तृतीय पुरस्कार कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों के हस्ते प्रदान कर दीपोत्सव पर्व की शुभकामनाएं दी गई। श्री साटोने ने बताया कि दीपोत्सव पर्व के अवसर पर पारिवारिक फोटो एवं रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों ने एक से बढ़कर एक फोटो खिचाई व रंगोली उकेरी जिससे उनकी प्रतिभाएं भी सामने आई है एवं सामाजिक बंधुओं में समन्वय भी स्थापित हुआ और दीपावाली मिलन समारोह कार्यक्रम से एक-दुसरे से मुलाकात कर दीपावली पर्व की शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर महिला कार्यकारणी ब्लाक अध्यक्ष श्रीमती किरणलता हटवार, ब्लाक उपाध्यक्ष हीरालाल पटले, भक्तानंद हटवार, कोषाध्यक्ष सुशील हटवार, सचिव जयराम कावड़े, सहसचिव बालकिशन साटोने, मीडिया प्रभारी योगेश तुलसीकर, श्रीमती सुनीता मानवटकर, श्रीमती लक्ष्मी समरिते, श्रीमती गीतिका समरिते, श्रीमती गीता शाकुरे, बसन्त शाकुरे, दिनेश शाकुरे, भीवराज समरिते, डिलेश समरिते, नारायण उराडे, प्रेम काटेकर, सीताराम उराडे, सारांश उराडे सहित स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सालेभर्री में खिलाई गई गाय

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत टेंगनीखुर्द के ग्राम सालेभर्री में बुधवार को दोपहर में गाय खिलावन की रस्म अदा की गई। वहीं गाय खिलावन के साथ ही मंडई का दौर भी शुरू हो चुका है। चर्चा में टेंगनीखुर्द सरपंच प्रतिनिधि धनेन्द्र राणा ने बताया कि इस 5 दिवसीय दीपोत्सव पर्व के चौथे दिन गोवर्धन पर्व के अवसर पर मंगलवार को सुबह हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा अपने-अपने मवेशियों को स्नान करवाकर रंग लगाये एवं नये दावा, खुड़ी व अन्य सामग्री पहनाकर सजाया गया। साथ ही युवती एवं महिलाओं के द्वारा आंगन में आकर्षक रांगोली उकेरी गई एवं गोबर से गोवर्धन भगवान बनाया गया जिसकी पूजा अर्चना की गई। जिसके बाद मवेशियों का तिलक वंदन एवं पूजा अर्चना कर घरों में बने विभिन्न पकवानों का भोग लगाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। आगे बताया कि दूसरे दिन बुधवार को सालेभर्री आखर चौक में गाय खिलावन की रस्म अदा की गई। इस अवसर पर ग्रामीणजन अपने मवेशियों को लेकर आखर चौक पहुंचे जहां अहिर, गोवारे, बिंझवार समाज के द्वारा गाय खिलावन की रस्म अदा की गई। जिसके बाद ग्राम के नौनिहालों को रस्म निर्वहन हेतु उपयोग किये गये सुपे में लिटाकर भगवान गोवर्धन का आशीर्वाद दिलवाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कटंगझरी के कुंऐं में पति-पत्नि के शव मिलने से सनसनी

संदिग्ध स्थिति में हुई बाहेश्वर दंपति की मौत, शव हुए बरामद, पुलिस जांच में जुटी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत कटंगझरी में संदिग्ध परिस्थिति में बाहेश्वर दंपत्ति की २२ अक्टूबर को मौत हो गई। मामले में पुलिस के द्वारा ४२ वर्षीय नंदकिशोर बाहेश्वर, ३७ वर्षीय श्यामा बाई बाहेश्वर का शव उनके खेत में स्थित कुएं से बरामद किया गया। मामले में पुलिस के द्वारा आवश्यक कार्यवाही कर जांच प्रारंभ कर दी गई है। हालांकि वर्तमान तक पति और पत्नी दोनों कैसे कुएं में डूबे यह कारण अज्ञात है। परंतु इसमें पत्नी को बचाने के लिए पति के जाने और दोनों कुएँ के अंदर गिरने की संभावना व्यक्त की जा रही है मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

यह है मामला

नंदकिशोर पिता सोरु बाहेश्वर उम्र ४५ वर्ष ग्राम कटंगझरी में अपने सयुंक्त परिवार के साथ निवास करता था। जो पेशे से किसान था और किसानी कार्य कर अपना जीवन निर्वाह करता था। २२ अक्टूबर को वह प्रतिदिन की तरह खेत में खेती कार्य देखने के लिए अपनी पत्नी श्यामा बाई बाहेश्वर अपने बेटे ईशान बाहेश्वर के साथ गया हुआ था। जहां पर उसके द्वारा खेत में लगाई गई तिल्ली की कटाई शाम के समय की गई। इसमें दो गट्ठे तिल्ली के ईशान बाहेश्वर के द्वारा मोटरसाइकिल से घर में छोड़ा गया। बेटा वापस अपने माता पिता को लेने आया तो वह खेत से गायब थे आसपास पतासाजी की गई परंतु कहीं उनका पता नहीं चला। इस दौरान खेत में स्थित कुएं के पास उनकी चप्पल दिखाई दी तो कुएं में देखा गया। जहां नंदकिशोर बाहेश्वर और श्यामा बाई बाहेश्वर का शव पानी में डूबा हुआ था। घटना की जानकारी तत्काल ग्रामीणों सहित पुलिस को दी गई। मौके पर देर रात पुलिस के द्वारा कुएं से शव बरामद कर मौके पर कार्यवाही कर शव को सिविल अस्पताल परिसर स्थित शव विच्छेदन गृह में सुरक्षित फ्रीजर में रखवा दिया गया। २३ अक्टूबर को पुलिस के द्वारा मामले में आवश्यक पंचनामा कार्यवाही शव परीक्षण कर पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

चाचा और चाची एवं उनका बेटा घर पर तिल्ली काटने बोलकर खेत गये थे-आतीश बाहेश्वर

भतीजे आतीश बाहेश्वर ने पुलिस को बताया कि मैं खेती किसानी का काम करता हूँ। मेरे घर में मेरे माता पिता एवं चाचा चाची सभी संयुक्त रुप से रहते है। २२ अक्टूबर की शाम करीबन ४.३० बजे मेरे चाचा नंदकिशोर बाहेश्वर और चाची श्यामाबाई बाहेश्वर एवं उनका बेटा ईशान बाहेश्वर घर पर तिल्ली काटने खेत जा रहे है कहकर घर से खेत के लिये निकले थे। ईशान तिल्ली लेकर आ गया था लेकिन चाचा और चाची खेत में ही थे जब काँफी देर शाम तक घर नही आये तो मैं एवं मेरे भाई भूपेन्द्र बाहेश्वर ,दिलीप बाहेश्वर एवं चाचा का लड़का ईशान बाहेश्वर उन्हे देखने के लिये खेत गये थे। जो खेत में दोनो दिखाई नही दिये तो आस पडोस के खेत वालो से पूछ तो उन्होने बोला हमे दिखाई नही दिये तो हम लोगो ने खेत में पूरा देखे लेकिन कही दिखाई नही दिये। खेत में बने कुएँ के पास जाकर देखे तो कुएँ के पास चाचा और चाची के चप्पल दिखाई दिये। तो हम लोगों ने बॉस डालकर देखे तो हमे ऐसा महसूस हुआ कि कुँये के अंदर हो सकते है। उसके बाद हम लोग गल लाकर कुये के अंदर डालकर देखे जो गल में फँस कर चाची श्यामा बाहेश्वर पानी में दिखाई दी। तो हम लोग खेत से घर आकर सूचना दिये जो घर एवं गाँव वालो के साथ पुन: खेत जाकर दोबारा गल डाले जो चाचा नंदकिशोर बाहेश्वर गल में फँसकर आये एवं पानी में दिखाई दिये। उसके बाद वहाँ उपस्थित लोगो की मदद से दोनो को कुँए के पानी से बाहर निकाले जब तक दोनो की मौत हो चुकी थी। हमे ऐसा लगता है कि चाचा और चाची की मौत कुँए में गिरने से पानी में डूबने के कारण हुई है हमें किसी पर शक नहीं हैं।

पत्नी कुएं में पानी लेने गई होगी अनबैलेंस होने पर पति बचाने में गिरा होगा-दमनसिंह

पूर्व सरपंच दमनसिंह राहंगडाले ने बताया कि मैं कटंगझरी रहता हूं नंदकिशोर बाहेश्वर उम्र ४५ वर्ष है वह अपनी पत्नी और बेटे के साथ खेत गया था। तिल्ली काटने इन्होंने कटे २ ढेर तिल्ली लड़का गाड़ी से घर ला लिया और वापस जब माता पिता को लड़का लेने गया तो वह दिखे नहीं। आवाज दिया परंतु कहीं कोई पता नहीं चला खेत में मकान वाले भी लोग आए चप्पल से कुएं में गिरने की संभावना हुई। अंदर देख तो महिला का शव ऊपर आ गया था इसमें सिर्फ अंदाजा लगा रहे हैं की पत्नी कुएं में पानी लेने गई होगी अनबैलेंस हो गई होगी और पति बचाने में गिरा है। यह कुआं बहुत चौड़ा भी नहीं है खेत का कुआं है चप्पल उतार कर खेत कुएं के पास जाते हैं।

किसानों के हक के लिए हम हमेशा लड़ते रहेंगे -विवेक

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
वारासिवनी खैरलाँजी क्षेत्र के ग्राम थानेगांव, गटापायली, नांदगांव और नवेगांव तीन में दुय्यम शायरी के कार्यक्रम में विधायक विवेक पटेल शामिल हुये। इस दौरान विधायक विवेक पटेल ने कार्यक्रम में कहा की राजनीति में किसी के साथ भेदभाव नही करेंगे मेरे क्षेत्र में विकास को लेकर कोई भेदभाव नही किया जायेगा। विधायक पटेल ने कहा कि मंडई मेले में हमें एक दूसरे से मुलाकात करने का मौका मिलता है। मंडई मेला भारतीय संस्कृति की धरोहर है मंडई मेला गाँव की शान होती है फसल कटाई की पश्चात फसल को जब अपने घर में लाते हैं उसकी खुशहाली के रूप में हम अपने गांव में मंडई का आयोजन करते है। गाँव में आपसी समरसता भाईचारा बढ़िया माहौल हो इसलिए मंडई का आयोजन किया जाता है। मंडई का त्यौहार लोगों के जीवन को खुशियों से भर देता है यह त्यौहार ना सिर्फ मजेदार और मनमोहक होता है। बल्कि यह राज्य की समृद्धि परंपरा और संस्कृति को भी दर्शाता है खास तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में लोग इस त्यौहार को काफी उत्साह और आनंद के साथ मनाते हैं। चुनाव के पूर्व भाजपा के प्रत्याशिओं ने घर घर जाकर किसानों से जो वादे किए थे उन वादों से अब वे मुखर गए है। भाजपा का कोई भी जनप्रतिनिधि अब किसानों के साथ खड़ा नहीं है। कोई बोलने वाला नहीं है कांग्रेस विधायक के द्वारा जब किसानों की मांग को सरकार तक पहुंचाया जाता है तो हमारी आवाज को दबा दिया जाता है। किसानों ने इकतीस सौ रुपए प्रति किवंटल खरीदने नहीं कहा था सरकार नहीं बनेगी इसलिए भाजपा वालो ने किसानों से झूठे वादे किए थे और प्रदेश में सरकार बना लिए है। राजनीति एक अलग विषय है हम सभी के साथ मिलकर क्षेत्र का विकास करेंगे। इस दौरान ब्लाक अध्यक्ष गोकुल प्रसाद गौतम, जनपद उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद लिल्हारे, महेंद्र राणा,विजय सहारे,तेजराम नगपुरे,देवी लिल्हारे, पवन चिखले,राजकुमार चौधरी,अशोक लिल्हारे,जावेद अली, सत्तू बिसेन,मनीष धूवारे सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

नरोड़ी के सरपंच और पंचों ने जनपद सीईओ को सौंपा ज्ञापन

नल-जल योजना पूर्ण करवाने ठेकेदार पर कार्यवाही करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत नरोड़ी के सरपंच रेखा मुन्ना राणा के द्वारा पंचों के साथ जनपद पंचायत सीईओ को ज्ञापन सौंप कर ग्राम पंचायत नरोड़ी की नल जल योजना का कार्य जल्द पूर्ण करने और ठेकेदार शैलेंद्र पटेल पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करवाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया कि ग्राम पंचायत नरोड़ी में शासन की अति महत्वपूर्ण नल जल योजना का कार्य प्रगतिरत है जिसका कार्य ठेकेदार शैलेंद्र पटेल वारासिवनी के द्वारा किया जा रहा है। जबकि कार्य पूर्ण नहीं किया गया ठेकेदार द्वारा जबरन दबाव बनाया जा रहा है कि पंचायत उसे उक्त कार्य की एनओसी दें। इसमें २० अक्टूबर २०२५ को ग्राम नरोड़ी सचिव संजय पंचभाये जो किराये से वारासिवनी में निवास करते हैं। उनके घर ठेकेदार शैलेंद्र पटेल के द्वारा जाकर बोला गया कि तूने एनओसी पर साइन नहीं किया इस पर सचिव ने कहा कि आप अपना कार्य पूर्ण कीजिए मैं एनओसी दे दूंगा। तो ठेकेदार आवेश में जाकर सचिव को उसकी बच्ची के सामने ही मारपीट करने लगा और धमकी देने लगा अगर एनओसी नहीं दिया तो जान से मार दूंगा। इसलिए मैं सरपंच ग्राम पंचायत नरोड़ी और सभी पंचगण के साथ ज्ञापन देने के लिए आए हैं कि शैलेंद्र पटेल के द्वारा जो हमारे ग्राम पंचायत सचिव के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई है। उसे ध्यान में रखते हुए की नल जल योजना कार्य को जल्द पूर्ण करवा कर सचिव को न्याय दिलाकर उक्त ठेकेदार शैलेंद्र पटेल पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए। क्योंकि कई बार सरपंच के घर पर भी आकर इन्होने दबाव बनाया है। इस अवसर पर सरपंच रेखा राणा, जनपद सदस्य निशा धार्मिक इनवाती, पंच भूमेश्वरी पंडवार, श्यामकला पटले,अनुसया भगत ,कौतिका भारती मर्सकोले ,गीता दांदरे ,तरासन पिलगर, प्रणाली बिसेन ,टुंडीलाल चौहान ,अनेन्द्र कटरे ,टेकचंद इनवाते ,सुरेंद्र शिव, लोकचंद पंद्राम ,अनीता शिव, शैवंता ठाकरे ,सुखचंद भलावे ,मुन्ना राणा मौजूद रहे।

ठेकेदार काम पुरा करें और एनोसी लें-सरपंच

सरपंच रेखा राणा ने बताया कि २० अक्टूबर को हमारी पंचायत के सचिव के साथ मारपीट कर दिए तो उनके लिए हम ज्ञापन देने के लिए यहां आए थे। इन्होंने एनोसी दो करके मेरे घर आकर मुझे और मेरे पति को चमका धमकायें भी थे ठेकेदार शैलेंद्र पटेल और उसके साथ पिंटू वर्मा घर आए थे। साइन करने के लिए हमें बोलने लगे धमकाने लगे की एनओसी चाहिए साइन कर दो। जबकि मेरे गांव में पानी नहीं आ रहा है किसी के घर में पानी नहीं आता कार्य को पूरा नहीं किया है खोदकर जगह.जगह रख दिए हैं। एनओसी हम इन्हे कैसे दे कहीं पाइप लीकेज है कहीं पानी वेस्ट में बह रहा है पिछले समय पाइपलाइन टूट गई थी पानी बह रहा था। तो सड़क पर कीचड़ ना हो अव्यवस्था ना बने इसलिए इनके द्वारा पाइप को पास के खेत में डाल दिया गया और उल्टा खेत में पानी चलाने का आरोप भी इनके द्वारा लगाया गया। सचिव से मारपीट भी उन्होंने की हम चाहते हैं कार्यवाही हो यह लोग सभी को पानी दे तभी हम एनओसी देंगे।

पंचायत सचिव को ठेकेदार ने घर में जाकर मारपीट कर किया लगत है-मुन्नालाल राणा

मुन्नालाल राणा ने बताया कि नरोड़ी में नल जल योजना का काम चालू है कई जगह गड्ढे है पाइप टूटे है किसी के घर पाइप नहीं लगा है ऐसी अनेक समस्यायें है। हमारे घर ठेकेदार शैलेंद्र पटेल और सुपरवाइजर पिंटू वर्मा आया और एनओसी दो कहने लगा हमने पूरा काम करने के लिए उन्हें कहा। २० अक्टूबर को सचिव के साथ यह घटना हुई तो शैलेंद्र पटेल ने मुझसे बात किया था मैंने पूरा काम करने कहा पानी देने और गड्ढों को भरने कहा गया। इन्होंने काम किया हमारे यहां कहीं पर पुल टूटे हैं हनुमान चौक सारईटोला श्री बिसेन के घर के पास जो पुल है वह टूटे हुए हैं क्योंकि इन्होंने खोदा है। सुक्कूटोला बस्ती में नाली खुदी हुई है गेटवाल नहीं लगाए गए हैं मोटर कम हॉर्स पावर की है और यह चमकाते हैं। हम कैसे एनओसी देंगें मुझे चमकाते हैं कि सरपंच पति है एनओसी नहीं करवा पाएगा पत्नी से तो तुझे जान माल के साथ उड़ा देंगे। २० अक्टूबर को ११ बजे संजय पंचभाये जो पंचायत सचिव है उसे ठेकेदार शैलेंद्र पटेल ने घर में जाकर मारपीट कर दिया। हम बस यही चाहते हैं कि ठेकेदार पर कार्यवाही हो घर घर गांव के लोगों को पानी मिले तब हम एनओसी देंगे।

क्षेत्र के विकास के लिये हमेशा जनता के साथ हुँ-प्रदीप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
दीपावली पर्व के बाद अब ग्रामीण क्षेत्रों में मंडई उत्सव की शुरूवात हो गई है। जिसमें वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नवेंगांव तीन, खुर्शीपार, कन्हडगांव, पिंडकेपार, फुटारा, दिनी के विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल शामिल हुये। ग्राम दिनी में सरपंच कोमल लिल्हारे व ईश्वरी दामनकर ने प्रदीप जायसवाल का स्वागत कर ग्राम की अहम समस्या को सामने रखने का कार्य किया। ग्राम की महिला समूह ने ग्राम में पूर्णत: शराब बंदी के कार्य में भैया से सहयोग की मांग रखी। जिस पर प्रदीप जायसवाल ने सभी को सार्वजनिक रूप से अपना मोबाइल नम्बर देते हुये पुलिस प्रशासन के सहयोग की भी बात की। साथ ही महिलाओं के उत्साह की सराहना करते हुये कहा की इसी तरह की इक्छाशक्ति आपको बनाये रखनी होंगी। हर अच्छे कार्य में शुरुवात में संघर्ष करना पड़ता है फिर जीत सत्यमेव जयते की ही होती है। नवेगांव तीन में ड्रामा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की आज कार्यक्रम में हम सभी दलगत, जातिगत भावनाओं से परे एकत्रित होकर मनोरंजन के लिए एकत्र हुये है। हमने सभामंच से लेकर सड़को तक का जाल बिछाने के बाद अब घोटी पुल का कार्य भी समाप्ति की ओर ला दिया है। दीपावली पश्चात ग्रामीण उत्सव के कार्यक्रम में अतिथियों को गाजे बाजे व आतिशबाजी के रंगीन नजरो के साथ ग्रामीणों ने लाया। इस दौरान पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य मौसम बिसेन,जिला पंचायत सदस्य मधु शुक्ला, संजय सिंह कछवाहा, शैलेन्द्र तिवारी, जसवंत पटले, राही पांडे , संदीप लिल्हारे,टप्पू मसखरे, विनय तुरकर,राजेश डाहरे , विनोद लिल्हारे , द्रोण डोहरे ,मुन्ना राउत,मुन्ना सुलकिया , दुर्गेश कटरे, ओमकार बिसेन,मेहतरलाल मोहतुरे,रमेश पटेल, गजरार आड़े ,शैलेन्द्र,नरेन्द्र शुक्ला ,मानसिंह बहेटवार,राजकुमार बहेटवार, शरद नगपुरे, रमेश नगपुरे,मुन्नालाल रिनायत,देवेन्द्र शुक्ला , श्रीमती उर्मिला युवराज बिसेन,सुंदरलाल राहंगडाले, मानसिंह बिसेन, रेखलाल चौधरी, गजानन चौधरी,कोमल लिल्हारे ,ईश्वरी दमनकर, राजू कावड़े,अर्पित भगत,राजू उपवंशी,धनराज बिसेन,नरेंद्र गोयल, मौजूद रहे।

नसबंदी ऑपरेशन से मृत महिला के परिवार को मिला मुआवजा-विक्रम देशमुख

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
बिरसा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम अजगरा निवासी २८ वर्षीय धनवंता बाई की मौत शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिरसा में आयोजित नसबंदी शिविर में आपरेशन के दौरान १३ फरवरी २०२४ को हो गई थी। जिस सम्बंध का समाचार जिले के एक प्रमुख दैनिक समाचार पत्र के द्वारा १४ फरवरी २०२४ को प्रकाशित किया गया था। वारासिवनी निवासी पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख के द्वारा समाचार पत्र में छपी खबर पर स्वत: संज्ञान लेकर शासकीय नसबंदी शिविर में ऑपरेशन के उपरांत हुई मौत के कारणों की जांच और उचित मुआवज़ा हेतु राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली में शिकायत की गई थी। विक्रम देशमुख की शिकायत पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के द्वारा प्रमुख सचिव,स्वास्थ्य विभाग,मध्यप्रदेश शासन को मामले की जाँच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने कहा गया था। मार्च २०२५ को मध्य प्रदेश शासन की ओर से वरिष्ठ संयुक्त निदेशक आयोग स्वास्थ्य सेवाएँ निदेशालय भोपाल के द्वारा आयोग में रिपोर्ट प्रस्तुत कर बताया गया। कि मृतिका धनवंताबाई की मौत का कारण श्न्यूरोजेनिक शॉक था। मृतका का विसरा रासायनिक विश्लेषण और हीसटोपैथोलॉजीकल रिपोर्ट के लिए संरक्षित किया जाना बताया गया था। रिपोर्ट में बताया कि भारत सरकार की परिवार नियोजन क्षतिपूर्ति योजना के अनुसार यदि मृत्यु नसबंदी के दौरान या प्रक्रिया के सात दिनों के भीतर हुई हो तो मृतक के निकट सम्बंधी को २ लाख रुपये का भुगतान करने का प्रावधान है। इस योजना के अनुसार पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख की पहल पर मृतिका के पति को २ लाख रुपये प्राप्त हुए हैं। आयोग के निर्देशों के अनुसार उपनिदेशक परिवार कल्याण राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल मध्यप्रदेश के द्वारा जुलाई २०२५ में प्रस्तुत रिपोर्ट में बताया गया है कि मृतिका का विसरा विघटित होने के कारण फोरेंसिक प्रयोगशाला सागर भेजा गया है। जिसकी रिपोर्ट अभी अप्राप्त है तथा मृतिका के पति को दो किश्तों में २ लाख रुपये दिए जा चुके हैं। हालांकि भुगतान का प्रमाण पत्र आयोग को मध्यप्रदेश शासन के द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया है। आयोग के द्वारा माह सितंबर २०२५ में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य सेवाएं विभाग म.प्र. शासन को स्मरण पत्र भेजकर एफएसएल की रासायनिक विश्लेषण रिपोर्ट तथा मृतिक महिला के निकट संबंधी को मुआवजे की राशि के भुगतान के प्रमाण को चार सप्ताह के भीतर तलब किया है।

मधुमक्खी के हमले से दो किसान घायल : सिविल अस्पताल में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम नेवरगांव में खेती कार्य के दौरान लोगों पर मधुमक्खी ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में कुछ किसान घायल हो गए तो वहीं दो किसान गंभीर रूप से घायल हुए हैं जिनका उपचार सिविल अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में खेती किसानी का कार्य चल रहा है,ऐसे में रोजाना किसानों के द्वारा खेतों में जाकर कार्य किए जाते हैं। तो वहीं खेतों में पानी या फसल को देखने के लिए भी किसान रोजाना सुबह खेतों में आना जाना करते हैं। ऐसे ही प्रतिदिन की तरह खेत में किसान गए हुए थे जहां पर अचानक मधुमक्खी के झुंड ने लोगों पर हमला कर दिया। जहां उपस्थित किसान दौड़ने लगे इस दौरान खेत में पानी देखने गए किसान भरतलाल पिता रामचंद ७५ वर्ष एवं खेत में घास काटने गए रेवनलाल पिता अमृतलाल हनवत ६६ वर्ष दोनों नेवरगांव निवासी मधुमक्खी की पकड़ में आ गए। जिन्हें मधुमक्खी के द्वारा चेहरे सहित शरीर के विभिन्न स्थानों पर काटकर गंभीर चोट पहुंचाई गई है। इन्हें परिवार के लोगों के द्वारा सुबह सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया है जहां उनका उपचार जारी है। इसमें उन्होंने बताया कि वह अपने खेती कार्य से अलग अलग स्थान पर गए हुए थे। इस दौरान उन्हें कुछ समझ नहीं आया कि क्यों मधुमक्खी के द्वारा हमला किया गया है वह भाग नहीं पाए इसलिए घायल हो गए हैं।

संपादकीय

राहत का बेहतरी वाला संदेश

करीब एक महीने पहले जब अमेरिका ने आप्रवासन नीति में एक बड़ा बदलाव करते हुए एच1बी वीजा और उसके लिए शुल्क में भारी फेरबदल कर दिया था, तभी से जमीनी स्तर पर उसके असर और खुद अमेरिका को प्रकारांतर से उससे होने वाले नुकसानों को लेकर आशंकाएं जताई जाने लगी थीं। हालांकि तब भी यह उम्मीद की गई थी कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बीते कुछ समय से अमेरिका के हित के नाम पर जिस तरह के फैसले कर रहे हैं, उसमें संभव है कि एच1बी वीजा के संबंध में घोषित नए नियमों की जटिलता और उसके व्यापक असर को देखते हुए फिर किसी बदलाव की गुंजाइश बने। जब एच1बी वीजा के लिए एक लाख डालर शुल्क लगाने की घोषणा हुई, तो उस पर खासा विवाद शुरू हो गया और इस फैसले के लिए दुनिया भर में ट्रंप की आलोचना होने लगी, तब इस फैसले में बदलाव करके कुछ राहत दी गई कि नया शुल्क नए आवेदकों के लिए होगा। यह वहां वर्षों या दशकों से रह रहे अन्य देशों के प्रवासियों लिए थोड़ी राहत की बात थी, लेकिन इसे लेकर कई आशंकाएं बनी रहीं कि आने वाले दिनों में इसका व्यवहार में कैसा असर पड़ेगा। एक समस्या यह भी खड़ी हुई थी कि शुल्क की घोषणा तो कर दी गई, लेकिन उसमें किसी तरह की छूट आदि के बारे में स्पष्ट नहीं किया गया था। यही वजह थी कि इस नए नियम से प्रभावित होने वाले लोगों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। अब ट्रंप प्रशासन ने इस संबंध में कुछ बिंदुओं को स्पष्ट किया है कि किन्हें यह शुल्क देना होगा, उसे चुकाने की प्रक्रिया क्या होगी और इसमें छूट के लिए आवेदन कैसे किए जा सकेंगे। अमेरिकी नागरिकता तथा आव्रजन सेवा यानी यूएससीआइएस की ओर जारी नए दिशानिर्देशों के तहत यह शुल्क सभी आवेदकों को नहीं देना होगा। जिन आवेदकों ने अपनी स्थिति में बदलाव कराने या प्रवास या अपनी वीजा अवधि बढ़वाने का आवेदन किया है, उन्हें भी यह अतिरिक्त शुल्क नहीं लगेगा। इस आदेश में एचाबी वीजा धारक के अमेरिका में आने-जाने पर प्रतिबंध नहीं है। इसका व्यवहार में असर इस रूप में सामने आएगा कि अगर कोई आवेदक किसी दूसरे वीजा, मसलन अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए एफ। वीजा, अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए एला वीजा पर अमेरिका में दाखिल होता है और वहीं रहते हुए एच। वीजा हासिल करता है, तो उसे नया अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा।

> इस नई घोषणा के बाद वहां एच1बी वीजा के दायरे में आने वाले एक बड़े वर्ग और खासतौर पर भारत से वहां गए लोगों के बीच काफी राहत महसूस की जा रही है। गौरतलब है कि इस वीजा के लिए सबसे ज्यादा भारत के ही लोग आवेदन करते हैं।

इस नई घोषणा के बाद वहां एचाबी वीजा के दायरे में आने वाले एक बड़े वर्ग और खासतौर पर भारत से वहां गए लोगों के बीच काफी राहत महसूस की जा रही है। गौरतलब है कि इस वीजा के लिए सबसे ज्यादा भारत के ही लोग आवेदन करते हैं। पिछले वर्ष कुल स्वीकृत एचाबी वीजाधारकों में से सत्तर फीसद भारतीय मूल के कर्मचारी थे। यों भी, भारत से अमेरिका जाने वाले पेशेवरों की संख्या अन्य देशों के लोगों के मुकाबले ज्यादा है। दरअसल, यह समूचा विवाद अमेरिका में अन्य देशों से पहुंचे पेशेवरों से जुड़ा मसला है, जो स्थानीयता और अमेरिकियों के बीच अवसरों के मुद्दे से जोड़ दिया गया है। मगर समय के साथ खुली अर्थव्यवस्था के एक ढांचे के रूप में विकसित होती दुनिया में अमेरिका को उदार रुख अपनाते हुए एक ठोस नीति तक पहुंचना चाहिए। सिर्फ बाहरी माने जाने वाले लोगों पर शिकंजा कस कर या उन्हें बाहर करने का अभियान चला कर वह अमेरिकियों का भला नहीं कर सकता।

ब्लैकबोर्ड पर लिखी पंक्तियों के निहितार्थ

शिक्षक जब स्कूल की कक्षा के श्यामपट्ट यानी ब्लैक बोर्ड पर लिख रहे होते हैं तब अक्सर देखा जाता है कि कुछ बच्चे अपने तरीके से अपने सामने मेज पर कलम से कोई चित्र उकेर रहे होते हैं। कुछ विद्यार्थी अपने मन से कुछ भी लिख रहे होते हैं, कोई स्केच वाली कलम से अपने आगे बैठे सहपाठी की कमीज पर कुछ लिख देता है, तो कोई कापी से पन्ना निकाल हवाईजहाज बना कर उड़ाता दिखता है। इसी तरह की कुछ और नटखट कारगुजारियां करते हुए कई स्कूली बच्चों को देखा जा सकता है। कई बार स्कूल के शौचालय की दीवारों पर भी भद्दी चित्रकारी देखने को मिलती है। कुछ अच्छे तो कई खराब टिप्पणियां भी उकेरी हुई होती हैं। यही हाल अक्सर रेलगाड़ियों, बसों या सरकारी सार्वजनिक स्थलों पर भी देखने को मिलता है। ऐसा लिखने वाले बढ़ती उम्र के बच्चों के भीतर शायद किसी तरह की हिचक नहीं होती और ये इसके असर के बारे में अंदाजा नहीं लगा पाते।

ऐसे कारनामे यहीं नहीं रुकते, बल्कि कुछ ऐतिहासिक इमारतों की दीवारों-दरवाजों पर भी लिखे या चित्र रूप में इस विचित्र मनोवृत्ति का प्रदर्शन दिख जाता है। ये कभी बेमानी होते हैं तो कभी अश्लीलता की हद भी पार कर जाते हैं। ऐसा लगता है कि इस तरह की हरकत करने वालों को अपने मन की कुंठा निकालनी होती है या किसी तरह अपनी बात दूसरे तक तुरंत पहुंचानी होती है, तो उन्हें इससे सरल और सहज माध्यम कोई और नहीं सूझता। यों भी, जो किसी के सामने नहीं कहा जा सकता या सामने आने पर कहने की हिम्मत नहीं होती, उसे इस तरह पेश कर देना इन्हें बेहतर लगता है।

किसी पर्यटन स्थल या किसी ऐतिहासिक इमारत पर प्रेम संदेश या दिल की आकृति को चीरते हुए तीर कई लोगों ने देखा होगा। ऐसी जगहों पर कुछ सामान्य और सूचनात्मक शब्दों को भी मिटा या बिगाड़ दिया जाता है। इस तरह की हरकत करने वालों को कई बार रचनात्मकता के दृष्टिकोण से देखा जाता है, लेकिन सच यह है कि इस तरह से अपनी कुंठा या मानसिकता का प्रदर्शन किसी भी तरह से सराहनीय नहीं हो सकता, क्योंकि इससे दूसरों को असहजता होती है, उन्हें बुरा लगता है। इसके अलावा, इस तरह की कुंठा बाद में और ज्यादा विकृत होती जाती है और दूसरों को नुकसान पहुंचाने वाली बन जाती है। पर्यटन स्थलों या ऐतिहासिक इमारतों पर नाहक ही कुछ लिखना उसे क्षति पहुंचाना भी होता है। इसे दंडनीय भी माना जाता है, लेकिन कुछ लोग ऐसा करते हैं।

देखा जाए तो रचनात्मकता मानव मन में बहुत छोटी उम्र से आने लगती है। बच्चे जब रेत में घर-घर खेल रहे होते हैं, वे सीख रहे होते हैं।

रचनात्मकता मानव मन में बहुत छोटी उम्र से आने लगती है। बच्चे जब रेत में घर-घर खेल रहे होते हैं, तो अपने घरौंदे बना कर खुश होते हैं। कई बार वे घरौंदा तोड़ कर भी खुश होते हैं। वे नहीं जानते दूसरे का दुख या दूसरे बच्चों के घर टूटने का मतलब । लेकिन उसी दौर में जब उनका घर कोई अन्य बच्चा तोड़ देता है तो वहां दुख का सामाजिक प्रशिक्षण होता है।

अपने घरौंदे बना कर खुश होते हैं। कई बार वे किसी और का घरौंदा तोड़ कर भी खुश होते हैं। अबोध बच्चे नहीं जानते दूसरे का दुख या दूसरे बच्चों के घर टूटने का मतलब, लेकिन उसी दौर में जब उनका घर कोई अन्य बच्चा तोड़ देता है तो वहां दुख का सामाजिक प्रशिक्षण होता है।

बढ़ती उम्र के कुछ बच्चे ऐसे होते हैं, जो खुद को छोटी उम्र का बच्चा नहीं समझते। मगर ज्यादा उम्र वाले बड़े बच्चे उन्हें अपने साथ नहीं बिठाते। ऐसे में ये बीच उम्र के बच्चे या किशोर अपने में कुछ अधिक ही खोए से रहते हैं। मन ही मन जो उद्गार उमड़ते हैं, उन्हें प्रकट कर देना चाहते हैं, पर समझ नहीं पाते कि वे अपनी बात किससे कहें, कैसे और कब कहें।

-केदारनाथ शुक्ला

(पहले पेज से आगे)

"मैं दलित न होता तो क्या मुझे पेशाब पिलाई जाती?"

हर कोई हमें उसी नज़र से देखेगा, मेरे बच्चों को भी यही झेलना पड़ेगा।

जहां एक तरफ भिंड में ज्ञानसिंह और उनके परिवार के लिए परेशानियां बढ़ी हुई हैं. वहीं भिंड से लगभग 500 किलोमीटर दूर कटनी जिले में राजकुमार चौधरी का परिवार भी सदमे में हैं।

कटनी में 10 दिन पहले दलित व्यक्ति के साथ मारपीट और पेशाब पिलाने की घटना सामने आई थी।

मध्य प्रदेश के कटनी जिले में 36 साल के दलित किसान राजकुमार चौधरी ने भी अपने साथ मारपीट और पेशाब पिलाने का आरोप लगाया।

बीबीसी से बात करते हुए राजकुमार ने आरोप लगाए कि उन्होंने 13 अक्तूबर की शाम अपने खेत के पास सरकारी जमीन पर हो रहे अवैध खनन का विरोध किया। इसके चलते खनन कर रहे राम बिहारी, गांव के सरपंच रामानुज पांडेय, उनके बेटे पवन पांडेय और कुछ अन्य लोगों ने उन्हें बुरी तरह पीटा।

राजकुमार का कहना है, 'मुझे लातों से मारा गया और मारपीट के दौरान गांव के सरपंच रामानुज पांडे के बेटे पवन पांडेय ने मुंह पर पेशाब कर दिया। मुझे पिटने से बचाने पहुँचीं मेरी मां को भी बालों से घसीटा गया और जातिसूचक गालियां दी गई।'

पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस एफआईआर दर्ज की है। एक शिकायत सामान्य वर्ग के परिवार की ओर से 13 अक्तूबर को दर्ज हुई थी, जबकि राजकुमार की ओर से दो दिन बाद एससी-एसटी अत्याचार निवारण कानून के तहत मामला दर्ज किया गया।

कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा ने बीबीसी से कहा, 'हमने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। इसमें अब तक हम किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाएं हैं, लेकिन पुलिस प्रयास में लगी है और जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।'

मध्य प्रदेश में काम कर रहीं अधिवक्ता निकिता सोनवाने का कहना है कि एससी-एसटी एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन में कई स्तरों पर लापरवाही बरती जाती है।

बीबीसी से निकिता ने बताया, %इन अपराधों की जड़ में केवल सामाजिक पूर्वाग्रह नहीं, बल्कि प्रशासनिक ढिलाई और जवाबदेही का अभाव है।

पुरुषोत्तम के परिवार का कहना है कि यह घटना गांव में शराबबंदी को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद हुई। ग्रामीणों ने अनुज पांडे पर शराबबंदी के बीच शराब बेचने का विरोध किया.

हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद दमोह पुलिस ने इस मामले में अनुज पांडे और अन्य अभियुक्तों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा के तहत मामला पंजीबद्ध किया है।

कटनी में दलित के साथ हिंसा, पेशाब पिलाने का आरोप

कई बार आरोपियों पर दर्ज मामलों को आपसी विवाद बताकर, या फिर क्रॉस एफआईआर करके मामले को कमजोर बना दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि इससे पीड़ित पक्ष पर अनचाहा दबाव बनता है। दमोह जिले के सतरिया गांव की घटना है। देश का दिल कहे जाने वाले मध्य प्रदेश में दलित समुदाय के खिलाफ होने वाले अपराधों ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

कटनी और भिंड से सामने आए मामलों के कुछ दिन पहले मध्य प्रदेश के दमोह जिले के सतरिया गांव से भी उत्पीड़न की एक घटना सामने आई।

20 वर्षीय पुरुषोत्तम कुशवाहा के परिवार ने आरोप लगाया कि एक ब्राह्मण युवक अनुज पांडे के पैर धोकर उनको वही पानी पीने के लिए मजबूर किया गया।

किसान राजकुमार चौधरी ने अपने साथ मारपीट का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें पेशाब पिलाई गई पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर कॉस एफआईआर दर्ज की है

आरोप लगाया था और इस पर कुशवाहा समाज और पांडे परिवार के बीच विवाद बढ़ गया।

बाद में पुरुषोत्तम ने सोशल मीडिया पर अनुज पांडे की एक तस्वीर पर जूतों की माला पहनाकर पोस्ट की थी, जिसे कुछ देर बाद हटा भी दिया।

(बीबीसी रिपोर्ट)

परिवार के अनुसार, इस पोस्ट के बाद गांव के ब्राह्मण समाज के कुछ लोगों ने पंचायत बुलाकर पुरुषोत्तम से सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाई, अनुज पांडे के पैर धुलवाए और वही पानी पीने को कहा। इस पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला गया, जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ा।

इस घटना के बाद पुरुषोत्तम ने शिकायत और कार्रवाई न करने की मांग की थी। उन्होंने बीबीसी से कहा था कि, 'हमें यहीं रहना है। शिकायत और एफआईआर करके कहां जायेंगे ?'। 196 (1) (बी) के तहत एफआईआर दर्ज की है।

पुलिस अधीक्षक श्रुत कीर्ति सोमवंशी ने 12 अक्तूबर को बीबीसी को बताया था, 'इस मामले में जांच जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।'

वहीं दमोह से वीडियो वायरल होने के बाद अनुज पांडे ने भी एक वीडियो जारी किया जिसमें उन्होंने कहा, 'हमारा और पुरुषोत्तम का गुरु-शिष्य का रिश्ता है और उसने अपने मन से हमारे पैर धोए और

माफी मांगी थी। अगर कुशवाहा समाज को हमारे पैर धुलवाने से दिक्कत हो रही है तो मैं क्षमाप्रार्थी हूं'।

अनुज पांडे के भाई दीनदयाल पांडे ने बीबीसी से कहा, 'हम लोगों ने कोई जबरदस्ती नहीं की है। सामने वाले ने अपनी मर्जी से गुरु होने के नाते अनुज के पैर धोए थे। उन्होंने अनुज की फोटो पर जूतों की माला पहनाई थी और उसी हरकत की माफी मांगी थी।' मध्य प्रदेश में दलितों और पिछड़े वर्गों के खिलाफ अत्याचार कोई नई बात नहीं है। इसके पहले साल 2023 में मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक आदिवासी युवक पर भाजपा नेता प्रवेश शुक्ला के पेशाब करने का वीडियो वायरल हुआ था।

इस मामले में प्रवेश शुक्ला को गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल मामला न्यायालय में संचित है। एनसीआरबी की सबसे लेटेस्ट रिपोर्ट साल 2023 तक के अपराधों की बात करती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक मध्य प्रदेश साल 2021, 2022, और 2023 में लगातार देशभर में अनुसूचित जाति के खिलाफ हुए अपराधों में तीसरे पायदान पर रहा है। इससे ऊपर सिर्फ उत्तर प्रदेश और राजस्थान रहे हैं। वहीं अनुसूचित जनजाति के खिलाफ हुए अपराधों में भी मध्य प्रदेश 2021 और 2022 में पहले नंबर पर तो 2023 में दूसरे स्थान पर रहा है।

भोपाल स्थित सामाजिक कार्यकर्ता माधुरी का कहना है कि जातीय हिंसा और भेदभाव हमारे समाज में अब भी गहराई तक धंसे हुए हैं।

'कानून तो हैं, लेकिन न्याय तक पहुंचना आज भी बेहद मुश्किल है। ये तो सिर्फ कुछ मामले हैं जो खबरों में जगह बना पाते हैं लेकिन ऐसे न जाने कितने पीड़ित हैं जिनकी रिपोर्ट तक नहीं लिखी जाती है।' माधुरी का मानना है कि ऐसी घटनाओं में राजनीतिक संरक्षण की एक अदृश्य डाल होती है, जो अपराधियों को बचा लेती है।

'आप अगर इन मामलों की तह तक जायेंगे तो ये निकलकर आएगा कि आरोपियों को किसी न किसी तरह सत्ता का संरक्षण प्राप्त होता है और यही वजह है कि ये हिंसा बार-बार दोहराई जाती है।'

निकिता सोनवाने कहती हैं, 'जमीनी स्तर पर जांच प्रक्रिया अक्सर अधूरी और ऊपरी होती है, कई बार तो प्राथमिकी तक दर्ज नहीं की जाती, जिसके चलते अधिकतर मामलों में अभियुक्त बरी हो जाते हैं या मामला आगे नहीं बढ़ पाता।' उन्होंने आगे कहा कि राज्य की भूमिका सिर्फ प्रतिक्रिया देने तक सीमित रह गई है, जबकि अधिनियम में स्पष्ट रूप से रोकथाम संबंधी कदम उठाने का प्रावधान है।

'सरकारों की ओर से कानूनी रूप से आवश्यक एहतियाती कदम नहीं उठाए जाते, न ही पीड़ितों को समय पर न्याय और सुरक्षा मिल पाती है। नतीजा यह है कि अपराधी निडर हो गए हैं और पीड़ित समुदायों में भरोसे की भावना लगातार कम होती जा रही है।'

निकिता ने कहा, 'जब तक राज्य सरकार खुद इन मामलों में सक्रिय हस्तक्षेप नहीं करेगी और रोकथाम को प्राथमिकता नहीं देगी, तब तक यह अधिनियम कागजों में ही प्रभावी रहेगी।'

माधुरी ने इन घटनाओं से दलित समुदाय के बच्चों पर होने वाले असर के बारे में कहा, 'इन घटनाओं से जो डर, गुस्सा, बेबसी और कड़वाहट पैदा होती है, वह बच्चों के भीतर तक उतर जाती है। ये बच्चे उस माहौल में बड़े होते हैं जहां असमानता और अपमान को सामान्य मान लिया गया है। यह सिर्फ सामाजिक या कानूनी नहीं, बल्कि भावनात्मक और पीढ़ीगत हिंसा है जिसके निशान पीढ़ियों तक जाते हैं।'

(बीबीसी से साभार)

बेटियों के लिए दिखावे के आंसू ना बहे

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ। प्रधानमंत्री का यह नारा बहुत याद आया पिछले सप्ताह जब ओड़ीशा की बीस साल की एक बेटी ने आत्महत्या कर ली। इसलिए कि उसे पढ़ाने वालों ने ही उससे उसकी इज्जत का सौदा मांगा।

बेटी ने हिम्मत दिखा कर कालेज प्रबंधन के सामने अध्यापक का नाम लेकर शिकायत दर्ज की, लेकिन उसे अपनी शिकायत वापस लेने को कहा गया। पुलिस में जाकर उसने प्राथमिकी दर्ज करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने भी उसका साथ नहीं दिया। फिर उसने सोशल मीडिया पर घोषित किया कि उसको न्याय नहीं मिलता है, तो वह आत्महत्या करने के लिए तैयार है। जब न सुनवाई हुई, न सहायता मिली और न संवेदनशीलता किसी ने दिखाई, तो यह बेटी बच न सकी। अपने शरीर में आग लगा कर उसने आत्महत्या करने का प्रयास किया। आखिरी जुल्म उस पर यह हुआ कि उसको अस्पताल ले जाने में कोई पांच घंटे की देरी हुई। उसका शरीर नब्बे फीसद से ज्यादा जल चुका था। शायद उसकी जान बच जाती अगर अस्पताल पहुंचती समय पर।

पढ़ने वाली बेटी के मरने के बाद अखबारों में लंबे-चौड़े लेख छपे। लिखने वालों ने खूब संवेदना जताई और घड़ियाली आंसू बहाए, लेकिन सच यह है कि इस तरह की कहानियां इतनी ज्यादा सुनने को मिलती हैं भारत में कि आंसू भी लोगों के सूख गए हैं। इस बेटी के मरने के कुछ दिन बाद एक वीडियो देखा मैंने, जिसमें दस साल की एक बच्ची को एक आदमी घसीट कर लेकर जाता है सुनसान सड़क के किनारे झाड़ियों में। उससे बलात्कार करता है। यह खबर तमिलनाडु से थी।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, छोटी बच्चियों से बलात्कार के मामले 2016 और 2022 के बीच 96 फीसद बढ़ गए। इन आंकड़ों के अनुसार, बलात्कार के सबसे अधिक मामले 2022 में राजस्थान मेंदर्ज हुए। आंकड़ा था 5399, नंबर दो पर आया उत्तर प्रदेश जहां 3690 मामले दर्ज हुए और तीसरे नंबर पर आया मध्य प्रदेश, जहां 3029 मामले दर्ज हुए, राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के मुताबिक। रही बात पढ़ने वाली बेटियों से बलात्कार की, तो दो दर्दनाक मामले आए हैं पिछले महीनों में कोलकाता से। पहले वाले में एक बेटी जो मेडिकल कालेज में पढ़ रही थी जान से मारी गई बलात्कार के बाद। दूसरे में एक बेटी जो वकालत पढ़ रही थी उससे सामूहिक बलात्कार हुआ कालेज के अंदर। यह बेटी जीवित रही और जिन दरिंदों ने उससे बलात्कार किया वे गिरफ्तार हुए। सवाल यह है कि ऐसा क्यों हो रहा है उस देश में जिसके प्रधानमंत्री ने खुद दु:ख जताया है. लेकिन

बेटियों के खिलाफ जब दरिंदगी होती है, तो हमारे राजनेता वास्तव में असली संवेदना कभी नहीं जताते हैं, न असली दर्द होता है उन्हें। बंगाल या तमिलनाडु में जब किसी बेटी से बलात्कार होता है, तो भारतीय जनता पार्टी के नेता खूब हाय-तौबा मचाते हैं। उत्तर प्रदेश या राजस्थान में जब कोई दरिंदगी का मामला सामने आता है, तो हल्ला मचाते हैं विपक्षी दल के नेता।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा दिया है। सवाल का जवाब है कि बेटियों के खिलाफ जब दरिंदगी होती है, तो हमारे राजनेता वास्तव में असली संवेदना कभी नहीं जताते हैं, न असली दर्द होता है उन्हें। बंगाल या तमिलनाडु में जब किसी बेटी से बलात्कार होता है, तो भारतीय जनता पार्टी के नेता खूब हाय-तौबा मचाते हैं। उत्तर प्रदेश या राजस्थान में जब कोई दरिंदगी का मामला सामने आता है, तो हल्ला मचाते हैं विपक्षी दल के नेता। जब कुछ साल पहले कश्मीर में एक छोटी बच्ची से बर्बरता हुई थी, तो वहां के हिंदू संगठनों ने साथ दिया था उस पुजारी और उसके बेटे का, जिसने इस बच्ची को मंदिर में कैद कर-के भूखा प्यासा रख कर कई दिनों तक उसको नशे की गोलियां देकर उससे ऐसी दरिंदगी की, जिसके लिए मेरी शब्दावली में शब्द नहीं हैं। राजनीतिक अगर देश की बेटियों के साथ अन्याय कर रहे हैं, तो उससे भी अधिक अन्याय उनके साथ होता है हमारी अदालतों में। बलात्कार के मामले अगर पहुंचते भी हैं अदालतों तक, तो इतना लंबा चलता है कि शिकायत दर्ज करने वाली बेटी ही हार मान लेती है कई बार। अक्सर जमानत पर छूट जाते हैं बलात्कारी और कई बार तो वे पीड़िता को धमकाने डराने में लग जाते हैं और कई बार तो उसको जान से मार देते हैं ताकि गवाही न दे सके। ऐसी भी बेटियां हैं इस देश में जिन्होंने शिकायत दर्ज करने के बाद तंग आकर खुदकुशी कर ली है। कुछ बेटियों पर तेजाब फेंका जाता है अगर वे शिकायत वापस लेने के लिए तैयार नहीं होती हैं।

राजनीति और न्याय के चक्र से रिहा होती हैं, तो इस देश की बेटियों का यह हाल है कि उनके परिजन ही उनको शर्मिंदा करने में लग जाते हैं। ऊपर से कई कहानियां ऐसी हैं जिनमें उनके बाप और भाई ही उनका यौन शोषण करने में लग जाते हैं। यानी सबसे बड़ी समस्या सामाजिक है, खासतौर पर देहातों में जहां छोटी कही जाने वाली जाति की बेटियों से ऊंची कही जाने वाली जाति के लड़के बलात्कार करते हैं। कहने का मतलब यह है कि यह ऐसी समस्या है जो अच्छे नारे से नहीं हल होने वाली है, लेकिन अगर हमारे राजनेता अच्छे शब्दों से आगे निकल कर वास्तव में बलात्कार के खिलाफ मुहिम चलाने की हिम्मत दिखाते हैं, तो शायद कुछ बदल सकता है। आज नहीं तो कम से कम कल या परसों।

शुरुआत अगर राजनेता करते हैं ईमानदारी से, तो हो सकता है कि कभी न कभी भविष्य में इस देश की बेटियों को वास्तव में बचाने और पढ़ाने का काम होगा। वर्तमान हाल यह है कि रोज बलात्कार का कोई न कोई नया मामला आता है और अक्सर इन बेटियों की कहानियां सुर्खियों में नहीं कही जाती है। छिपा कर लिखी जाती है संक्षिप्त में, जैसे हम सब मान चुके हैं कि ऐसा तो होता ही है हमारे देश में। इसलिए कब तक इसको लेकर दुखी होते रहेंगे।

- तवलीन सिंह

रचनात्मकता की परिधि और सोच के दरवाजे

जी वन कल्पनाओं, विचारों और कर्मों की एक सतत श्रृंखला का दूसरा नाम है। निस्संदेह जीवन सीमित और अनिश्चित है, लेकिन इस सीमित यात्रा में ही हमें विभिन्न प्रकार की परिस्थितियों, दशाओं, अवसरों और समस्याओं से भी परिचित होना पड़ता है। रचनात्मकता एक ऐसा गुण है जो हमारे जीवन को एक सुंदर आकार में ढालते हुए प्रगति की ओर अग्रसर करता है। रचनात्मकता का अर्थ है- कर्म या विचार को लेकर नवीनता उत्पन्न करने की क्षमता। किसी ऐसे विचार का सृजन करना, जो मौलिक हो और पूर्व में मौजूद न हो या फिर उस विचार की परिणति किसी ऐसे कर्म में कर देना, जो पहले घटित न हुआ हो, यह सब कुछ रचनात्मकता की परिधि के अंतर्गत आता है। रचनात्मकता कोई साधारण गुण नहीं है, बल्कि इसमें सामान्य को विशेष में रूपांतरित करने की असीम शक्ति होती है। रचनात्मकता हमें समस्याओं का सटीक समाधान खोजने में सहायता करती है और साथ ही जीवन को एक बेहतर नजरिए से देखने में सक्षम और समर्थ बनाती है।

वर्तमान समय कौशल और दक्षता का समय है और ये दोनों गुण प्रयास बिना रचनात्मकता के विकसित नहीं हो सकते। रचनात्मकता एक ऐसी शक्ति है, जो विचारों को नया आकार देते हुए कला, साहित्य, विज्ञान या किसी बड़े सामाजिक परिवर्तन में रूपांतरित कर सकती है। हम जरा किसी दिन अपनी दिनचर्या पर गौर करें और रात्रि विश्राम के समय अपनी पूरे दिन की गतिविधियों का आकलन करते हुए यह विचार करें कि हमने आज क्या नया सोचा है, क्या नया सीखा है या क्या नया किया है। अगर इन सभी प्रश्नों का उत्तर हमारे अंत:करण के द्वारा %नहीं% के रूप में दिया जाता है, तो कहीं न कहीं हमारा जीवन सार्थकता से दूर जा रहा है। रचनात्मकता से विहीन जीवन पूर्णतया निरुद्देश्य और निरर्थक होता है। रचनात्मकता जीवन को नीरसता और नीरवता से बाहर निकाल कर अर्थपूर्ण तथा नादपूर्ण बनाती है। मनोविज्ञान के अनुसार, रचनात्मकता मानवीय बुद्धि का सर्वोच्च रूप है। यह विश्लेषणात्मक सोच, कल्पना, संवेदना और अनुभव का संगम है। अगर हम गंभीरता के साथ विचार करें तो निष्कर्ष यह निकलेगा कि हमारा जीवन भी प्रकृति की रचनात्मकता का ही परिणाम है। निश्चित रूप से ऐसे जीवन में, जो स्वयं रचनात्मकता से ही उत्पन्न हुआ है, रचनात्मकता का महत्त्व क्या और कितना होगा, इसे शब्दों में कदापि वर्णित नहीं किया जा सकता।

हमारे अंतर्मन में रचनात्मकता की भावना तभी उत्पन्न हो सकती है, जबकि हम पूर्णरूपेण स्वतंत्रता, तर्कशीलता और जिज्ञासा के भावों से ओतप्रोत हों। रचनात्मक व्यक्ति केवल बाहरी सफलता ही नहीं अर्जित करता, बल्कि आंतरिक संतोष भी प्राप्त कर लेता है। अपने भीतर कुछ विशिष्ट होने का भाव उसे आत्मविश्वास की ओर ले जाता है।

रचनात्मक लोग जीवन की प्रत्येक परिस्थिति को अपने अनुकूल ढालने में सक्षम और समर्थ होते हैं, क्योंकि उनके अंदर समस्या को अवसर तथा समाधान में रूपांतरित करने की असीम, अद्‌भुत क्षमता होती है । साहित्य, कला, विज्ञान और सामाजिक परिदृश्य- इन सबकी प्रगति की आधारशिला रचनात्मकता में ही निहित होती है।

अनुभूति प्रदान करता है, तनाव से मुक्ति देता है और उसके अंतस में जीवन के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करता है। रचनात्मक लोग जीवन की प्रत्येक परिस्थिति को अपने अनुकूल ढालने में सक्षम और समर्थ होते हैं, क्योंकि उनके अंदर समस्या को अवसर और समाधान में रूपांतरित करने की असीम तथा अद्भुत क्षमता होती है। साहित्य, कला, विज्ञान और सामाजिक परिदृश्य- इन सबकी प्रगति की आधारशिला रचनात्मकता में ही निहित होती है। रचनात्मकता नैतिकता और आध्यात्मिकता के साथ भी गहराई से संबद्ध होती है। ऐसे व्यक्ति के अंदर मानवीय मूल्य और सद्‌गुण उच्च स्तर तक विकसित हो जाते हैं। उसके व्यक्तित्व में अवगुणों के लिए कोई स्थान शेष नहीं रहता। संवेदनशीलता, सहिष्णुता और सकारात्मक दृष्टिकोण बिना रचनात्मकता के विकसित नहीं हो सकते। अपने अंदर रचनात्मकता का गुण विकसित करने के लिए हमें प्रत्येक वस्तु, स्थिति और परिस्थिति के संबंध में प्रश्न और जिज्ञासा से परिपूर्ण दृष्टिकोण निर्मित करना होगा। तर्कपूर्ण और पक्षपातरहित आकलन तथा मूल्यांकन हमें रचनात्मकता की ओर अग्रसर करते हैं।

करना चाहिए। रचनात्मकता एक आत्मिक साधना है, क्योंकि अपने अंतर्मन को शांत अवस्था में रखते हुए हमें गहन चिंतन और अवलोकन के भाव के साथ जीवन को नवीन दिशा देने का इसके द्वारा अंत:करण में छिपे हुए भाव और कौशल निखर कर बाहर आ जाते हैं। दूसरे शब्दों में अगर यह कहा जाए कि रचनात्मकता के माध्यम से हम आत्मसाधना करते हुए स्वयं से जुड़ने का एक सुअवसर प्राप्त करते हैं, तो इसमें कुछ गलत न होगा। रचनात्मकता जीवन में न केवल सौंदर्य का संचार करती है, बल्कि इसे नवीन दिशा और ऊर्जा भी देती है। यह व्यक्ति को जीवंत रखती है, समाज को प्रगतिशील बनाती है और मानवता को उन्नति के पथ पर आगे बढ़ाती है। अगर जीवन में रचनात्मकता न हो, तो वह महज एक छोटी सी दिनचर्या बनकर रह जाएगा। उस जीवन में न तो कोई उत्साह होगा और न ही उसका कोई अर्थ सिद्ध होगा। रचनात्मकता ही वह तत्त्व है, जो वास्तव में हमें जीवित होने का भाव अनुभव कराती है।

रचनात्मकता जीवन का शाश्वत भाव है। यह जीवन में विद्यमान ऐसी सृजनशील धारा है, जो निरंतर बहती रहती है। यह मनुष्य को यांत्रिक अस्तित्व से ऊपर उठा कर चेतन अस्तित्व की ओर ले जाती है। जिस क्षण हम शब्द, विचार या कर्म से किसी भी रूप में सृजन या रचना करते हैं, उसी क्षण हम जीवन के वास्तविक अर्थ को जीते हैं। रचनात्मकता का उद्देश्य है- अपने विचारों, कार्यों और संबंधों में जीवंतता का नवीन प्रकाश उत्पन्न करना। रचनात्मक व्यक्ति का जीवन केवल एक घटना मात्र नहीं होता, बल्कि एक सफल, सार्थक और सकारात्मक उत्सव की भांति होता है। संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि रचनात्मकता ही जीवन की आत्मा है और बिना इसके जीवन नितांत अर्थहीन है।

- शिशिर शुक्ला

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर ।एजेंसी। बुधवार को मुहूर्त सौदों के बाद गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार बेहद सुस्त रहा। दोनों कीमती धातुओं में बाजार मंदी के देखे गये। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 155000, चॉंदी (99) 154800, टंच 153500, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 127000,

अन्य सभी प्रमुख बाजारों में भाईदूज के उपलक्ष्य में अवकाश रहा।

जीएसटी घटने का लोगों को नहीं मिल रहा फायदा, 10 से 20 फीसदी बढ़ गई कीमतें

नई दिल्ली ।एजेंसी। 22 सितंबर से जीएसटी की दर 18फीसदी से घटाकर 5फीसदी कर दी गई थी। सरकार का उद्देश्य था कि सैलून, जिम, फिटनेस सेंटर और योग क्लास जैसी सेवाएं आम लोगों के लिए सस्ती हों, लेकिन हुआ उलटा कीमतें घटने के बजाय 10 से 20 फीसदी तक बढ़ गई हैं। इस स्थिति ने ग्राहकों और कारोबारियों, दोनों को हैरान कर दिया है। दरअसल सरकार ने इन सेवाओं पर इनपुट टैक्स क्रेडिट का विकल्प खत्म कर दिया है। आईटीसी एक ऐसा प्रावधान होता है, जिससे व्यवसाय अपने खर्चों पर पहले से दिए गए टैक्स का कुछ हिस्सा वापस ले सकते हैं, लेकिन अब जब यह सुविधा बंद हो गई, तो सैलून, जिम और फिटनेस सेंटर जैसे व्यवसायों को इन सभी खर्चों पर पूरा जीएसटी खुद वहन करना पड़ रहा है। इससे उनकी कुल लागत बढ़ गई है, जिसका बोझ अंततः ग्राहकों पर डालना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक कई बड़े सैलून चेन मालिकों ने बताया कि उन्होंने नई जीएसटी दर लागू होने से पहले ही कीमतों में बढ़ोतरी कर दी थी। उनका कहना है कि वे ग्राहकों को सस्ती सेवाएं देना चाहते हैं, लेकिन आईटीसी न मिलने से उनका मुनाफा प्रभावित हुआ है। अगर वे पुराने दामों पर ही सेवाएं देते रहेंगे, तो उन्हें नुकसान होगा। इसलिए उन्हें मजबूरी में कीमतें बढ़ानी पड़ीं। इस तरह, जिम, फिटनेस सेंटर और योगा क्लब भी महंगाई का असर अपने ग्राहकों पर डाल रहे हैं। खासकर असंगठित क्षेत्र में यह प्रभाव ज्यादा दिख रहा है, जहां मूल्य नियंत्रण या निगरानी की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार के अधिकारियों ने स्वीकारा कि आईटीसी हटाए जाने के बाद कुछ सेवाओं की कीमतें बढ़ी हैं और इसका लाभ ग्राहकों तक नहीं पहुंच पाया। सरकार को इस मामले में कई शिकायतें भी मिली हैं। संगठित क्षेत्र में कुछ मामलों में कार्रवाई की गई है, हालांकि असंगठित क्षेत्र में मूल्य नियंत्रण करना चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यदि कोई सेवा प्रदाता जरूरत से ज्यादा जीएसटी वसूलता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, कई सेवाओं के दाम तय न होने के कारण इन बदलावों पर निगरानी रखना कठिन है। कीमतें बढ़ने के बावजूद ब्यूटी और फिटनेस उद्योग में मांग लगातार बढ़ रही है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में लोग अपने स्वास्थ्य और लुक्स पर अधिक खर्च करने को तैयार हैं। उद्योग रिपोर्टों के मुताबिक यह क्षेत्र अब भी दो अंकों की दर से तेजी से बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विस्तार के दौर में सरकार और कारोबारियों को संतुलन बनाना होगा, ताकि ग्राहकों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े और सेवाएं सभी के लिए सुलभ बनी रहें।

अक्टूबर में यूपीआई से रोज औसतन 94,000 करोड़ के ट्रांजैक्शन हुए, टूटेगा रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।एजेंसी। डिजिटल पेमेंट्स अब भारत में रोजमर्रा की जरूरत बन चुका है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में यूपीआई के जरिए रोज औसतन 94,000 करोड़ रुपए के ट्रांजैक्शन हुए, जो सितंबर की तुलना में 13 फीसदी ज्यादा हैं। दिवाली की खरीदारी और हाल ही में जीएसटी कटौती ने इस उछाल को और तेज कर दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि अक्टूबर में यूपीआई अपने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक त्योहार की खरीदारी, बोनस और डिस्काउंट्स के बीच यूपीआई ने दिवाली की पूर्व संध्या पर 740 मिलियन यानी 74 करोड़ ट्रांजैक्शन दर्ज कर नया रिकॉर्ड बनाया है। अक्टूबर में अब तक औसतन 695 मिलियन ट्रांजैक्शन रोजाना हुआ, जो सितंबर के 654 मिलियन से करीब 6फीसदी ज्यादा है। अक्टूबर में अब तक 6 बार यूपीआई के रोजाना ट्रांजैक्शन मूल्य ने एक लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार किया है, जबकि सितंबर में यह केवल 3 बार हासिल हुआ था। यह दर्शाता है कि फेस्टिव सीजन में डिजिटल खर्च पहले से कहीं ज्यादा ऊंचा है। विशेषज्ञों का कहना है कि दिवाली और बोनस सीजन साथ ही जीएसटी दरों में कटौती, लोगों को ज्यादा खर्च करने के लिए प्रेरित कर रही है। मोबाइल इंटरनेट की आसान उपलब्धता और हर गली-मोहल्ले में क्यूआर कोड के जरिए पेमेंट की सुविधा ने यूपीआई को हर वर्ग तक पहुंचा दिया है। विश्लेषकों के मुताबिक अगर यही रफ्तार बनी रही, तो अक्टूबर में कुल ट्रांजैक्शन वैल्यू 28 लाख करोड़ रुपए के पार जा सकती है, जो अब तक का सबसे उच्च स्तर होगा।

आरबीआई का सोना भंडार सितंबर 2025 तक 880 टन के पार

नई दिल्ली ।एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपने सोने के भंडार में लगातार वृद्धि जारी रखी है। सितंबर 2025 के अंत तक आरबीआई का कुल सोना भंडार 880 टन से अधिक हो गया है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में 879.58 टन था। हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में कुल 0.6 टन सोना खरीदा, जिसमें केवल सितंबर के अंतिम सप्ताह में 0.2 टन का इजाफा हुआ। 26 सितंबर 2025 तक आरबीआई के सोने का कुल मूल्य लगभग 95 अरब डॉलर था। वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण निवेशक सुरक्षित विकल्पों की तलाश में हैं, जिसके चलते सोने की मांग में इजाफा हुआ है। आरबीआई समेत कई केंद्रीय बैंक और निवेशक इस सुरक्षित निवेश की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। छले वित्त वर्ष 2024-25 में आरबीआई ने कुल 54.13 टन सोना भंडार में जोड़ा था। यह वृद्धि न केवल वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते हुई है, बल्कि सोने को वित्तीय परिसंपत्ति के रूप में देखे जाने की वजह से भी है। सोने की कीमतों में हुई बढ़ोतरी ने घरेलू स्तर पर भी इस धातु की मांग को प्रोत्साहित किया है। आरबीआई का सोने का भंडार लगातार बढ़ना देश की आर्थिक सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है। सोने को निवेश में सुरक्षित माना जाता है और इस भंडार की वृद्धि वित्तीय स्थिरता और आर्थिक मजबूती का संकेत है। भविष्य में भी यह प्रवृत्ति जारी रहने की संभावना है।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुंबई ।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। आज सुबह दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में खरीदारी हावी होने से बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 130.06 अंक बढ़कर 84,556.40 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी दिन के अंत में 22.80 अंक बढ़कर 25,891.40 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी आईटी शेयरों के कारण आई।निफ्टी आईटी इंडेक्स 2.21 फीसदी ऊपर आया। पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी, प्राइवेट बैंक और सर्विसेज इंडेक्स भी उछाल के साथ बंद हुए। वहीं फार्मा,एनर्जी, इन्फ्रा और कमोडिटी इंडेक्स नीचे आये। निफ्टी पैक में इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टीसीएस, श्रीराम फाइनेंस, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, विप्रो, टाइटन, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, हिंडाल्को, टाटा स्टील, एलएंडटी, आईटीसी और बजाज फाइनेंस के शेयर लाभ में रहे जबकि इंटरग्लोब एविएशन, आयशर मोटर्स, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, नेस्ले के शेयर गिरे। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में कमजोरी आई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 38.30 अंक की कमजोरी के साथ 59,371 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 9.20 की हल्की गिरावट के साथ 18,291.45 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 727.81 अंक की बढ़त के साथ 85,154.15 पर खुला, वहीं निफ्टी50 ने 26,000 के स्तर को फिर से पार करते हुए 188.60 अंक उछाल के साथ 26,057.20 पर कारोबार शुरू किया। वहीं एशियाई बाजारों में गुरुवार को कमजोरी रही। जापान का निकी 225 इंडेक्स 0.1 फीसदी नीचे, हांगकांग का हांग सेंग इंडेक्स 0.22 फीसदी गिरा और दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.09 फीसदी कम हुआ। यह गिरावट वॉल स्ट्रीट में अमेरिकी बाजारों की कमजोरी और अमेरिका-चीन व्यापार तनाव की चिंताओं के कारण आई। अमेरिकी बाजारों में भी बुधवार को गिरावट रही। अमेरिकी सरकार के शटडाउन के चौथे सप्ताह में प्रवेश और व्यापार तनाव के चलते तकनीकी शेयरों पर दबाव देखा गया। नैस्डेक 0.9 फीसदी , डाउ जोंस 0.7 फीसदी और एसएंडपी 500 0.5 फीसदी नीचे बंद हुआ।

आरबीआई ने बदले एटीएम लेन-देन से जुड़े नियम, पड़ेगा जेब पर बोझ

नई दिल्ली ।एजेंसी। एटीएम यूजर्स के लिए खास खबर है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एटीएम लेन-देन से जुड़े नए नियम लागू किए हैं, जिनका सीधा असर अब आम ग्राहकों की जेब पर पड़ेगा। नए नियमों में मुफ्त लेन-देन की सीमा, अतिरिक्त शुल्क और नकदी निकालने व जमा करवाने से जुड़े नियम शामिल हैं। आरबीआई के ये नए नियम डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और बड़े नकद लेन-देन पर निगरानी रखने के उद्देश्य से लागू किए गए हैं। नए नियमों में मेट्रो और नॉन-मेट्रो शहरों के लिए नई सीमाएं तय की गई हैं जिसमें मेट्रो शहरों में हर महीने 3 मुफ्त एटीएम लेन-देन, नॉन-मेट्रो शहरों में हर महीने 5 मुफ्त एटीएम लेन-देन। इन सीमाओं में कैश निकालने के साथ-साथ बैलेंस चेक और अन्य गैर-वित्तीय लेन-देन भी शामिल हैं। वित्तीय लेन-देन के लिए प्रति लेन-देन 23 रुपए तक शुल्क (जीएसटी सहित), गैर-वित्तीय लेन-देन बैलेंस चेक आदि के लिए 11 रुपए तक शुल्क। आरबीआई ने काले धन पर रोक लगाने और वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नकदी लेन-देन से जुड़े नियम सख्त किए हैं। यदि कोई व्यक्ति एक वित्तीय वर्ष में 20 लाख रुपए या उससे ज्यादा की नकदी जमा या निकासी करता है, तो उसे पेन नंबर और आधार कार्ड देना जरुरी होगा। जरुरी बात यह है कि एटीएम का इस्तेमाल सोच-समझकर करें। केवल जरूरत पड़ने पर ही कैश निकालें। बैलेंस चेक या मिनी स्टेटमेंट के लिए नेट बैंकिंग या मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करें। बार-बार छोटी रकम निकालने से बचें ताकि अतिरिक्त शुल्क न लगे।

कोयला मंत्रालय ने 'स्वदेशी तकनीक' की परिभाषा को किया व्यापक

नई दिल्ली ।एजेंसी। कोयला मंत्रालय ने कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता योजना के तहत स्वदेशी तकनीक की परिभाषा को विस्तारित कर दिया है। इस संशोधन का उद्देश्य भारत में गैसीकरण परियोजनाओं में निवेश और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है। नई परिभाषा के अनुसार, अब भारत में विकसित, स्वामित्व वाली और पर्याप्त रूप से सिद्ध तकनीक को स्वदेशी माना जाएगा। साथ ही ऐसी तकनीकें भी शामिल की जाएंगी जो विदेशी सहयोग के साथ भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप विकसित या अनुकूलित की गई हों, बशर्ते वे महत्त्वपूर्ण नवाचार, तकनीकी विकास दिखाएं और भारतीय परिस्थितियों में स्वतंत्र रूप से व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य हों। मंत्रालय ने यह स्पष्ट किया कि इस संशोधन का उद्देश्य भारतीय कंपनियों को विदेशी प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ-साथ स्थानीय नवाचार और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित करना है। यह स्पष्टीकरण 30 सितंबर 2025 को जारी आरएफपी और 10 अक्टूबर 2025 को हुए पूर्व-बोली सम्मेलन के बाद जारी किया गया। सरकार ने आवेदकों को आवेदन जमा करने के बाद अपनी परियोजनाओं को दो श्रेणियों, व्यावसायिक रूप से स्केलेबल प्रदर्शन परियोजना और छोटे पैमाने की उत्पाद-आधारित परियोजना के बीच स्थानांतरित करने की अनुमति दी है, बशर्ते वे नई श्रेणी की पात्रता शर्तें पूरी करें। इसके अलावा भूमिगत कोयला गैसीकरण, परियोजनाओं को सिद्ध स्वदेशी तकनीक की शर्त से छूट दी गई है, क्योंकि वैश्विक स्तर पर ऐसी तकनीकें अभी भी पायलट स्तर पर हैं। हालांकि, ऐसी परियोजनाओं में कम से कम 100 करोड़ का पूंजीगत व्यय अनिवार्य होगा।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आप जिस काम में हाथ डालेंगे उसमें आपको अच्छी सफलता मिलेगी और आप किसी काम को लेकर अपने मन में दुविधा बिल्कुल ना रखें, यदि ऐसा हो, तो उन्हें दूर करने की पूरी कोशिश करें। विद्यार्थी अपने ज्ञान को बढ़ाने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे। आप अपने काम को लेकर किसी के साथ पार्टनरशिप करेंगे, तो वह आपके लिए अच्छा रहेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए पद-प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाला रहेगा। आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी और राजनीति में भी आपको अच्छे काम करने का मौका मिलेगा, जिससे आपकी छवि और निखरेगी, लेकिन आपकी अपने किसी मित्र से खटपट हो सकती है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को साथी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा। आप अपनी शारीरिक समस्याओं को नजरअंदाज न करें, नहीं तो आने वाले समय में वह बढ़ सकती हैं, जो आपकी मुश्किलों को बढ़ाएंगे।

मिथुन- आज आपके सुख साधनों में वृद्धि होगी। परिवार के लोगों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में भी सम्मिलित हो सकते हैं। आपको परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। छोटा बच्चा आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकता हैं। जीवनसाथी को आप कहीं घूमाने-फिराने लेकर जाएंगे। यदि आपने किसी प्रतियोगिता में भाग लिया, तो उसमें आपको अच्छी सफलता मिलने से खुशी होगी।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। व्यापार से संबंधित किसी काम को लेकर आप यात्रा पर जा सकते हैं। मेहनत का आपको पूरा फल मिलेगा, क्योंकि बॉस आपके प्रमोशन की बात आगे कर सकते हैं, लेकिन परिवार में किसी सदस्य के विवाह में कोई समस्या आने से आप थोड़ा परेशान रहेंगे। आप अपने धन का सदुपयोग करें और किसी को उधार देने से बचें। कार्यक्षेत्र में किसी अजनबी पर आपको आंख मूंदकर भरोसा करना भी आपकी समस्या बनेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ से भरा रहने वाला है। आपकी बेवजह की टेंशन में बढ़ेंगी। व्यवसाय में आपको पिछले कामों के लिए मान सम्मान मिलेगा। आपको यदि कोई आंखों से संबंधित समस्या थी, तो वह भी दूर होगी। आस पड़ोस के किसी व्यक्ति से आपकी कहासुनी हो सकती है। यदि ऐसा हो, तो आप अपनी वाणी पर संयम बनाए रखें, क्योंकि आपकी छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करने की आदत आपकी टेंशनों को बढ़ाएगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए प्रभाव और प्रताप में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपके घर किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आप खर्च थोड़ा सोच समझकर ही करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा, जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उन्हें कोई अच्छा अवसर हाथ लगेगा। आपके मनमौजी स्वभाव के कारण कार्यक्षेत्र में कोई गड़बड़ी हो सकती है। आप अपने बिजनेस को ऊंचाई तक ले जाने की कोशिश में कामयाब रहेंगे।

तुला- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। घर परिवार में सदस्यों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आपके किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने के योग बनते दिख रहे हैं। आपको कुछ महत्वपूर्ण मामलों में सावधान रहना होगा। आपकी खर्च करने के आदत आपका कोई भारी नुकसान करवा सकती है। संतान की फरमाइश पर आप किसी बड़े वाहन को लेकर आ सकते हैं। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा बिल्कुल ना करें।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी कोई पुरानी समस्या बढ़ सकती है, इसके लिए आपको कुछ टेस्ट आदि कराने पड़ सकते हैं। आपको भाइयों की सलाह पर चलना बेहतर रहेगा। दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा और आपकी किसी राजनीति के काम के और रुचि बढ़ सकती है, जिससे आपके एक साथ काफी काम हाथ लगेंगे, जो आपकी व्याकाग्रता को बढ़ा सकते हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए धैर्य व संयम से काम लेने के लिए रहेगा, जिससे आपके कुछ नए मित्र भी बन सकते हैं और आप बेवजह के कामों में ना पड़ें, आपके लिए बेहतर रहेगा। आपको किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगी। आप अपने सुख साधनों पर अच्छा खासा खर्चा करेंगे, लेकिन यदि किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो अवश्य करें, जिससे आपकी काफी मुश्किलें आसानी से कम होगी।

मकर- आज आपको अपने खर्च को कंट्रोल करने के चलने की आवश्यकता है। आपके मन में भटकाव रहने से आप इधर-उधर के मामलों को लेकर लापरवाही भी दिखा सकते हैं। अधिकारियों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आपका कोई अटका हुआ काम पूरा होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लाभदायक रहने वाला है। परिवार के सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। यदि आप किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी करने की सोच रहे थे, तो वह आपके लिए बेहतर रहेगी। जीवनसाथी से आपकी किसी बात को लेकर खटपट होने की संभावना है। व्यापार कर रहे लोगों को काम समझने में समस्या आएगी, जिससे आपकी मुश्किल में भी दूर होगी।

मीन- आज आपको कामों को लेकर यदि कोई टेंशन थी, तो उसे भी आप आसानी से दूर कर सकेंगे। आप अपनी संतान के साथ कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। ऑनलाइन शॉपिंग कर रहे लोगों के साथ कोई फ्रॉड हो सकता है। आपकी किसी बात को लेकर आपके मन में कलह बनी रहेगी।

शब्दजाल- 8058

ख	न	र	कु	ड ु	प्ली	के	ट	ला	नी	क
ज	या	फु	ज	इं	डो	ने	ह	क	गु	प
फ	दौ	आ	ट	म	न	इ	दो	न	ना	म
च	र	रा	मा	पा	ल	स	रा	प	ह	ह
स	म	बा	ज	त	त	उ	हें	ख	री	म
डै	जे	ज	र	नी	द	ला	म	ल	ड़	द
डी	मा	दे	ख्म	व	बा	स	म	पी	ख	स्त
र	दे	श	बा	र	प	र	थ	ड़	भ	क
म	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	थ
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है
ते	रा	जा	क	दि	प	ने	सा	थी	स	म

शब्दजाल में महेश भट्ट निर्देशित १० फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

फुटपात, राज, जख्म, डुप्लीकेट, दो राहें, दस्तक, गुनाह, साथी, डैडी, नया दौर,

शब्दजाल - 8057 का हल

अ	श	मु	फ	रे	ब	हो	प	न	र	त
क्स	क्रि	पिं	ना	द	म	जा	जा	गो	घा	छ
न	के	ज	हे	नि	इं	ना	न	व	टि	दि
बी	ट	र	न	शा	वा	त	क	ले	ज	ल
च	दा	त	प	ने	तो	हो	का	गो	ब	प
ब	त	त	स	ग	स	ए	व	म	वॉ	र
द	प	शू	न	त्या	व	ह	अ	गो	प्ला	म
क	र	क	ल	र	ह	भा	र	चो	आ	त
र	व	त	म	ए	भी	क	क	अ	न	ले
जू	बे	दा	त	र	क	ता	ण	र	ह	या
मुं	ब	र्ल	न	आ	प	म	क	प	स्त	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7002

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंगा' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7001

ध	ड़	क	न	■	को	■	सें	स	र
र्मा	■	र्ज	■	मो	ह	ब्ब	■	द	■
■	कं	■	आ	■	ब्ब	ज	कु	मा	र
अ	प	ना	प	न	■	■	ली	■	न
■	नी	■	की	■	ओ	म	■	हि	■
चे	■	ता	क	त	■	म	हा	ब्ब	जा
त	ब्बू	■	स	■	दा	ता	■	स	■
ना	■	प्रे	म	शे	ग	■	सौ	त	न
■	द	म	■	श	■	स	दा	■	ग
म	र्द	■	जा	न	व	र	■	हे	मा

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

24 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.50 ब.से
चंद्र	वृश्चिक में	धनु	10.06 बजे से
मंगल	तुला में	मकर	12.11 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.58 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.30 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	17.01 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.41 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.39 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.53 बजे से
		सिंह	01.09 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		कन्या	03.21 बजे से
		तुला	05.31 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 297 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 01.20 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा अहोरात्र।
योग सौभाग्य 05.55 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 12.04 बजे तदनन्तर गर 01.20 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 02.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 11° 46'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872507
जूलियन दिन 2460972.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल
तारीख 01

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः महानता के लक्षण

एक बालक नित्य विद्यालय पढ़ने जाता था। घर में उसकी माता थी। माँ अपने बेटे पर प्राण न्योछावर किए रहती थी, उसकी हर माँग पूरी करने में आनंद का अनुभव करती। पुत्र भी पढ़ने-लिखने में बड़ा तेज और परिश्रमी था। खेल के समय खेलता, लेकिन पढ़ने के समय का ध्यान रखता। एक दिन दरवाजे पर किसी ने - 'माई! ओ माई!' पुकारते हुए आवाज लगाई तो बालक हाथ में पुस्तक पकड़े हुए द्वार पर गया, देखा कि एक फटेहाल बुढ़िया काँपते हाथ फैलाए खड़ी थी। उसने कहा, 'बेटा! कुछ भीख दे दे।' बुढ़िया के मुँह से बेटा सुनकर वह भावुक हो गया और माँ से आकर कहने लगा, 'माँ! एक बेचारी गरीब माँ मुझे बेटा कहकर कुछ माँग रही है।' उस समय घर में कुछ खाने की चीज थी नहीं, इसलिए माँ ने कहा, 'बेटा! रोटी-भात तो कुछ बचा नहीं है, चाहे तो चावल दे दो।' पर बालक ने हठ करते हुए कहा - 'माँ! चावल से क्या होगा? तुम जो अपने हाथ में सोने का कंगन पहने हो, वही दे दो न उस बेचारी को। मैं जब बड़ा होकर कमाऊँगा तो तुम्हें दो कंगन बनवा दूँगा।' माँ ने बालक का मन रखने के लिए सच में ही सोने का अपना वह कंगन कलाई से उतारा और कहा, 'लो, दे दो।' बालक खुशी-खुशी वह कंगन उस भिखारिन को दे आया। भिखारिन को तो मानो एक खजाना ही मिल गया। कंगन बेचकर उसने परिवार के बच्चों के लिए अनाज, कपड़े आदि जुटा लिए। उसका पति अंधा था। उधर वह बालक पढ़-लिखकर बड़ा विद्वान हुआ, काफी नाम कमाया। एक दिन वह माँ से बोला, 'माँ! तुम अपने हाथ का नाप दे दो, मैं कंगन बनवा दूँ।' उसे बचपन का अपना वचन याद था। पर माता ने कहा, 'उसकी चिंता छोड़। मैं इतनी बूढ़ी हो गई हूँ कि अब मुझे कंगन शोभा नहीं देंगे। हाँ, कलकत्ते के तमाम गरीब बालक विद्यालय और चिकित्सा के लिए मारे-मारे फिरते हैं, उनके लिए तू एक विद्यालय और एक चिकित्सालय खुलवा दे जहाँ निशुल्क पढ़ाई और चिकित्सा की व्यवस्था हो।' माँ के उस पुत्र का नाम ईश्वरचंद्र विद्यासागर।

सूडोकु नवताल- 7311

★★★★☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7310 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 8526

बाएँ से दाएँ

1. आकाश,व्योम-2
2. नाजुक,मुलायम-3
4. हार,पराजय-2
6. संध्या,सांझ,गोधूलि-2
7. जोर,बल-2
9. सोना,धतूरा-3
12. नाप-जोख करना-3
14. सिक्कों की आवाज-3
16. रहस्यज्ञाता-4
17. तालाब,ताल,तलैया-4
18. नियंत्रण,घोड़े की रास-3
20. गिरवी वस्तु-3
22. सैनिक कार्रवाई-3
24. चिट्ठी,पत्र-2
26. बर्तन-2
27. सुर,क्रम-2
28. वाचन करने वाला-3
29. पितामह-2

ऊपर से नीचे

1. लवण-3
2. भीगा हुआ-2
3. खुमार,नशा-2
5. सर्दी में हाथ सेंकना-3
6. भाजी,सब्जी,तरकारी-2
8. इंकार,मनाही-2
10. मस्जिद,नमाज पढ़ने की जगह-5
11. आम जनता-2
13. लालन-पालन-5
14. इमाम दस्ता -3
15. वचन,प्रतिज्ञा-3
19. रुखसार,कपोल-2
20. पासे फेंक कर भविष्य जानना-3
21. नाखून-2
22. सखा,दोस्त-2
23. निजात,छुटकारा-3
25. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
26. पवित्र-2

शब्द पहेली -8525 का हल

म	हा	का	ल	■	च	र	क	■
त	र	■	ह	■	कि	■	ला	क
बा	■	ह	जा	म	त	■	■	सू
ला	य	क	■	द	■	ना	सू	र
■	■	ला	वा	■	व	जु	■	■
ना	प	ना	■	आ	■	क	या	स
य	■	■	म	हा	न	ता	■	र
क	था	■	जा	■	र	■	सी	ता
■	ल	ल	क	■	म	हा	रा	ज

Jagrutidaur.com, Bangalore

परम्परागत रूप से बहन ने भाई के माथे पर तिलक लगाकर मनाया भाईदूज त्यौहार

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर व क्षेत्र में 23 अक्टूबर को भाई दूज का त्यौहार परम्परागत रूप में बड़ी ही धूमधाम हर्ष और उल्लास के साथ मनाया। भाई दूज को यम द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। ये पर्व भाई-बहन के रिश्ते को स्नेह और सम्मान से भरपूर बनाने के लिए मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और सुरक्षा की कामना करती हैं। दूज का पर्व दीपावली के दो दिन बाद आता है। माना जाता है कि इस दिन यमराज अपनी बहन यमुना जी के घर गए थे, जहां यमुना जी ने उनका आदर-सत्कार कर उन्हें तिलक किया था, तभी से यह दिन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक बना हुआ है। आज के दिन भाई दूज के पर्व पर बहने अपने भाई से मिलने के लिए उनके घर पहुंची हैं। इस दिन बहने भाई के माथे पर तिलक लगाकर लंबी उम्र की कामना की। खट्टी-मीठी यादों से भरा भाई-बहन का रिश्ता कुछ खास होता है। दिवाली के 2 दिन बाद भाईदूज का त्यौहार मनाया जाता है, जिसमें बहनें अपने भाई के माथे पर तिलक करके श्रीफल भेंटकर मुंह मीठा करती है तथा आरती उतार कर भगवान से उनकी लंबी उम्र की प्रार्थना करती हैं। पांच दिवसीय दिवाली पर्व के आखिरी दिन भाई दूज का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। यह पर्व प्यार और रक्षा का प्रतीक होता है। इस दिन बहनें अपने भाई का रोली और अक्षत से टीका करती हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन यदि विधि-विधान से पूजा की जाए, तो भाई-बहनों के ऊपर से अकाल मृत्यु का संकट टल जाता है। प्राचीन कथाओं के अनुसार भगवान यमराज की बहन यमुना अपने भाई से लम्बे समय तक दूर रहने के बाद इस दिन मिलती है। यम और यमुना सूर्य और उनकी पत्नी संज्ञा के बच्चे हैं। कहा जाता है कि यम जब यमुना के घर गए तो उनकी बहन ने तिलक लगाकर उनकी आरती उतारी और भाई को भोजन करवाया। इस दौरान बहनों ने भाईयों को उपहार भी भेंट दिया वहीं भाईयों द्वारा भी बहनों को नगदी एवं उपहार भेंट दिया।

अग्रवंश समाज ने अग्रसेन भवन में आयोजित किया अन्नकूट का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी।

स्थानीय मंदिरों एवं घरों में बुधवार 22 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना में लीन रहे। जगह-जगह गोवर्धन पर्वत का प्रतीक बनाकर उसकी विधिवत पूजा की गई। मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण को विविध प्रकार के पकवानों, मिठाइयों और प्रसाद से भोग लगाया गया। अन्नकूट के रूप में अनेक प्रकार के व्यंजन सजाए गए और बाद में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद के रूप में वितरित किए गए। भक्तों ने गोवर्धन पूजा के साथ-साथ गायों की आरती कर उनकी सेवा का संकल्प लिया। बच्चों ने रंगोली और दीप सजाकर वातावरण को और भी मनमोहक बना दिया। शाम को आरती के पश्चात भजन-संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें भक्तगण झूमते-गाते नजर आए। अन्नकूट महोत्सव के इस पावन अवसर पर सद्भाव, सेवा और एकता का संदेश दिया गया। आयोजन समिति ने बताया कि यह पर्व हमें प्रकृति और गौसेवा के महत्व का स्मरण कराता है।

अग्रवंश समाज ने आयोजित किया अन्नकूट

नगर के अग्रवाल समाज के द्वारा अग्रसेन भवन मे 22 अक्टूबर को शाम 6 बजे से अन्नकूट का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम समाज के सभी सदस्यों के द्वारा माँ लक्ष्मी माता तथा अग्रसेन महाराज जी के छाया चित्र के

समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया जाकर पूजन अर्चन किया गया। महा आरती के पश्च्यात अन्नकूट भोज प्रारम्भ किया गया। जहां सभी सामाजिक सदस्यों के द्वारा प्रसाद ग्रहण किया गया। इसी क्रम मे दिपावली मिलन समारोह का भी आयोजन संपन्न हुआ समाज के सभी सदस्यों ने बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त कर दीपावली पर्व की शुभ कामनाएँ प्रेषित की। इस दौरान सभी महिला पुरुष बच्चे उपस्थित रहे।

बम्हणवाड़ा टीम ने घंसा टीम को हराकर जीता फाइनल का खिताब

पद्मेश न्यूज। लांजी।

क्षेत्र के ग्राम घंसा में राइजिंग स्टार क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 5 दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन 22 अक्टूबर को अजय अवसरे जनपद पंचायत उपाध्यक्ष, ऋषि पटेल दशरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, लिखेंद्र उपराड़े, अनिल गिरीया, कपूरचंद लिल्हारे, महेंद्र विजयवार, संजय लिल्हारे, चोवादास गिरीया, गजलाल दमाहे के आतिथ्य में हुआ। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर खिताबी मुकाबला एसटी राइडर बम्हणवाड़ा और राइजिंग स्टार क्रिकेट क्लब घंसा के बीच में हुआ। जिसमें बम्हणवाड़ा टीम ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पूरे विकेट गंवाकर 49 रन बनाकर विपक्षी टीम को 50 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए घंसा की टीम 7 ओवर में 47 रन ही बना सकीं। इस तरह बम्णवाड़ा की टीम 2 रनों से विजयी हो गई। जिसके बाद विजेता टीम एसटी राइडर बम्हणवाड़ा को 10000 रुपए, उपविजेता टीम राइजिंग स्टार क्रिकेट क्लब घंसा को 5555 रुपए के साथ ही शिल्ड देकर पुरस्कृत किया गया। उक्त प्रतियोगिता को सफल बनाने में अध्यक्ष शोभित लिल्हारे, उपाध्यक्ष विरेन्द्र लिल्हारे, सचिव नरेन्द्र लिल्हारे, कोषाध्यक्ष कोमल गिरीया, शांतनु उपराड़े, भूपेन्द्र लिल्हारे, तोमप्रकाश दमाहे, धर्मेन्द्र विजयवार, डेविड दमाहे, पारितोष गिरीया, व्यंकट दमाहे, चमन लिल्हारे, श्रेयांशु गिरीया, समीर दमाहे, प्रज्जवल दमाहे, सत्यम दमाहे, कुणाल दमाहे, देवेश लिल्हारे, विशाल लिल्हारे, युवेश लिल्हारे, शैलेन्द्र दमाहे, प्रदीप लिल्हारे, संदीप लिल्हारे, मुकेश पगरवार, सुरेन्द्र मेश्राम, पुनेश्वर करसायल, राकेश करसायल, तुषार फाये, ओमेश्वर उपराडे, अंकित लिल्हारे, जितेन्द्र भण्डारी, देवेन्द्र चौधरी, संजय पिछोडे, राहुल उपराड़े का योगदान रहा।

पुराने राम मंदिर में मनाया गया गोवर्धन पूजा एवं अन्नकुट

पद्मेश न्यूज। लांजी।

दीपावली के पावन पर्व के पश्चात गोवर्धन पूजा एवं अन्नकुट का आयोजन नगर के किया जाता है, इस वर्ष दीपावली के दुसरे दिन भी अमावस्या होने के कारण अन्नकुट का आयोजन तीसरे दिन 22 अक्टूबर को किया गया। बतादे कि नगर के पुराने राममंदिर परिसर में पंडित लक्ष्मीनारायण वैष्णव के मार्गदर्शन में राजा महिमेहरो, उज्जवल श्रीवास्तव, साजिद शालू अली, सौरभ तिवारी, अमित आसटकर, विशाल दुग्गड़, विक्की तिड़के, उपकेन वराड़े, अमन मिश्रा एवं दोस्ती ग्रुप के द्वारा अन्नकुट का आयोजन किया। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे भी कार्यक्रम में उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किया।

बताया गया कि जहां दीपावली पर्व भगवान राम की विजय का प्रतीक है वहीं गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण की उस जीत का प्रतीक जब एक उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर उन्होने इन्द्रदेव देवता के अभिमान को चूर चूर किया था। गोवर्धन पूजा अन्नकुट पर्व के नाम से भी प्रसिद्ध है अन्नकुट शब्द का शाब्दिक अर्थ है भोजन का पर्व गोवर्धन पूजा से जुड़ी प्रचलित कथा के अनुसार, द्वापर युग में जब भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्रदेवता के अभिमान को शांत करने हेतु ब्रजवासियों को इंद्रयज्ञ के स्थान पर गोवर्धन पर्वत की पूजा करने का आग्रह किया, तब क्रोधित इंद्र ने ब्रज पर भीषण वर्षा आरंभ कर दी। उस समय बालकृष्ण ने अपने करकमल की कनिष्ठिका (छोटी उंगली) पर गोवर्धन पर्वत को उठाकर सात दिनों तक ब्रजवासियों को वर्षा से सुरक्षित रखा। यही घटना भगवान श्रीकृष्ण के गोवर्धनधारी स्वरूप की प्रतीक बन गई। तभी से श्री कृष्ण को गोवर्धन स्वरूप मानकर उन्हे छप्पन भोग परोसने का विधान जिसे हम अब अन्नकुट का नाम देते है उसे गोवर्धन का भी भोग लगाया जाता है। अन्नकुट के इस आयोजन में सर्वप्रथम भगवान श्री कृष्ण जी का पूजन आरती कर छप्पन भोग लगाकर ब्राम्हण भोज कराया गया। नगर के पुराने राममंदिर में नगर वासियों के द्वारा भगवान श्रीराम, श्री कृष्ण जी के दर्शन कर अन्नकुट प्रसाद का ग्रहण किया।

राजस्थानी युवा एवं महिला मण्डल ने मनाया अन्नकूट व दीपावली मिलन समारोह

पद्मेश न्यूज। लांजी।

दीपावली के पावन पर्व के पश्चात गोवर्धन पूजा एवं अन्नकुट का आयोजन नगर में किया जाता है। जो कि इस वर्ष 22 अक्टूबर 2025 दिन बुधवार को नीमटोला स्थित माँ एग्रो इण्डस्ट्रीज के प्रांगण में राजस्थानी युवा एवं महिला मण्डल के द्वारा अन्नकूट एवं दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। राजस्थानी युवा मण्डल के द्वारा अन्नकुट विषय पर जानकारी देते हुये कहा गया की जहां दीपावली पर्व भगवान राम की विजय का प्रतीक है वहीं गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण की उस जीत का प्रतीक जब एक उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर उन्होने भगवान इन्द्र के अभिमान को चूर चूर किया था। गोवर्धन पूजा अन्नकुट पर्व के नाम से भी प्रसिद्ध है अन्नकुट शब्द का शाब्दिक अर्थ है भोजन का पर्व अपने बाल्यकाल के दौरान श्री कृष्ण रूप में जन्मे भगवान विष्णु ने मथुरा जिले में मौजूद गोवर्धन पर्वत की पूजा शुरू कराई थी जिससे क्रोधित होकर भगवान इन्द्र ने नगर पर जब वर्षा का कहर बरपाया तो उससे सभी को बचाने के लिये श्री कृष्ण जी ने अपनी हाथ की छोटे अंगुली पर विशालकाय गोवर्धन पर्वत को उठा लिया था तभी से श्री कृष्ण को गोवर्धन स्वरूप मानकर उन्हे छप्पन भोग परोसने का विधान है जिसे हम अब अन्नकुट का नाम देते है उसे गोवर्धन का भी भोग लगाया जाता है। अन्नकुट के इस आयोजन में पंडित उदित पूरी गोस्वामी द्वारा मंत्रोच्चार के साथ भगवान श्री कृष्ण जी का पूजन कर आरती की गई। उसके पश्चात छप्पन भोग लगाकर ब्राम्हण भोज कराया गया एवं सभी सामाजिक बंधुओं द्वारा प्रसादी ग्रहण की गई। इस दौरान प्रमुख रूप से राजेश अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, शैलेन्द्र मिश्रा, योगेन्द्र मिश्रा, अजय शर्मा, नवीन शर्मा, आशीष दुग्गड़, विशाल दुग्गड़, श्याम सोनी, अशोक पालीवाल, नवल पालीवाल, निलय मिश्रा, सज्जू मिश्रा, अज्जू मिश्रा, रवि उपाध्याय, बाबू उपाध्याय, अंकित राजेश अग्रवाल, अंकित दिनेश अग्रवाल, अंकित शर्मा, सचिन मिश्रा, हर्ष मिश्रा, संदेश दुग्गड़, आदित्य पालीवाल, जन्मजय शर्मा, तरूण उपाध्याय, आलोक उपाध्याय, विराट दुग्गड, विराज दुग्गड, शिवांश अग्रवाल, शिवाय मिश्रा, शिवाय अग्रवाल, श्रीमती लता पालीवाल, माया अग्रवाल, उर्मिला अग्रवाल, अनिता राजेश अग्रवाल, किरण अग्रवाल, सुशीला दुग्गड़, कांता मिश्रा, अर्चना मिश्रा, भावना मिश्रा, नैना सोनी, पद्मा शर्मा, रानू शर्मा, ज्योति पालीवाल, राधा उपाध्याय,मोना उपाध्याय,अनिता दुग्गड़, मनीषा दुग्गड़, विधि दुग्गड़, रीता तिवारी, रेशू अग्रवाल, किर्ती मिश्रा, पूनम मिश्रा, आरती मिश्रा, यशस्वी अग्रवाल, खुशी शर्मा, अदिति पालीवाल, चीकू शर्मा, मुस्कान अग्रवाल, अनन्या अग्रवाल, भक्ति मिश्रा, भवी उपाध्याय, रानू उपाध्याय आदि राजस्थानी मण्डल के सभी सामाजिग गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्तर्गत उपस्थित जनों के द्वारा विभिन्न प्रतियोगी खेलों का आयोजन कर विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया।

देवलगांव में शॉर्ट सर्किट से जानवर बांधने के कोठे में लगी आग

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवलगांव के वार्ड क्रमांक 17 में बुधवार देर रात एक जानवर बांधने के कोठे में अचानक आग लगने से भारी नुकसान होने की जानकारी मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उमाशंकर पिता परसराम कोहरे के मकान के बाजू में बने कोठे में 22 अक्टूबर की रात्रि लगभग 11 बजे के आसपास विद्युत लाइन में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे कोठे को अपनी चपेट में ले लिया। आगजनी की इस घटना में कोठे में रखी कई कीमती वस्तुएं जलकर खाक हो गईं। जिसमें एक मोटरसाइकिल (सीजी 13 यूज 7431), दो साइकिल, एक पंखा, पैरा 50 बेट, बांस लगभग 100 नग, बल्ली 20 तथा करीब 5 क्विंटल अनाज जलने की जानकारी मिली है। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, किंतु आर्थिक नुकसान काफी अधिक बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। बाद में घटना की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी गई। पंचनामा रिपोर्ट मौके पर उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों की उपस्थिति में तैयार की गई।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर कृषकों को फसल ऋण दिये जाने की योजना को निरंतर रखे जाने का निर्णय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक गुरूवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए सहकारी बैंकों के माध्यम से शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर कृषकों को अल्पावधि फसल ऋण दिये जाने की योजना को निरंतर रखे जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी। खरीफ 2025 सीजन की ड्यू डेट 28 मार्च, 2026 और रबी 2025-26 सीजन की ड्यू डेट 15 जून 2026 नियत की गयी है।

योजनान्तर्गत खरीफ एवं रबी सीजन की निर्धारित तिथि (ड्यू डेट) तक ऋण की अदायगी करने वाले किसानों से प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) द्वारा 3 लाख रूपये तक के दिये गये अल्पावधि फसल ऋण पर कोई ब्याज नहीं लिया जायेगा। राज्य शासन द्वारा सभी किसानों के लिए 1.5 प्रतिशत सामान्य ब्याज अनुदान और निर्धारित ड्यू डेट तक ऋण की अदायगी करने वाले किसानों को 4 प्रतिशत प्रोत्साहन स्वरूप अतिरिक्त ब्याज अनुदान दिया जायेगा। वर्तमान वर्ष में 23 हजार करोड़ रूपये वितरण का लक्ष्य रखा गया हैं।

एसडीजी मूल्यांकन योजना का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में सतत् विकास लक्ष्यों के क्रियान्वयन के लिए एसडीजी (सतत् विकास लक्ष्य) मूल्यांकन योजना को आगामी 5 वर्षों (वर्ष 2025-30 तक) के लिए स्वीकृत किये जाने का निर्णय लिया गया है।

योजना अंतर्गत सतत् विकास के लक्ष्यों का राज्य, जिला एवं विकासखंड स्तर पर स्थानीयकरण, क्रियान्वयन, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन सुनिश्चित किया जाएगा। प्रदेश के सभी जिलों के सतत् विकास लक्ष्यों और उनके संकेतक के आधार पर डैशबोर्ड के माध्यम से रैंकिंग तय की जायेगी। डैशबोर्ड आधारित रैंकिंग अनुसार दो शीर्ष प्रदर्शन किये जाने वाले जिलों को पुरस्कार राशि का वितरण किया जाएगा।

प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले जिले को 1 करोड़ रुपए और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले जिले को 75 लाख रुपए की वित्तीय सहायता का वार्षिक प्रावधान किया जाएगा। चयनित जिला अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 17 सतत् विकास लक्ष्यों में से किसी भी लक्ष्य में सुधार के लिए पुरस्कार राशि का उपयोग कर सकता है। प्रदेश के ऐसे जिले जिनका रैंकिंग में प्रदर्शन कमजोर स्तर का होगा, उन्हें प्रदेश में चल रही कल्याणकारी योजनाओं की सहायता से विकास की मुख्य धारा में सम्मिलित किया जायेगा, जो प्रदेश के समग्र विकास में सहायक होगा। योजना पर 19 करोड़ 10 लाख रूपये (3 करोड़ 82 लाख प्रतिवर्ष) का अनुमानित व्यय होगा।

उल्लेखनीय है कि योजना अंतर्गत सतत् विकास लक्ष्य, जिन्हें वैश्विक लक्ष्य भी कहा जाता है, वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2030 तक के 17 अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्यों को तय किया गया है। सतत् विकास लक्ष्यों का उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय संतुलन स्थापित करना है। इसी तारतम्य में मध्यप्रदेश शासन द्वारा तैयार किया गया विकसित मध्यप्रदेशञ्च 2047 दृष्टिपत्र राज्य के दीर्घकालिक विकास की ठोस रूपरेखा प्रस्तुत करता है। एसडीजी (सतत् विकास लक्ष्य) मूल्यांकन योजना विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत के निर्माण के आधार में सहायक होगी।

चिकित्सालयों में बिस्तरों की संख्या का उन्नयन और नए पद सृजन की मंजूरी

मंत्रि-परिषद द्वारा जिला चिकित्सालय टीकमगढ़, नीमच, सिंगरौली, श्योपुर एवं डिण्डौरी में 800 बिस्तरों का उन्नयन और चिकित्सालयों के संचालन के लिए 810 नए पद की स्वीकृति प्रदान की गई। इसमें 543 नियमित, 04 संविदा एवं आउटसोर्सिंग एजेन्सी के माध्यम से 263 पदों की स्वीकृति दी गयी हैं। पदों के सृजन पर वार्षिक व्यय 39 करोड़ 50 लाख रूपये की भी स्वीकृति दी गयी। स्वीकृति अनुसार जिला चिकित्सालय टीकमगढ़ में बिस्तर की संख्या 300 से बढ़ाकर 500, नीमच में 200 से बढ़ाकर 400, सिंगरौली में 200 से बढ़ाकर 400, श्योपुर में 200 से बढ़ाकर 300 और जिला चिकित्सालय डिंडौरी में बिस्तरों की संख्या 100 से बढ़ाकर 200 की गयी है।

मालथौन कनिष्ठ खण्ड न्यायालय की स्थापना और नवीन पद की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा रजिस्ट्रार उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश जबलपुर के न्यायिक जिला सागर की तहसील मालथौन में व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खण्ड स्तर के एक नवीन पद और उनके अमले अंतर्गत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 6 पद इस प्रकार कुल 7 नवीन पदों का सृजन किये जाने का निर्णय लिया गया हैं।

निवर्तन के लिए भूखण्ड का आरक्षित मूल्य कलेक्टर गाइडलाइन के 100 प्रतिशत क्षेत्रफल पर तय किये जाने का निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा निवर्तन के लिए भूखण्ड का आरक्षित मूल्य कलेक्टर गाईडलाईन अनुसार शत-प्रतिशत क्षेत्रफल पर तय किये जाने का निर्णय लिया गया है। इससे राज्य शासन को अधिक राजस्व प्राप्त होगा। निर्णय अनुसार पुनर्घनत्वीकरण नीति 2022 की कंडिका 10.11 में संशोधन कर ऑफसेट मूल्य के निर्धारण में बदलाव की स्वीकृति दी गई। पहले 60 प्रतिशत क्षेत्रफल और 100 प्रतिशत कलेक्टर गाइडलाइन रेट पर ऑफसेट मूल्य का निर्धारण होता था, अब 100 प्रतिशत क्षेत्रफल और 100 प्रतिशत कलेक्टर गाइडलाइन रेट पर ऑफसेट मूल्य का निर्धारण होगा। इससे विकास कार्यों के लिये अधिक राशि उपलब्ध होगी।

टीम हेमंत का ऐलान, सिंधिया खेमे से प्रभुराम चौधरी बने प्रदेश उपाध्यक्ष

रण्वीर सिंह रावत, लता वानखेडे, सुमेर सिंह एवं राहुल कोठारी का कद बडा, आशीष अग्रवाल को मीडिया की जिम्मेदारी यथावत

भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा की प्रदेश पदाधिकारियों का ऐलान हों गया है। टीम हेमंत में पिछली कार्यकारिणी के करीब एक दर्जन पदधिकारियों पर फिर से भरोसा जताते हुए उनके कद को बढाया गया है या फिर यथावत रखा गया है। प्रदेश उपाध्यक्ष के लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया खेमे से पूर्व मंत्री प्रभुराम चौधरी को शामिल किया गया है। टीम हेमंत में मौजूदा प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, लता वानखेडे, मनीषा सिंह का प्रमोशन हो गया है। यह अभी तक प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी निभा रहे थे । टीम हेमंत में 9 उपाध्यक्ष, 4 महामंत्री, 9 मंत्री, कोषाध्यक्ष, कार्यालय मंत्री एवं मीडिया प्रभारी के साथ ही किसान मोर्चा ,एससी मोर्चा,एसटी मोर्चा एवं पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष की भी घोषणा कर दी है।

बीजेपी प्रदेश कार्यकारिणी में इंदौर से भाजपा नेता गौरव रणदिवे भी खंडेलवाल की टीम में शामिल हो गए हैं। रणदिवे इंदौर शहर जिलाध्यक्ष रहे हैं। टीम बीडी शर्मा में प्रदेश उपाध्श्क्ष रहे श्याम महाजन को प्रदेश कार्यालय की जिम्मेदारी सौपी गई है।

खंडेलवाल की टीम में सभी नेताओं को साधने की कोशिश की गई है। सांसद, विधायकों को भी संगठन में जवाबदारी दी गई है। जबकि पूर्व में प्रदेश अध्श्क्ष खंडेलवाल सासंद विधायकों को संगठन में शामिल करने से बच रहे थे।

गैर इदातन हत्या के मामले में रिटायर्ड डीएसपी के बेटे की तलाश जारी

दशहरा के दिन किये गये फायर से हुई थी 5 साल की मासूम बच्ची की मौत

भोपाल। कोलार के राजहर्ष स्थित हाईटेक सिटी कॉलोनी में दशहरा पर हवाई फायर से बच्ची की मौत के मामले में पुलिस ने रिटायर्ड डीएसपी श्यामलाल यादव के बेटे को आरोपी बनाया है। पूर्व डीएसपी की 315 बोर रायफल और बच्ची के शरीर पर मिले कारतूस की सागर की लैब में हुई बैलेस्टिक जांच में पुष्टि हुई है कि उनकी रायफल से ही फायर किया गया था, वहीं पुलिस की शुरुआती पूछताछ में उनके बेटे द्वारा फायर करने की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार शशि हाइटेक सिटी, राजहर्ष कोलार में रहने वाले सुनील रजक पानी सप्लाई करने का काम करते हैं। उनके परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। उनकी 10 साल की बेटी रिया रजक चौथी कक्षा की छात्रा थी। रिया उनकी इकलौती लड़की थी, पहले एक बड़ा बेटा, फिर रिया और उसका छोटा भाई है। गुरुवार को दशहरा के दिन दोपहर करीब साढ़े 12 बजे रिया कॉलोनी के अन्य बच्चों के साथ राजहर्ष कॉलोनी स्थित झांकी के पास खेल रही थी। खेलते-खेलते वह अचानक वह गश खाकर गिर गई। लोगों ने देखा तो रिया के बाएं कंधे और गर्दन के बीच गहरा घाव नजर आया जिसमें से खून बह रहा था। फौरन ही मासूम को इलाज के लिये जेके अस्पताल पहुचांया गया, जहां करीब दो घंटे चले इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया। मौत का कारण गोली लगना सामने आया है। इसका खुलासा मासूम की एक्स-रे रिपोर्ट से हुआ है। एक्सरे में साफ हो गया है, कि गोली बच्ची की गर्दन और कंधे के बीच ऊपर से घुसी और कमर में जाकर धंस गई। आगे की पड़ताल में घटनास्थल का मुआयना कर गोली की दिशा तय कर शस्त्र धारको से पूछताछ की गई जिसे साफ हुआ की दशहरा पर्व के अवसर पर श्यामलाल यादव के बेटे ने घर की छत से फायर किया था, और यही गोली लगने से मासूम की मौत हुई थी। गैर इरादतन हत्या का मामला कायम कर पुलिस श्यामलाल के बेटे की गिरफ्तार के प्रयास कर रही है, बीते दिन पुलिस टीम उनके घर पहुचीं तो दरवाजे पर ताला लगा मिला। फिलहाल पुलिस की कोशिश जारी है, और जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी की बात कही जा रही है।

श्रमिकों को बोनस भुगतान जरूरी

भोपाल। श्रम विभाग द्वारा राज्य में संचालित समस्त कारखानों और वाणिज्यिक संस्थानों में कार्यरत श्रमिकों के लिए बोनस भुगतान अधिनियम 1965 के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे संस्थान जहां बीस या इससे अधिक श्रमिक कार्यरत हैं और जिनका मासिक वेतन 21 हजार रूपये से कम है, उन्हें बोनस भुगतान किया जाना जरूरी है। अधिनियम के अनुसार हर लेखा वर्ष में किए गए कार्य के बोनस का भुगतान आगामी लेखा वर्ष में 30 नवंबर तक किया जाना चाहिए। बोनस की राशि 7000 रूपये अथवा 8.33त्न जो भी अधिक हो वह देय होगी। उप श्रम आयुक्त आशीष पालीवाल ने बताया है कि उक्त बोनस का भुगतान न होने की स्थिति में अपनी शिकायत संबंधित जिला श्रम कार्यालय में, एल.सी.एम.ल पर, शासन द्वारा संचालित cmhelpline पोर्टल 181 पर अथवा श्रम विभागीय टोल फ्री नंबर 18002338888 पर दर्ज करवा सकते हैं।

तीन लोगो को कुचलने वाला एसयूवी चालक गिरफ्तार

- दो की हुई थी मौत, एक का इलाज जारी

- वारदात के बाद भाग गया था ग्वालियर, पुलिस ने भेजा जेल

- मांग कर लाया था एसयूवी, कार देने वाले दोस्त से होगी पूछताछ

भोपाल। देहात क्षेत्र के ईंटखेड़ी थाना इलाके के अरवलिया में सड़क पर तीन लोगों को रौंदकर फरार हुए एसयूवी चालक को आखिरकार पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद आरोपी पुलिस से बचने लिये शहर छोड़कर ग्वालियर भाग गया था। गिरफ्तारी के बाद उसे अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी एसयूवी अपने दोस्त से चलाने के लिये मांग कर लाया था, पुलिस अब उसे कार देने वाले दोस्त से भी पूछताछ करेगी। पकड़ाया गया आरोपी निशांत परिहार (23) ग्राम अरवलिया, ईंटखेडी में रहता है। वह इलेक्ट्रिक दुकान में काम करने के साथ ही आटो डील का काम भी करता है। पूछताछ में निशांत ने पुलिस को बताया कि सोमवार रात को वो अपने दोस्तों के साथ इंदौर हाईवे पर घूमने गया था। वहां से लौटते समय एसयूवी की स्पीड चैक करने के लिये वह उसे तेज रफ्तार में चला रहा था, इसी दौरान वह कार पर से उसका नियंत्रण खो बैठा और कार ने अरवलिया में पहले बाइक को टक्कर मारी और उसे घसीटते हुए सड़क किनारे खड़े लोगों को टक्कर मार दी। गौरतलब है की एसयूवी की चपेट में आने से बाइक चालक गनी खान और मुख्तार खान की मौत हो गई और एक्सीडेंट में घायल तीसरे युवक पप्पू उर्फ शेर सिंह ठाकुर का इलाज जारी है, फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। थाना पुलिस ने बताया की आरोपी निशांत ने अपने दोस्त दीपक साहू से कार ली थी, अब पुलिस दीपक से पूछताछ करेगीं।

एक्सीडेंट में मौत के मामले में पुलिस पर लगे गंभीर आरोप

- गाड़ी के रजिस्ट्रैशन नंबर के आधार पर चार दिन लगा दिये शव की पहचान करने में

भोपाल। पिपलानी पुलिस पर गंभीर रुप से लापरवाही बरते जाने के गंभीर आरोप लगे हैं। बताया जा रहा है कि बीती 19 अक्टूबर को एक एक्सीडेंट में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। उसके शव को पुलिस ने अज्ञात मानकर पीएम के लिये हमीदिया अस्पताल की मर्चुरी में रखवा दिया था। गुरुवार को उसकी पहचान होने के बाद शव का पीएम कराया गया। इस दौरान मृतक के परिजनों ने बतायसा की एक्सीडेंट के समय मृतक जिस स्कूटी पर सवार था उसे पुलिस ने जप्त करते हुए थाने में खड़ा कर लिया। वह गाड़ी उसी एड्रेस पर रजिस्टर्ड है, जहां अभी वो रहते हैं। और तो और जप्त की गई गाड़ी में ही मृतक का मोबाइल फोन और पहचान पत्र भी रखा था, लेकिन पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ही नहीं ली। पुलिस की इस लापरवाही के कारण शव कई दिनो तक रखे रहने के कारण डिकंपोज होने लगा था। मामले में जानकारी के मुताबिक झील नगर थाना अयोध्या नगर क्षेत्र में रहने वाले राम बहादुर (55) पिता चमन बहादुर रत्नागिरी में एक रेस्टोरेंट में खाना बनाने का काम करते थे। परिवार वालो के अनुसार 19-20 अक्टूबर की रात को रेस्टोरेंट बंद होने के बाद रात करीब डेढ़ बजे वो स्कूटी से घर आ रहे थे। रास्ते में रत्नागिरी में अन्य दो पहिया वाहन के चालक ने उनके वाहन को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में घातक चोटें आने से गंभीर रुप से घायल राम बहादुर को एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उनकी की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर लिया था। परिवार वालो का कहना है कि इसी स्कूटी की डिक्की में मृतक का मोबाइल, आधार कार्ड रखा था, और चाबी भी पुलिस के पास थी। लेकिन गाड़ी की डिक्की को चेक नहीं किया।

गुमशुदगी दर्ज कराने पहुचें तब मिली मौत की सूचना

मृतक के परिवार वालो का कहना है कि राम बहादुर जिस रेस्टोरेंट में काम करते थे वह रात को देरी से बंद होता है। और आये दिन रात अधिक होने के कारण राम बहादुर वहीं सो जाते करते थे। 19 अक्टूबर को जब वे काफी रात तक घर नहीं पहुचें तब परिवार वालो ने उन्हें कॉल किए लेकिन फोन रिसीव नहीं हुए। परिवार वालो को लगा की वह रेस्टोरेंट में ही सो गए होंगे। अगले दिन दिवाली होने पर परिवार दिन भर व्यस्त रहा। और त्योहारों पर रेस्टोरेंट में अधिक ग्राहकी होने पर भी राम बहादुर अकसर घर नहीं आते थे। दिवाली के अगले दिन रात को जब राम बहादुर को फोन किया तब भी उनसे बात नहीं हो सकी। लेकिन जब बाद में उन्होनें वापस फोन भी नहीं किया तब 22 अक्टूबर की दोपहर परिवार वालो रेस्टोरेंट मालिक को फोन कर पिता से बात कराने को कहा। तब उसने बताया कि वह तो 19 अक्टूबर की रात को घर जाने के लिए निकल गए थे। इसके बाद उनकी काफी खोजबीन की गई, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिलने पर शाम को परिवार वाले उनकी गुमशुदगी दर्ज कराने जा रहे थे। उसी समय पिपलानी पुलिस गाड़ी के रजिस्ट्रेशन के आधार पर राम बहादुर का पता पूछते हुए उनके घर आई। यदि पुलिस चाहती तो उनकी मौत की सूचना चार दिन पहले ही मिल जाती जिससे शव की हालत भी खराब नहीं होती। वहीं पुलिस का कहना है की मृतक के पास से ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला था, जिससे उसकी शिनाख्त कराई जा सके। परिजनों ने तीन दिन तक उनकी गुमशुदगी भी दर्ज नहीं कराई। घटनास्थल और आस पास के क्षेत्रों में हमारी टीम ने फोटो दिखाकर मृतक की पहचान कराई, एक व्यक्ति ने राम बहादुर को पहचान कर उसका पता बताया, जिसके बाद टीम तलाशते हुए रामबहादुर के घर तक पहुंची। शिनाख्त कराने के बाद गुरुवार को शव का पीएम कराया गया। मामले में जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

आंखों को जलाने वाले कार्बाइड गन की बड़ी खेप पकड़ी

42 कार्बाइड गन, 29 लाइटर और 1.5 किलो कैल्शियम जब्त

भोपाल। राजधानी के देहात क्षेत्र की बागसेवनिया पुलिस ने लोगों की आंखों को जलाने वाले कार्बाइड गन की बड़ी खेप पकड़ी है। सड़क किनारे पटाखों की आड़ में गन बेचने वाले एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया कर उसके पास से करीब 42 कार्बाइड गन, 29 लाइटर, और 1.5 किलो कैलशियम कार्बाइड जब्त किया है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को प्रधान मंडप गार्डन के सामने से एक युवक पटाखा बेचते हुए नजर आया। चैक करने पर उसके पास रखे बोरे में रखी करीब 42 कार्बाइड गन मिली। इसके अलावा गन को जलाने वाले 29 लाइटर और डेढ़ किलो कैलशियम कार्बाइड मिला। जिसे गन में भरकर उसे जलाया जाता है। पकड़े गए युवक ने अपना नाम 25 वर्षीय भय्यू चौहान बताया, जो कोलार क्षेत्र में रहता है, उसने बताया की यहां झुग्गियों में यह गन बनाई जाती है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने बताया उसने रास्ते में पटाखा बेचने वाले लोगों से यह गन खरीदी थी। जिसे वह महंगे दामों पर बेच रहा था। पुलिस का अनुमान है कि इस मामले में कार्बाइड गन बनाकर बेचने वाले गिरोह का खुलासा हो सकता है। गौरतलब है कि देसी पटाखा गन से अकेले भोपाल में 150 से ज्यादा लोगों की आंखें जल चुकी हैं। इनमें सबसे ज्यादा 7 से 14 साल के बच्चे शामिल हैं। गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के नेत्र विभाग में 36 मरीजों का इलाज चल रहा है। अब तक 15 की सर्जरी की जा चुकी है, जबकि दो बच्चों की आंखों में डॉक्टरों ने एमनियोटिक मेम्ब्रेन लगाई है।

एमपी में आधी रात 7 आईपीएस के तबादले

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन ने बुधवार की आधी रात को 7 सीनियर आईपीएस अफसरों के तबादले किए हैं। इसमें एडीजी और आईजी स्तर के अफसर हैं। सीनियर आईपीएस राजाबाबू सिंह, डीपी गुप्ता, केपी व्यंकटेश्वर राव और इरशाद वली की भूमिका में बदलाव किया गया है। गृह विभाग के आदेश में एडीजी प्रशिक्षण पीएचक्यू और शिकायत व मानव अधिकार पीएचक्यू (अतिरिक्त प्रभार) राजाबाबू सिंह को को एडीजी प्रशिक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनसे एडीजी शिकायत और मानवाधिकार की जिम्मेदारी वापस ले ली गई है। आईजी एसएएफ पीएचक्यू इरशाद वली को आईजी एसएएफ भोपाल रेंज और आईजी एसएएफ पुलिस मुख्यालय भोपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। देव प्रकाश गुप्ता को एडीजी मानव अधिकार, शिकायत पीएचक्यू की जिम्मेदारी के साथ एडीजी सामुदायिक पुलिसिंग, आरटीआई, को-ऑपरेटिव फ्रॉड, लोक सेवा गारंटी, पुलिस मैन्युअल, आरएंडडी और पुलिस सुधार पीएचक्यू का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। एडीजी नारकोटिक्स केपी व्यंकटेश्वर राव को एडीजी तकनीकी सेवाएं पीएचक्यू का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। आईजी ईओडब्ल्यू भोपाल सुशांत सक्सेना को आईजी इन्वेस्टिगेशन पीएचक्यू, चैत्रा एन आईजी शिकायत और मानव अधिकार को आईजी एससीआरबी पीएचक्यू और कुमार सौरभ आईजी आजाक पीएचक्यू को आईजी एसआईएसएफ और आजाक आईजी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

जस्ट डायल के माध्यम से करोड़ों की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

भोपाल/देवास। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशन में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा राज्य में ठगी और आर्थिक अपराधों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में देवास पुलिस ने एक बड़ी सफलता अर्जित की है। पुलिस ने ≌जस्ट डायल≌ वेबसाइट के माध्यम से विभिन्न राज्यों में करोड़ों की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

देवास जिले के औद्योगिक क्षेत्र थाना में एक प्रॉपर्टी ब्रोकर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ व्यक्तियों ने अत्यंत कम दर पर जमीन बेचने का झांसा देकर उससे 29 लाख 50 हजार रूपए की ठगी की है। शिकायत मिलते ही पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण, मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग तथा बैंक खातों की जांच प्रारंभ की। जांच के दौरान यह पता चला कि आरोपी उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के रुड़की क्षेत्र में ठहरे हुए हैं। इसके बाद देवास पुलिस की टीम ने लगभग 1000 किलोमीटर दूर दबिश देकर पाँच शातिर ठगों को होटल से गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपियों से 29 लाख 50 हजार रूपए नकद, दो लग्जरी कारें, तथा बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जब्त किए। प्रारंभिक पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह ने मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में इसी तरह की ठगी की घटनाएँ की हैं। आरोपी फर्जी पहचान पत्र, अलग-अलग मोबाइल सिम और नकली एग्रीमेंट दस्तावेज़ों का उपयोग कर अपनी पहचान छिपाते थे। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है। देवास पुलिस की यह कार्रवाई राज्य पुलिस की तकनीकी दक्षता, त्वरित प्रतिक्रिया और अंतरराज्यीय समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसी प्रकार, कुछ दिनों पूर्व उज्जैन जिले की नागदा पुलिस ने फसल खरीदी के नाम पर किसानों से लगभग ?5 करोड़ की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाही में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर मकान, प्लॉट और वाहन सहित करोड़ों रुपये की संपत्ति जब्त की है। जब्त संपत्तियों की न्यायालयीय कुर्की की प्रक्रिया जारी है ताकि पीड़ित किसानों को उनका धन वापस मिल सके।

इन दोनों कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश पुलिस हर आर्थिक अपराध पर सजग, पेशेवर और तकनीकी रूप से सक्षम कार्रवाई कर रही है। डीजीपी द्वारा सभी जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे मामलों की गहराई से विवेचना की जाए, अपराधियों की अवैध संपत्ति जब्त की जाए और आमजन को सतर्क करने के लिए अभियान चलाए जाएं। मध्य प्रदेश पुलिस जनता की सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने के लिए हर स्तर पर सक्रिय और प्रतिबद्ध है।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम को दो विकेट से हराया

एडीलेड। ऑस्ट्रेलिया ने यहां हुए दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भी भारतीय टीम को 2 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। इससे पहले पर्थ में हुए पहले एकदिवसीय में भी भारतीय टीम सात विकेट से हार गयी थे।

दूसरे एकदिवसीय मैच में मेजबान टीम की जीत में एडम जंपा और जेवियर बार्टलेट की अच्छी गेंदबाजी के बाद मैथ्यू शॉर्ट और कूपर कोनोली के लगाये अर्धशतकों की भी अहम भूमिका रही। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबानों को 265 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसे ऑस्ट्रेलिया ने शॉर्ट के 74 रनों और कोनोली के नाबाद 61 रनों की सहायता से 46.2 ओवर में ही आठ विकेट खोकर हासिल कर लिया।

शॉर्ट की मैट रेनशॉ 30 तथा कोनोली के साथ 55 रन की साझेदारियां हुई। कोनोली ने इसके बाद मिचेल ओवेन 36 के के साथ 59 रन जोड़े। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों की सहायता से 9 विकेट के नुकसान पर 264 रन बनाए। मेजबान टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान शुभमन गिल 9 रनों पर ही आउट हो गये। उसके बाद अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। रोहित ने 73 रन की अच्छी पारी खेली, इस दौरान उन्होंने 97 गेंदों का सामना किया और 7 चौके व 2 छक्के लगाए। वहीं अय्यर ने 77 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली जिसमें 7 चौके शामिल थे। केएल राहुल ने 11 जबकि सुंदर ने 12 रन बनाये। हर्षित राणा ने नाबाद 24 और अर्शदीप सिंह ने 13 रन बनाये।

वहीं वापसी करने वाले कंगारु लेग स्पिनर जंपा ने 60 रन देकर चार विकेट लिए जबकि बार्टलेट ने 39 रन देकर तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे ऑस्ट्रेलिया ने अच्छी शुरुआत की। ट्रेविस हेड 28 और कप्तान मिचेल मार्श 11 ने सात ओवर में 26 रन जोड़े। अर्शदीप ने मार्श को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। हेड राणा की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद शॉर्ट और कूपर ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत दिलायी।

सरफराज को भारत ए टीम में जगह नहीं मिलने का कारण सामने आया

मुम्बई। बल्लेबाज सरफराज खान को घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी भारत ए टीम में जगह नहीं मिलने से कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। वहीं अब इसका कारण सामने आया है। सरफराज को इसलिए शामिल नहीं किया गया है क्योंकि भारत ए के कप्तान बनाये गये विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत जिस नंबर पर उतरते हैं। उसी पर सरफराज भी उतरते हैं। इसी कारण सरफराज को टीम में जगह नहीं मिल पायी। इसी कारण उन्हें टेस्ट सीरीज में भी अवसर नहीं मिल रहा।

सरफराज को वर्तमान में टेस्ट टीम में जगह मिलना आसान नहीं दिख रहा। अगर हम टीम के क्रम को देखें तो उनकी जगह कहीं भी नहीं बन पा रही है। पारी की शुरुआम में यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं तीसरे नंबर पर टीम साई सुदर्शन को उतार रही है जबकि चौथे पर कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी करते हैं। ऐसे में सरफराज के केवल पांचवें नंबर का अववर है, जहां पर उन्होंने घरेलू क्रिकेट में काफी रन भी बनाये है लेकिन इसपर ऋषभ उतरते हैं। निचले क्रम में वाशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी हैं। ऐसे में 8वें नंबर पर सरफराज को उतारने को कोई मतलब नहीं है।

रोहित ने गांगुली को पीछे छोड़ा

एडीलेड। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही एक अहम रिकार्ड बनाया है। अपनी इस पारी के साथ ही रोहित पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को पीछे छोड़ते हुए एकदिवसीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। रोहित ने 97 गेंदों में 7 चौकों और दो छक्कों की मदद से 73 रनों की शानदार पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 75.26 का रहा।

अब 275 एकदिवसीय की 267 पारियों में रोहित ने 48.69 की औसत से 11,249 रन बनाए हैं, जिसमें 32 शतक और 59 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सबसे अधिक स्कोर 264 रन है। उन्होंने गांगुली को पीछे छोड़ दिया है जिन्होंने 308 मैचों में 40.95 की औसत से 22 शतक और 71 अर्द्धशतकों के साथ 11,121 रन बनाए थे। वहीं भारत की ओर से सबसे अधिक रन सचिन तेंदुलकर ने 463 मैचों में 49 शतकों के साथ 18,426 रन जबकि विराट कोहली ने 304 मैचों में 51 शतकों के साथ 14,181 रन बनाये हैं।

रोहित ने 2022 के बाद से 19 बार अर्धशतक लगाये हैं। यह केवल दूसरा अवसर था जब उन्होंने 100 से कम स्ट्राइक रेट से 50 रन का आंकड़ा हासिल किया। इससे पहले उन्होंने 2023 में घरेलू मैदान पर आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ 66 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। इस साल एकदिवसीय में रोहित ने 10 पारियों में 38.30 की औसत से 383 रन बनाए हैं।

डब्ल्यूपीएल नीलामी अगले माह के अंत में होने की संभावना

मुम्बई। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2026 सत्र के लिए नीलामी अगले माह नई दिल्ली में होने की संभावना है। अभी तक हालांकि फ्रेंचाइजियों को नीलामी की जानकारी नहीं मिली है पर माना जा रहा है कि शीघ्र ही उन्हें इस बारे में बता दिया जाएगा। नीलामी की तारीख अभी तय नहीं हुई है पर इसके 26-27 नवंबर होने की अटकलें हैं। वहीं इससे पहले, भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने संकेत दिया था कि नीलामी 26 से 29 नवंबर के बीच होगी। इसके अलावा सभी टीमों को संभावित स्थल के बारे में संकेत दे दिये गये हैं।

डब्ल्यूपीएल में अभी केवल पांच टीमें हैं और अधिकतम 18 खिलाड़ियों की टीम है, इसलिए इस प्रक्रिया में ज्यादा समय लगने की संभावना नहीं है। ऐसे नीलामी एक ही दिन में पूर हो जाएगी। इसके साथ ही फ्रेंचाइजी को 5 नवंबर तक अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जमा करने के लिए कहा गया है।

सभी टीमें पांच खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं। अगर कोई टीम सभी पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसे पहले खिलाड़ी के लिए 3.5 करोड़ रुपये, दूसरे खिलाड़ी के लिए 2.5 करोड़ रुपये, तीसरे खिलाड़ी के लिए 1.75 करोड़ रुपये, चौथे खिलाड़ी के लिए 1 करोड़ रुपये और पांचवें खिलाड़ी के लिए 50 लाख रुपये का नुकसान उठाना होगा। नीलामी के लिए खिलाड़ियों की कुल राशि 15 करोड़ रुपये रखी गयी है और पांच खिलाड़ियों को बरकरार रखने पर एक टीम को 9.25 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे।

बीसीसीआई ने कहा है कि यह दिशानिर्देश वेतन सीमा के लिए हैं और किसी खिलाड़ी को दी जाने वाली राशि टीमों के अनुसार अलग भी हो सकती है। बीसीसीआई ने हाल ही में फ्रेंचाइजी को लिखे एक नोट में कहा, हालांकि किसी खिलाड़ी को दी जाने वाली राशि दिशानिर्देश मूल्य से अलग हो सकती है पर रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर कुल राशि का उपयोग वेतन सीमा की गणना के लिए किया जाएगा।

एक अनकैप्ड (गैर अनुभवी) खिलाड़ी को रिटेन करने की दिशानिर्देश मूल्य 50 लाख रुपये है, और हर टीम अधिक से अधिक दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है। इसके अलावा, एक फ्रेंचाइज़ी अधिकतम तीन गैर अनुभवी खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है और रिटेंशन सूची में अधिक से अधिक दो विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं।

बीसीसीआई ने पांच राइट टू मैच (आरटीएम) विकल्पों को मंजूरी दी है पर अगर किसी फ्रेंचाइजी के लिए उपलब्ध आरटीएम की संख्या रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या पर निर्भर करेगी। प्रत्येक रिटेन किए गए खिलाड़ी के लिए, फ्रेंचाइजी का एक आरटीएम विकल्प कम हो जाएगा।

एशेज टेस्ट सीरीज की तैयारी में लगे स्मिथ तरोताजा अनुभव कर रहे

सिडनी। आजकल एशेज क्रिकेट सीरीज की तैयारी में लगे ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि सीमित ओवरों के प्रारुपों से संन्यास का उन्हें लाभ हुआ है। स्मिथ के अनुसार अब वह टेस्ट सीरीज के लिए तरोताजा अनुभव कर रहे हैं। पहले तीनों ही प्रारुपों में खेलने से मानसिक थकान हावी हो जाती थी। अब वह 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे जबकि नियमित कप्तान पैट कमिंस अब भी पीठ के निचले हिस्से की चोट से उबर रहे हैं। वह अगस्त के बाद से ही अभ्यास कर रहे हैं। स्मिथ ने अपने पहले ट्रेनिंग सत्र के बाद से कहा, 'मैं मानसिक रूप से कहीं अधिक जल्दी थक जाता हूं। उन्होंने कहा, 'दस साल पहले मुझे वापसी करके हर संभव मैच खेलना बहुत पसंद था। अब टेस्ट क्रिकेट ही मेरे लिए प्राथमिकता बन गया है।

स्मिथ ने कहा, 'मुझे पता है कि जब मैं शुरुआत में बहुत अधिक खेलता हूं तो तो गर्मियों के अंत तक मैं मानसिक रूप से काफी थक जाता हूं और शायद पहले जैसा प्रदर्शन नहीं कर पाता। अपनी ऊर्जा बचाने और प्रारूपों को प्राथमिकता देने का अच्छा प्रभाव पड़ा है। स्मिथ ने पिछले सत्र में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में दो शतक लगाये थे। इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा, 'पिछले साल मैं शायद गर्मियों के अंत में भारत के खिलाफ अपनी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी कर रहा था क्योंकि शुरुआत में मैंने अधिक क्रिकेट नहीं खेला था। तब दो शॉट लगाने के बाद ही मुझे लय हासिल हो गयी थी। मुझे लगता है कि अब मैं खेलने के लिए तैयार हूं।

रोहित ने दूसरे एकदिवसीय में बनाया रिकार्ड

एडीलेड। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां यहां दूसरे एकदिवसीय मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही एक नया रिकार्ड बना दिया। रोहित इस मैच में दो रन बनाते ही ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ उसी की धरती पर एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1000 रनों से अधिक बनाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी बने हैं। अभी तक विश्व के केवल पांच बल्लेबाज ही ऑस्ट्रेलिया में 1000 रन बना पाये हैं। रोहित ने दूसरे एकदिवसीय में जैसे ही दूसरा रन बनाया। वैसे ही उनके रन मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी की धरती पर 1000 हो गए।

रोहित के अलावा दो और एशियाई बल्लेबाजों श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने के नाम यहां 1000 रन हैं। वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज सर विव रिचर्ड्स और डेसमंड हेन्स के नाम भी ये उपलब्धि हैं।

रोहित ने एक रन बनाते ही पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के एकदिवसीय रनों को पीछे छोड़ दिया था। गांगुली ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर 9146 रन बनाए थे।

शुभमन से हाथ मिलाकर पाक के नारे लगाने लगा प्रशंसक

एडीलेड। भारतीय क्रिकेट टीम अभी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। यहां एडिलेड की सड़कों पर घूमते समय भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल से एक प्रशंसक ने हाथ मिलाया। शुभमन तब हैरान रह गये जब ये प्रशंसक पाकिस्तानी नारे लगाने लगा। शुभमन हालांकि इस मामले को तूल न देते हुए आगे बढ़ गये। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है हालांकि ये वीडियो सही है या फर्जी ये अभी तक साफ नहीं हुआ है। शुभमन बुधवार को वैकल्पिक अभ्यास सत्र में शामिल नहीं हुए थे। इसकी जगह वह युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा व कुछ अन्य खिलाड़ियों के साथ शहर की सैर करने निकले थे। के साथ शहर में टहलना चुना। शुभमन की कप्तान के तौर प ये पहली एकदिवसीय सीरीज है।

सट्टेबाजी कंपनियों के प्रमोशन से इंकार करने के कारण गयी रिजवान की कप्तानी - रिपोर्ट

लाहौर। मोहम्मद रिजवान को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से ठीक पहले पाकिस्तान की एकदिवसीय टीम की कप्तानी से हटाये जाने के बाद से ही इसके कारणों को लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं क्योंकि उनकी जगह कप्तान बनाये गये शाइन अफरीदी का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है। वहीं एक साल के अपने कप्तानी करियर में रिजवान का प्रदर्शन ठीक-ठाक था। पाक बोर्ड (पीसीबी) ने रिजवान को कप्तानी से हटाने का कोई स्पष्ट कारण भी नहीं बताया है। वहीं एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सट्टेबाजी कंपनियों के प्रमोशन से इंकार करने के कारण रिजवान की कप्तानी गयी है। पीसीबी चाहता था कि रिजवान सट्टेबाजी कंपनियों का प्रमोशन करें पर वह इसके लिए तैयार नहीं थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिजवान ने पीसीबी से कहा था कि वह इस प्रकार की कंपनियों का प्रमोशन नहीं करेंगे, जिससे पीसीबी नाराज था।

इससे पहले इस साल की शुरुआत में, सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के साथ कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में खेलते हुए भी रिजवान ने एक सट्टेबाजी कंपनी के लोगो वाली जर्सी पहनने से माना कर दिया था। यहां तक कि टीम के मुख्य प्रायोजक की जर्सी भी रिजवान ने नहीं पहनी थी। उन्होंने प्रायोजक की ब्रांडिंग के बिना ही एक दूसरी जर्सी पहनकर टूर्नामेंट खेला था जिससे भी वह सट्टेबाजी कंपनियों के निशाने पर थे।

गार्डनर ने सबसे तेज शतक का रिकार्ड बनाया, ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को हराया

इंदौर। ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ हुए आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप क्रिकेट 2025 में 69 गेंद में ही शतक लगाकर अपनी टीम को छह विकेट से जीत दिलाने के दौरान ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसके साथ ही गार्डनर महिला विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। गार्डनर ने नाबाद 104 रन बनाये। गार्डनर ने अपनी इस पारी के दौरान ही वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डॉटिन के सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को तोड़ है। डिएंड्रा ने पाकिस्तान के खिलाफ 71 गेंद में शतक लगाया था।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ये मैच तय ओवरों से पहले ही हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम ने टैमी ब्यूमोंट के 78 रनों की सहायता से 50 ओवर में 9 विकेट पर 244 रन बनाये। ब्यूमोंट के अलावा इंग्लैंड की ओर से एलिस कैप्सी ने 32 रन बनाये। इन दोनों के अलावा और कोई भी अन्य बल्लेबाज रन नहीं बना पाया। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से एनाबेल सदरलैंड ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए जबकि एश्ले गार्डनर और सोफी मोलिनक्स ने दो-दो विकेट लिए वहीं एक विकेट अलाना किंग को मिला।

जीत के लिए मिले 244 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 68 रनों पर ही चार विकेट खो दिये। इसके बाद गार्डनर ने सदरलैंड के साथ मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। सदरलैंड ने भी 98 रनों की पारी खेली और वह अंत तक आउट नहीं हुईं। ऑस्ट्रेलिया ने 41 ओवर और तीन गेंदों में ही चार विकेट पर 248 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

एशिया कप ट्रॉफी भारत को नहीं सौंपने पर एसीसी से बाहर किये जा सकते हैं नकवी

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम को अब तक एशिया कप ट्रॉफी नहीं सौंपने के मामले पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अब सख्त रुख अपना लिया है। बीसीसीआई इस मामले को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के पास लेकर जा रहा है। अगर उसके बाद भी एशियाई क्रिकेट बोर्ड (एसीसी) प्रमुख मोहसिन नकवी नहीं मानते तो उन्हें एसीसी से बाहर करने औपचारिक प्रस्ताव पेश किया जाएगा।

वहीं दूसरी ओर नकवी का अड़यल रवैया अब भी बरकारार है। नकवी का कहना है कि वही ये ट्रॉफी दे सकते हैं। वहीं इस मामले के आईसीसी में उठने पर नकवी या तो निलंबित किये जा सकते हैं या उन्हें बर्खास्त किया जा सकता है। यह संभावना इसलिए भी बढ़ गयी क्योंकि एसीसी के अधिकतर सदस्य बीसीसीआई के पक्ष में हैं।

बीसीसीआई हालांकि नकवी की बर्खास्तगी के लिए जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाना चाहेगा। इसका सबसे बड़ा कारण अगले साल भारत में होने वाला टी20 विश्वकप है। बीसीसीआई पहले अन्य सभी विकल्प अपनाकर ट्रॉफी को भारत लाने का प्रयास कर रहा है। वहीं ट्रॉफी हासिल करने के लिए नकवी की बर्खास्तगी अंतिम विकल्प होगा। इस पूरे विवाद की शुरुआत तब हुई जब भारतीय टीम ने 28 सितंबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप का खिताब जीता था पर भारतीय टीम ने पुरस्कार समारोह में नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था।. इस घटना के बाद से ट्रॉफी नकवी ने एसीसी मुख्यालय में रख दी है।

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट में पाक को हराया, स्पिनर हार्मर ने बनाया रिकार्ड

रावलपिंडी। स्पिनर साइमन हार्मर की शानदार गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट मैच में 8 विकेट से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ 1-1 से ड्रॉ पर समापत की है। हार्मर ने दूसरे टेस्ट में 6 विकेट अपने 1,000 प्रथम श्रेणी विकेट पूरे किये हैं। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले दक्षिण अफ्रीका के चौथे गेंदबाज हैं। इस मैच के चौथे दिन पाकिस्तान की टीम अपनी दूसरी पारी में केवल 138 रन बना सकी और दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 68 रनों का आसान सा लक्ष्य मिला

जिसे दक्षिण अफ्रीका ने 12.3 ओवर में ही दो विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। रयान रिकेल्टन ने 29 गेंदों में नाबाद 25 रन और कप्तान एडन मार्करम ने 45 गेंदों पर 42 रन की शानदार पारी खेली। इस तरह दक्षिण अफ्रीका ने आठ विकेट से जीत दर्ज करते हुए सीरीज 1-1 से बराबर कर दी।

हार्मर के छह विकेटों से पाकिस्तान की टीम दूसरी पारी में केवल 138 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके साथ ही इस गेंदबाज ने अपने करियर का 1,000वां प्रथम श्रेणी विकेट लिया। अब वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले दक्षिण अफ्रीका के चौथे गेंदबाज बन गये हैं। इससे पहले बक लेवेलिन ने 1,013 विकेट, माइक प्रॉक्टर ने 1,417 विकेट और एलन डोनाल्ड ने 1,216 विकेट लिए थे। वहीं विश्व में यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह 217वें गेंदबाज हैं। वहीं इंग्लैंड के विल्फ्रेड रोड्स के नाम प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सबसे अधिक 4,204 विकेट का रिकॉर्ड दर्ज है।

पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए घोषित की टीम

बाबर-नसीम और समद की वापसी

लाहौर। पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली घरेलू टी20 सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। टीम में पूर्व कप्तान बाबर आजम, तेज गेंदबाज नसीम शाह और बल्लेबाज अब्दुल समद की वापसी हुई है। आजम और नसीम पिछले साल दिसंबर से ही टी20 प्रारूप से बाहर चल रहे थे। पाक और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 सीरीज 28 अक्टूबर से एक नवंबर तक रावलपिंडी और लाहौर में होगी। इसके अलावा पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच चार से आठ नवंबर तक फैसलाबाद के इकबाल स्टेडियम में होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय सीरी के लिए भी टीम घोषित कर दी गयी है। एकदिवसीय टीम में फैसल अकरम, हारिस राऊफ और हसीबुल्लाह की वापसी हुई है।

वहीं 11 से 15 नवंबर तक रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ

तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। नसीम और बाबर पाकिस्तान की एकदिवसीय टीम में भी शामिल रहे हैं। चयनकर्ताओं ने अनुभवी सलामी बल्लेबाज फखर जमां और स्पिनर सुफयान मुकीम को टीम में जगह नहीं दी है। विकेटकीपर बल्लेबाज उस्मान खान को भी टीम में जगह मिली है लेकिन मुहम्मद हारिस टी20 टीम से बाहर हो गए हैं। स्पिनर उस्मान तारिक टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी हैं!

टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम:

सलमान अली आगा (कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

रिजर्व - फखर जमां, हारिस राऊफ, सुफियान मोकिम

एकदिवसीय टीम:

शाहीन शाह अफरीदी (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फैसल अकरम, फखर जमां, हारिस राऊफ, हसीबुल्लाह, हसन नवाज, हुसैन तलत, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, सईम अयूब, सलमान अली आगा।

मेहुल चोकसी को मुंबई की आर्थर रोड जेल के बैरक नंबर 12 में रखा जाएगा

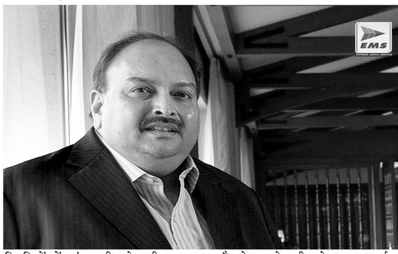

मुंबई। बेल्जियम की एक अदालत ने पीएनबी बैंक घोटाले के आरोपी और भगोड़े आर्थिक अपराधी मेहुल चोकसी के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। मेहुल चोकसी को भारत लाए जाने के बाद उसे मुंबई की आर्थर रोड जेल में रखा जाएगा। जेल में क्या व्यवस्था है?, यह जानकारी भारत की ओर से बेल्जियम की अदालत को दी गई है। जिसमें आर्थर रोड जेल के आर्किटेक्चरल ड्रॉइंग और इंटीरियर की कुछ तस्वीरें पेश की गईं। चोकसी को जेल के जनरल वार्ड में नहीं, उसे बैरक नंबर 12 में रखा जाएगा, जो अच्छी तरह हवादार, सुरक्षित और लगातार निगरानी में है। इस बैरक में केवल दो सेल और एक शौचालय है। 2018 में, चोकसी ने इंटरपोल को जारी सीबीआई के रेड कॉर्नर नोटिस के खिलाफ याचिका दायर की थी। उस समय, उसने कारण बताया था कि भारतीय जेलों की स्थिति अच्छी नहीं है और मानवाधिकार मानदंडों का उल्लंघन हो रहा है। उस समय, वकीलों ने दिल्ली की तिहाड़ और मुंबई की आर्थर रोड जेलों की स्थितियों में अंतर की ओर भी अदालत का ध्यान आकर्षित किया और बेल्जियम की अदालत को आश्वासन दिया कि मेहुल चोकसी के मानवाधिकारों का किसी भी तरह से उल्लंघन नहीं किया जाएगा। न ही उसे एकांत कारावास में रखा जाएगा।

कौन है मेहुल चोकसी ?

मेहुल चोकसी, 13,850 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक घोटाला मामले में नीरव मोदी के साथ मुख्य आरोपी है। मेहुल चोकसी, जो अब 66 वर्ष का है, गिरफ्तारी के डर से 2 जनवरी, 2018 को भारत से भाग गया था। उसने अगले कुछ वर्षों तक एंटीगुआ में शरण ली। फिर मई 2021 में, चोकसी एंटीगुआ से पड़ोसी डोमिनिका गणराज्य भाग गया। जहाँ उसे एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसकी जानकारी होते ही सीबीआई की एक टीम उसे प्रत्यर्पित करने डोमिनिका पहुँच गई। मेहुल चोकसी ने डोमिनिकन जेल में 51 दिन बिताए। वहाँ, उसने बीमार होने का दावा किया और एंटीगुआ जाकर वहाँ के एक न्यूरोलॉजिस्ट से इलाज कराने की इच्छा जताई। हालाँकि, उसे समय रहते ब्रिटिश महारानी की प्रिवी काउंसिल से राहत मिल गई और उसे एंटीगुआ प्रत्यर्पित कर दिया गया। एंटीगुआ पहुँचने के कुछ ही दिनों बाद, डोमिनिकन अदालत ने चोकसी के खिलाफ मामला वापस ले लिया। तब से, चोकसी भारत वापस न लाए जाने की पूरी कोशिश कर रहा है। जून 2022 में, उसने भारत सरकार और एंटीगुआ में भारतीय एजेंटों के खिलाफ हनीट्रैप के जरिए अपहरण का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था। चोकसी के दावे के अनुसार, भारतीय एजेंटों ने मई 2021 में उसका अपहरण कर लिया था और उसे जबरन डोमिनिका ले गए थे। जब उसे गिरफ्तार किया गया, तब मेहुल चोकसी बेल्जियम के रास्ते स्विट्जरलैंड भागने की कोशिश कर रहा था। मामले की सुनवाई बेल्जियम की एंटवर्प अदालत में हुई, जहाँ भारत सरकार ने सभी आरोपों से इनकार किया। मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण को मंज़ूरी देते हुए अदालत ने माना है कि भारतीय एजेंसियों के अनुरोध पर बेल्जियम पुलिस द्वारा चोकसी की गिरफ़्तारी क़ानूनी थी। मेहुल चोकसी के पास अभी भी बेल्जियम के सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने का अधिकार है, जिसका वह ज़रूर इस्तेमाल करेगा। हालाँकि, अगर वह अपील नहीं करता है, तो उसे भारत भेजने की क़ानूनी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। मेहुल चोकसी का प्रत्यर्पण कोई आसान काम नहीं है। उसकी जेब में बहुत पैसा है। विजय माल्या की तरह, वह यूरोप के सबसे बेहतरीन वकीलों को अपने साथ रखता है। इसलिए, उसे वापस लाना भारत के लिए आसान नहीं होगा। हालाँकि वह एंटीगुआ में पकड़ा गया था, लेकिन वह भागने में कामयाब रहा क्योंकि उसके पास वकीलों की एक बड़ी टीम थी।

लकी अली ने तंज कसते हुए मांगी माफी, कहा- राक्षसों की भी भावनाएं हो सकती हैं

मुंबई। देश के ख्याति प्राप्त गीतकार जावेद अख्तर अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। बीते दिनों जावेद अख्तरएक पुराने वीडियो को लेकर सुर्खियों में आए थे। इस वीडियो क्लिप में जावेद अख्तर कहते दिख रहे थे, शोले में एक सीन था जिसमें धर्मेंद्र शिवजी की मूर्ति के पीछे छिपकर बोलते हैं और हेमा मालिनी सोचती हैं कि शिव जी उनसे बात कर रहे हैं। क्या आज भी ऐसा सीन हो सकता है? नहीं, मैं आज ऐसा सीन नहीं लिखूंगा मैंने कहा था, मुसलमानों जैसे मत बनो उन्हें अपने जैसा बनाओ। तुम मुसलमानों जैसे बन रहे हो यह एक त्रासदी है। जावेद अख्तर के इसी वीडियो क्लिप के के नीचे लकी अली के आधिकारिक अकाउंट से कमेंट है, जावेद अख्तर की तरह मत बनो, वह कभी ओरिजिनल नहीं थे और बहुत गंदे हैं। लकी अली के नाम से ऐसा कमेंट देखकर कई लोग हैरान हुए थे। इसी कमेंट के बाद विवाद को बढ़ता देख लकी अली ने माफी मांगी। बता दें एक सोशल मीडिया यूजर ने उनकी आलोचना की थी, जिसमें वो हिंदुओं से मुसलमानों जैसा न बनने की अपील करते नजर आ रहे थे। यूजर के इसी वीडियो पर अली अली का शॉकिंग कमेंट नजर आया था। ऐसे में अब लकी अली ने अपने कमेंट के लिए माफी मांगी है। जावेद अख्तर के वीडियो पर लकी अली का कमेंट वायरल होने के बाद उन्होंने गीतकार से माफी मांगी। लकी अली ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा, मेरा मतलब था कि अहंकार बुरा होता है... यह मेरी ओर से एक गलत बयान था... राक्षसों की भी भावनाएं हो सकती हैं और अगर मैंने किसी की दुष्टता को ठेस पहुंचाई है तो मैं माफी मांगता हूं...। लकी अली का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अब इस पर भी यूजर्स के जबरदस्त कमेंट्स आ रहे हैं।

पिता भवानी सिंह की वैक्स प्रतिमा का अनावरण कर भावुक हुई दीया कुमारी...ऐसा लगा मानो वे मेरे सामने खड़े

जयपुर वैक्स म्यूजियम में महावीर चक्र से सम्मानित ब्रिगेडियर सिंह की वैक्स प्रतिमा लगी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में मौजूद नाहरगढ़ स्थित जयपुर वैक्स म्यूजियम में महावीर चक्र से सम्मानित ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह की वैक्स प्रतिमा का अनावरण हुआ। यह आयोजन उनके जयंती पर हुआ। इसमें उनकी बेटी और राजस्थान की उप मुख्यमंत्री व पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने पिता की प्रतिमा का लोकार्पण किया।

इस मौके पर दीया कुमारी ने भावुक होकर कहा कि यह मेरे लिए गर्व और भावनाओं से भरा क्षण है। मेरे पिताजी केवल हमारे परिवार के नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव थे। उनका यह वैक्स स्टेच्यू देखकर ऐसा लगा मानो वे मेरे सामने खड़े हैं। मैं उन सभी कारीगरों और जयपुर वैक्स म्यूजियम की टीम की आभारी हूं, जिन्होंने इतनी सुंदर प्रतिमा बनाई।

पिता को याद कर उन्होंने कहा कि पिताजी हमेशा सेना को प्राथमिकता देते थे। चाहे पारिवारिक आयोजन हो या आराम का समय, अगर आर्मी का कोई कार्यक्रम होता था, तब वे तुरंत वहां पहुंच जाते थे।

रिटायरमेंट के बाद भी वे सियाचिन और श्रीलंका गए। खुद प्रधानमंत्री से मिलकर सीमाओं पर सैनिकों से मिलकर अपने अनुभवों का योगदान देने पहुंच जाते थे। उनकी रणनीति इतनी मजबूत थी कि उस समय बिना किसी तकनीक के भी 'सर्जिकल स्ट्राइक' जैसी कार्रवाई सफलतापूर्वक की गई। इसमें एक भी सैनिक घायल तक नहीं हुआ था।

वहीं इस दौरान जयपुर वैक्स म्यूजियम के फाउंडर डायरेक्टर अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि सवाई भवानी सिंह की प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा और साहस का प्रेरक संदेश देगी। उन्होंने कहा कि म्यूजियम में राजस्थान के नायकों और ऐतिहासिक हस्तियों को सम्मानित करना ही हमारी प्राथमिकता है।

कार्यक्रम में ब्रिगेडियर भवानी सिंह के जीवन और शौर्य पर आधारित आठ मिनट की विशेष डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई। इस देखकर मेहमान भावुक हो उठे। इस मौके पर जयपुर के पूर्व राजघराने से जुड़े परिजन, सेना के पूर्व अधिकारी, म्यूजियम टीम आदि मौजूद रहे।

जयपुर वैक्स म्यूजियम के 'रॉयल दरबार' सेक्शन में लगाया यह वैक्स फिगर भवानी सिंह के साहस, अनुशासन और सेवा भावना का प्रतीक है। इस बनाने से पहले कलाकारों ने महीनों रिसर्च की। अप्रैल में उनकी पुण्यतिथि पर इसका क्ले फेस जारी किया गया था।

त्रिपुरा में टिपरासा सिविल सोसाइटी ने बुलाया बंद...जनजीवन अस्त-व्यस्त

अगरताला। त्रिपुरा में टिपरासा सिविल सोसाइटी द्वारा 24 घंटे के बंद का आह्वान किया गया, जिसका कथित तौर पर टिपरा मोथा पार्टी (टीएमसी) का समर्थन प्राप्त था। इस बंद के कारण राज्य में व्यापक तनाव और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। बंद का आह्वान टिपरासा सिविल सोसाइटी ने किया था, जिसका नेतृत्व टीएमपी विधायक रंजीत देबबर्मा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं है और इसे शांतिपूर्ण ढंग से सफल बनाने की तैयारी है। बंद लागू करने के लिए राज्य भर में 25 स्थानों पर बैरिकेड्स लगाए गए। बरमुरा हिल्स में, तेलियामुरा उप-मंडल अस्पताल की एक एम्बुलेंस को कथित तौर पर बंद समर्थकों ने रोक दिया, जिससे उसे वापस अस्पताल लौटना पड़ा। इस कृत्य की व्यापक निंदा हुई और इसे अमानवीय बताया गया। एम्बुलेंस रोके जाने और अन्य व्यवधानों के बीच पुलिस की निष्क्रियता की आलोचना हुई, जिससे राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठे। मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने कहा कि जनजीवन सामान्य रहेगा और कर्मचारियों को ड्यूटी पर आना होगा। हालांकि, कई कर्मचारी सड़क अवरोधों के कारण फंसे रहे। नागरिकों ने आरोप लगाया कि पुलिस सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के बजाय वाहनों को लंबे रास्तों से डायवर्ट कर रही थी। बंद समर्थकों ने जिरानिया के बिरगुदास इलाके में अगरतला-करीमगंज एक्सप्रेस को रोक दिया और अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर रेलवे पटरियों पर विरोध प्रदर्शन किया। खोवाई के बेलफांग इलाके और शांतिरबाजार उपखंड से भी खबरें आईं जहाँ बंद समर्थकों ने धरना दिया, बाजार बंद करवाए और परिवहन ठप कर दिया।

आलोचकों ने आरोप लगाया कि इस बंद को टिपरा मोथा का मौन समर्थन प्राप्त था, और राज्य मशीनरी के कुछ हिस्सों ने अप्रत्यक्ष रूप से मदद की, जबकि पुलिस केवल मूकदर्शक बनी रही। प्रशासन पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप भी लगा।

पर्यवेक्षकों ने इस घटनाक्रम को त्रिपुरा के पहाड़ी और मैदानी इलाकों में गहरे राजनीतिक पुनर्गठन का संकेत माना। राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा कि त्रिपुरा के सभी पूर्व उग्रवादी अब टिपरा मोथा के राजनीतिक झंडे तले एकजुट हो गए हैं, जिससे राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है।

बिहार में मुजफ्फरपुर और सकरा पर है कांग्रेस की नजर, प्रियंका गांधी करेंगी सभा

-अपनी जमीन मजबूत करने में जुटी पार्टी, वोटर अधिकार यात्रा के बाद से उत्साह

मुजफ्फरपुर। बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी बिहार में अपनी जमीन मजबूत करने में जुटी है। वोटर अधिकार यात्रा के बाद उत्साह काफी बढ़ा नजर आ रहा है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी की मुजफ्फरपुर में चुनावी सभा की तैयारी की जा रही है। इसको लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के स्तर से अनुरोध किया गया है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार मुकुल के मुताबिक जल्द ही प्रियंका गांधी का कार्यक्रम तय होगा। साल 1991 में प्रियंका गांधी के पिता एवं पूर्व पीएम राजीव गांधी ने चक्कर मैदान ऐतिहासिक चुनावी सभा को संबोधित किया था। तब वैशाली से उषा सिंह चुनाव लड़ी थीं। 2010 के विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी की नेहरु स्टेडियम में सभा की थी।

दरअसल, जिले की दो विस सीट मुजफ्फरपुर और सकरा पर कांग्रेस उम्मीदवार हैं। इनमें मुजफ्फरपुर कांग्रेस की सीटिंग सीट है। यहां से विधायक विजेंद्र चौधरी उम्मीदवार हैं।

सकरा प्रत्याशी उमेश राम पिछले चुनाव में काफी कम मतों से हारे थे। इस बीच पार्टी के बड़े नेताओं के निर्देशन में बूथ प्रबंधन को विशेष रणनीति बनाई है। इसमें कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेवारी दी गई है। जिलास्तरीय प्रकोष्ठों के अध्यक्ष को एक-एक पंचायत की जिम्मेवारी सौंपी है। इसके अलावा प्रखंड अध्यक्षों को पंचायत प्रभारी व पंचायत अध्यक्षों को बूथ स्तरीय जिम्मेवारी दी गई है।

नगर विधानसभा के लिए 40 सदस्यीय चुनाव अभियान समिति गठित की है। समिति के अध्यक्ष की कमान जिलाध्यक्ष अरविंद मुकुल संभालेंगे। 39 सदस्यों में डॉ. गौरव वर्मा, हबीबुर रहमान, केदार सिंह पटेल, अरुण कुमार व अन्य नाम शामिल हैं। इसके अलावा सकरा सीट के लिए अरविंद मुकुल की अध्यक्षता में 19 सदस्यीय चुनाव अभियान समिति में राम सागर प्रसाद, अलख निरंजन शर्मा व अन्य नाम हैं।

दक्षिण भारत में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित, हिमाचल में बर्फबारी पारा शून्य के नीचे

चेन्नइ। दक्षिण भारत में पूर्वोत्तर मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है, जिससे तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जबकि उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी से ठंड बढ़ गई है।

तमिलनाडु में लगातार हो रही बारिश से स्थिति गंभीर बनी हुई है। चेन्नई सहित कई जिलों में सड़कों पर पानी भर गया है। प्रशासन ने गुरुवार को भी सभी स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने राज्य में साइक्लोन की आशंका जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। बाढ़ के चलते राज्य के कई इलाकों में फसलें बर्बाद हो गई हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 16 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो चुकी है और लगभग 33 प्रतिशत फसल को नुकसान पहुंचा है। राज्य सरकार ने प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की घोषणा की है।

वहीं, केरल में भी हालात गंभीर हैं। भारी बारिश और तेज हवाओं के चलते बुधवार को इडुक्की, पलक्कड़, मलप्पुरम और पथनमथिट्टा जिलों में सभी स्कूल-कॉलेज बंद रखे गए। इडुक्की के पहाड़ी इलाकों में रात के समय यात्रा पर रोक लगा दी गई है। राज्य सरकार ने जिला प्रशासन को बाढ़, भूस्खलन और जलभराव की स्थिति पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन बल (एसडीआरएफ) को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

आंध्र प्रदेश में भी तेज बारिश के कारण हालात बिगड़ रहे हैं। इससे पहले तिरुपति में बुधवार को 2-3 फीट तक पानी भर गया था। मौसम विभाग ने प्रकाशम, नेल्लोर, कडप्पा, अन्नमय्या, तिरुपति और चित्तूर जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि कुरनूल, नांदयाल, अनंतपुर और श्री सत्यसाई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर को प्रत्यर्पित कर भारत लाए, पुलिस ने किया गिरफ्तार

-अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद का सहयोगी है सलीम, डोला के लिए करता था काम

मुंबई। मुंबई पुलिस को अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी मामले में बड़ी सफलता मिली है। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के सहयोगी मोहम्मद सलीम को दुबई से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया है। सलीम लंबे समय से फरार था और उसके खिलाफ इंटरपोल की रेड कॉर्नर नोटिस जारी था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सलीम भारत में फैले एक विशाल ड्रग नेटवर्क को ऑपरेट कर रहा था। पिछले साल जब मुंबई पुलिस ने 150 ग्राम एमडी मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त की थी, तो जांच के दौरान सलीम का नाम सामने आया। उसी मामले से खुलासा हुआ कि यह मामला 250 करोड़ के ड्रग मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई रैकेट से जुड़ा था।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस ने बताया कि सलीम अंडरवर्ल् ?ड डॉन दाऊद के करीबी सहयोगी सलीम डोला के लिए काम करता था। सलीम डोला मुंबई और दुबई दोनों जगह सक्रिय बताया जाता है और ड्रग्स नेटवर्क के जरिए करोड़ों की कमाई करता था। मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल अब डोला की तलाश कर रही है। पुलिस जांच से यह भी सामने आया है कि सलीम भारत में ड्रग्स की सप्लाई चेन को संभालने के साथ-साथ पैसे को हवाला नेटवर्क के जरिए विदेश भेजने का काम भी करता था। सलीम की गिरफ्तारी से उम्मीद है कि पुलिस को ड्रग सिंडिकेट की अंदरूनी कड़ियों और अन्य सहयोगियों के बारे में अहम सुराग मिलेंगे।

बता दें भारतीय एजेंसियों ने ड्रग के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है। इस मुहिम में अभी तक हजारों करोड़ रुपए कीमत के नशीले पदार्थ जब ?त किए जा चुके हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सलीम को दुबई से कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद भारत लाया गया और उससे गहन पूछताछ की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि यह सिर्फ एक गिरफ्तारी नहीं, बल्कि मुंबई में सक्रिय अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क पर निर्णायक प्रहार है। मामले की जांच मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम कर रही है।

देवेंद्र फडणवीस का विरोधियों को सीधा संदेश...2029 तक महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री मैं ही

महाराष्ट्र कांग्रेस इकाई ने बयान पर एकनाथ शिंदे पर कस दिया तंज

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दावा किया है कि वह 2029 तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने रहने वाले हैं, और सत्तारूढ़ गठबंधन (भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की राकांपा) की संरचना में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका के सवाल पर कहा कि दिल्ली अभी बहुत दूर है।

फडणवीस के इस बयान पर महाराष्ट्र कांग्रेस इकाई के प्रवक्ता सचिन सावंत ने चुटकी लेकर दावा किया कि यह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के लिए एक अप्रत्यक्ष संदेश है कि वह मुख्यमंत्री पद की कुर्सी पर नजर न रखें। कांग्रेस नेता सावंत का कहना है कि फडणवीस सीधे शिंदे से यह बात नहीं कह सकते, इसलिए अप्रत्यक्ष रूप से कह रहे हैं, और साथ ही यह अपनी पार्टी के उन लोगों को भी संकेत दे रहे हैं जो स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। कांग्रेस नेता सांवत ने दावा किया कि फडणवीस का यह बयान भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के लिए भी एक संदेश है कि वह अपना पद नहीं छोडने वाले हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि कोई और उनकी जगह ले सकता है (जैसा कि राजस्थान, मध्यप्रदेश या उत्तराखंड में हुआ)। मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया कि सत्तारूढ़ गठबंधन में न तो कोई नया साझेदार बनेगा और न ही साझेदारों की अदला-बदली होगी। फडणवीस ने विपक्ष पर मतदाता सूची में विसंगतियों का आरोप लगाने के लिए निशाना साधा। स्थानीय निकाय चुनाव 31 जनवरी, 2026 तक पूरे होने हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, 卐फडणवीस को मुख्यमंत्री पद से हटाने की कोशिशें हो रही हैं। वह बार-बार दिल्ली के चक्कर लगाते हैं, जहां उनका स्वागत-सत्कार होता रहता है। इससे उनका डर और बढ़ जाता है।

समाजवादी पार्टी के नेता अबु आजमी द्वारा आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव अपने दम पर लड़ने की घोषणा पर सावंत ने कहा कि कांग्रेस में चुनाव संबंधी सभी निर्णय पार्टी आलाकमान द्वारा स्थानीय नेताओं के परामर्श से लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य मुंबई में महापौर का पद हासिल करना है। कांग्रेस विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी का हिस्सा है, जिसमें उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और शरद पवार की राकांपा (एसपी) भी शामिल हैं।

मंदिर का पुजारी खास जाति या वंश से जुड़ा व्यक्ति हो, ऐसा ग्रंथों में नहीं लिखा

केरल हाईकोर्ट ने सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का दिया उदाहरण

तिरुअनंतपुरम। मंदिर का पुजारी किसी खास जाति या फिर वंश से जुड़ा व्यक्ति होगा, यह धर्म सम्मत नहीं है यह बात केरल हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कही। कोर्ट ने कहा कि यह हिंदू धर्म के ग्रंथों में कहीं भी नहीं लिखा है कि किसी विशेष जाति का शख्स ही मंदिर का पुजारी हो सकता है या फिर किसी वंश का व्यक्ति ही बन सकता है।

कोर्ट ने कहा कि यदि कोई ऐसा चाहता है कि किसी खास जाति के लोग ही मंदिर के पुजारी हों तो उसे संविधान से भी कोई संरक्षण नहीं मिल सकता। जस्टिस राजा विजयराघवन और जस्टिस केवी जयकुमार ने त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड और केरल देवस्वम रिक्रूटमेंट बोर्ड की ओर से सिर्फ तंत्र विद्यालयों की ओर से अनुभव प्रमाण पत्र रखने वालों की भर्ती पर यह बात कही। केरल में अखिल केरल तंत्री समाजम नाम की एक सोसायटी है। इस सोसायटी से जुड़े करीब 300 परंपरागत तंत्री परिवार जुड़े हैं। यह स्कूल सिखाता है कि कैसे मंदिरों में पुजारियों को परंपराओं का निर्वाह करना चाहिए और पूजा करानी चाहिए। इसको लेकर अर्जी दाखिल की गई थी कि आखिर किसी एक खास स्कूल या वंश परंपरा से निकले लोगों को ही पुजारी के रूप में कैसे भर्ती किया जा सकता है। अर्जी में सवाल उठाया कि आखिर यह मांग कैसे की जा सकती है कि किसी खास स्कूल से आपकी डिग्री होगी, तभी आपको पुजारी के रूप में भर्ती किया जाएगा। इस पर कोर्ट ने कहा कि हिंदू धर्म में ऐसी कोई परंपरा या विधान नहीं है कि किसी जाति या वंश से जुड़े लोगों को ही मंदिर के पुजारी के रूप में भर्ती किया जाएगा।

हाईकोर्ट की बेंच ने इस दौरान 1972 के सुप्रीम कोर्ट के सेशम्मल बनाम तमिलनाडु मामले के फैसले का भी उदाहरण दिया।

अगले माह से पूरे देश में शुरु होगा गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान

नई दिल्ली। गहन मतदाता पुनरीक्षण(एसआईआर) अभियान को लेकर बिहार में जमकर विरोध हुआ था। इस पर जमकर राजनीति हुई और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया था। अदालत की ओर से एसआईआर को क्लीन चिट दी गई और कहा गया कि यह थोड़ा पहले किया जा सकता था। अब इसी बात से सबक लेते हुए चुनाव आयोग नवंबर की शुरुआत से ही देशव्यापी एसआईआर शुरू करने जा रहा है। इसके तहत सबसे पहले उन राज्यों में एसआईआर होगा, जहां 2026 में ही चुनाव होने वाले हैं। इसके अलावा भी कुछ अन्य राज्यों में भी एसआईआर शुरुआती दौर में ही होगा।

असम में तो एनआरसी भी हो रही है। असम के निर्वाचन आयोग का कहना है कि एक बार एनआरसी होने के बाद राज्य में एसआईआर भी हो जाएगी। असम देश का इकलौता राज्य है, जहां एनआरसी हुआ है। ऐसे में यह भी हो सकता है कि एनआरसी पूरा होने का इंतजार हो और असम में एसआईआर में थोड़ी देरी हो जाए। आगामी राष्ट्रव्यापी प्रक्रिया के लिए चुनाव आयोग मतदाताओं को केवल उस राज्य की ही नहीं, बल्कि किसी भी राज्य की अंतिम गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची से अपने नामों के अंश प्रस्तुत करने की अनुमति दे सकता है, जहां वे वर्तमान में रहते हैं। बिहार एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता केवल बिहार की अंतिम गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची से ही अंश प्रस्तुत कर सकते थे।दूसरे शब्दों में मुंबई में मतदाता के रूप में पंजीकृत पश्चिम बंगाल का कोई प्रवासी श्रमिक महाराष्ट्र में नामांकित रह सकता है, बशर्ते वह अपना नाम दिखा सके। इसके अलावा वह किसी ऐसे मतदाता से संपर्क स्थापित कर सके, जिसका नाम 2002 की पश्चिम बंगाल मतदाता सूची में शामिल हो। पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची का अंतिम गहन पुनरीक्षण 2002 में हुआ था और उस मतदाता को उस राज्य की मतदाता सूची में बने रहने के योग्य माना जाएगा, जहां वह वर्तमान में रह रहा है। बता दें कि चुनाव आयोग की दो दिन की कॉन्फ्रेंस बुधवार से शुरू हुई है। इसमें यह आकलन भी किया गया कि देश में एसआईआर की प्रक्रिया के लिए कितनी और कैसी तैयारी है। इसकी रिपोर्ट सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन आयुक्तों की ओर से पेश की गई। पूरा प्लान कॉन्फ्रेंस के समापन पर बताया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार एसआईआर की प्रक्रिया देशव्यापी होगी, लेकिन इसे चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। पहले इसे असम, केरल, पुदुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में किया जाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि इन राज्यों में अगले साल ही चुनाव होने हैं।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में 10 लाख रुपयों की हेराफेरी

बालाघाट कलेक्टर की जांच में मिले तथ्यों से डाइट में हड़कंप; आरोपी कर्मचारी फरार

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

करीब 10 लाख रूपये की हेराफेरी का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आने से समूचे शिक्षा विभाग की इन दिनों नींद उड़ी हुई है। पुलिस ने आरोपी कर्मचारी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दिया है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट में पदस्थ एक कर्मचारी इतना लालची निकला कि उसने सरकारी धन को अपने खाते में डालना शुरु कर दिया. यह मामला कलेक्टर बालाघाट द्वारा कराये गए एक शिकायत के बाद पकड़ में आया। इसकी भनक लगते ही आरोपी कर्मचारी भाग निकला. सूत्र बताते हैं कि 2019 से यह कर्मचारी डाइट संस्थान में संस्था विकास के लिए मिली राशि को अपने बैंक खाते में डाल लिया करता था। कलेक्टर ने इसपर मिली एक शिकायत के संज्ञान में आने के बाद जांच कराई तो सारा घोटाला सामने आया. फिलहाल पुलिस आरोपी कर्मचारी की तलाश में है।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बालाघाट के सहायक ग्रेड 3 के कर्मचारी द्वारा लगभग 10 लाख रुपए गबन किए जाने का मामला सामने आया है । बीते कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि अधिकतर शासकीय कर्मचारी ही शासकीय राशि को बड़े स्तर पर हेरा फेरी कर रहे हैं। अभी कोतवाली थाने के मालखाने से प्रधान आरक्षक द्वारा लाखों रुपए गायब किए जाने का मामला शांत भी नहीं हुआ था, कि अब शिक्षा विभाग के एक सहायक ग्रेड 3 के कर्मचारी गजेंद्रसिंह बैस ने लगभग 10 लाख रुपए शासकीय राशि को अपने खाते में लेते हुए निकाल लिया है। गजेंद्रसिंह वर्ष 2019 से शासकीय राशि, जो डाइट संस्थान में अन्य कार्यों के लिए संस्था को मिलती थी, उस राशि को अपने व्यक्तिगत खाते में डाल लिया करता था । संस्था के प्राचार्य श्री मलगाम ने बताया कि उन्होंने इसके पहले भी उन्हें एक से दो बार इस प्रकार शासकीय राशि को अपने खाते में डालने से मना किया था, किंतु उन्होंने इसकी जानकारी विभाग को नहीं दी। प्राचार्य श्री मलगाम के ही कार्यकाल में इसके पहले भी विकासखंड शिक्षा कार्यालय में लाखों रुपए की हेरा फेरी का मामला सामने आया था और एक कर्मचारी को जेल भी जाना पड़ा था, तो वहीं अब यह लाखों रुपए का मामला डाइट में भी एक कर्मचारी द्वारा प्राचार्य श्री मलगाम के ही समय में हुआ है । इस पूरे मामले में कलेक्टर द्वारा जांच करवाई जा रही है , तो कर्मचारी के खिलाफ प्राचार्य ने कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई है। जिसके बाद पुलिस ने इस पूरे विषय पर मामला कायम करते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस की माने तो गजेंद्रसिंह फरार है, पुलिस गजेंद्र सिंह की तलाश कर रही है।

आरोपी कर्मचारी

डाईट प्रशिक्षण संस्थान के कार्यालय सहायक गजेन्द्रसिह बैस ने संस्था विकास की 10 लाख 53 हजार 387 रूपए का गबन कर लिया। मामले में डाईट प्राचार्य नरेन्द्रप्रसाद मलगाम की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने कर्मचारी के खिलाफ, अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। गबन का मामला उजागर होने के बाद, कर्मचारी गजेन्द्रसिंह बैस, अपने सरकारी आवास में ताला लगाकर परिवार सहित गायब हो गया है। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाईट में अध्यनरत डीएड विद्यार्थी, संस्था विकास निधि में जमा करते है, जिस राशि से ही संस्था में क्रय की गई सामग्री के बिलों का भुगतान होता है, लेकिन कर्मचारी गजेन्द्रसिंह बैस, बिलों की राशि का फर्म में भुगतान ना करके, अपने खाते में डालता था। 2010 से डाईट में पदस्थ कर्मचारी गजेन्द्रसिंह बैस ने अगस्त 2019 से जुलाई 2025 तक ऐसा किया और तकरीबन 10 लाख 53 हजार 387 रूपए का गबन कर लिया है। हालांकि कर्मचारी ने ऐसा क्यों किया, यह तो कर्मचारी से पूछताछ से ही पता चलेगा लेकिन घटना के सामने आने के बाद से डाईट संस्था के पास ही शासकीय आवास में निवासरत, कर्मचारी ताला लगाकर, परिवार सहित गायब हो गया है। जिसकी पुलिस भी तलाश कर रही है। मामले के सामने आने के बाद विभागीय स्तर पर भी कार्यालय में उसकी पदस्थापना अवधि से लेकर, अब तक के कार्यालयीन, वित्तिय अन्य लेनदेन की भी जांच की जा रही है। डाईट के कर्मचारी गजेन्द्रसिंह बैस के संस्थान की राशि को अपने खाते में रखने के मामले की जानकारी मिलते ही कलेक्टर मृणाल मीना ने सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल और कोषागार (ट्रेजरी) अधिकारी अमित मरावी से जांच कराई। जांच में अधिकारीद्वय को वित्तिय अनियमितता मिली। जिसके बाद कलेक्टर के ही आदेश पर डाइट प्राचार्य ने कोतवाली में बाबू गजेंद्र सिंह के खिलाफ शिकायत की।

भुगतान की राशि को डालता था अपने खातों में

संस्था के प्राचार्य नरेश प्रसाद मलगाम ने बताया कि सहायक ग्रेड 3 का कर्मचारी गजेंद्र सिंह बैस संस्था में होने वाले विकास कार्यों की राशि को सीधे संस्था में कार्य करने वाली फर्म को नहीं देता था , बल्कि उस राशि को वह अपने निजी खाते में ले लेता था और उसके बाद संस्था में हुये काम का भुकतान अपने खाते से राशि निकालकर अन्य फर्म को करता था। यह कार्य गजेंद्रसिंह द्वारा वर्ष 2019 से अभी वर्ष 2025 तक किया गया है। जिसमें इन वर्षों में गजेंद्रसिंह ने अपने खाते में लगभग 10 लाख रुपए की राशि डाली है। जबकि यह पैसा नियम अनुसार जो भी छोटे से लेकर बड़े कार्य जो डाइट संस्थान में होते थे, उनका भुगतान सीधे कार्य करने वाले कर्मचारी या फर्म को दिया जाना था। किंतु गजेंद्र प्रसाद द्वारा सीधे पैसे को नहीं दिया जाता था और उस राशि को अपने खाते में ले लिया जाता था ।

कलेक्टर ने करवाई जांच

प्राचार्य श्री मलगाम ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा करवाई गई है , उन्होंने चर्चा में बताया कि संभवत- कलेक्टर को किसी ने शिकायत किया हो या फिर गड़बड़ी का अंदेशा होने पर कलेक्टर द्वारा डाइट संस्थान में एक समिति का गठन करवाते हुए , इस पूरे मामले की जांच करवाई गई। जिसमें पाया गया कि गजेंद्र प्रसाद द्वारा लाखों रुपए की गड़बड़ी की गई है। जिसके बाद कलेक्टर के कहने पर संस्था प्राचार्य द्वारा गजेंद्र प्रसाद के खिलाफ कोतवाली में शिकायत की गई।

संस्था प्राचार्य को थी गड़बड़ी की जानकारी

डाइट संस्थान के प्राचार्य नरेश प्रसाद मलगाम ने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा में स्वयं ही बताया कि उनके द्वारा इसके पूर्व में गजेंद्र सिंह को इस प्रकार राशि को अपने खाते में डालने से मना किया गया था और वह भी एक बार नहीं बल्कि एक से दो बार उन्होंने इस प्रकार से राशि को अपने खाते में डालने से मना किया था, किंतु गजेंद्र प्रसाद ने उनकी बात नहीं सुनी, किंतु प्राचार्य द्वारा इस पूरी बात की जानकारी अपने उच्च अधिकारियों और विभाग को नहीं दी गई। बीते वर्षों विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में हुए लाखों रुपए की हेरा फेरी के मामले में नरेश प्रसाद मलगाम ही प्रभारी थे और उन्हीं के समय ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में एक कर्मचारी द्वारा लाखों रुपए की हेरा फेरी की गई थी और पुन: डाइट संस्थान में सहायक ग्रेड 3 के कर्मचारी ने श्री मलगाम के ही कार्यकाल में लाखों रुपए की राशि को अपने खाते में डाला है। अब देखना होगा कि विभाग कर्मचारी के साथ-साथ प्राचार्य पर क्या कार्रवाई करता है।

प्राचार्य

धोखाधड़ी का अपराध पंजीबद्ध कर जांच की जा रही हैं - कामेश

इस मामले में कोतवाली थाना प्रभारी कामेश धूमकेती ने बताया कि डाईट कर्मचारी गजेन्द्रसिंह बैस के खिलाफ, शिकायत पर धोखाधड़ी का अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया है। जिसकी जांच की जा रही है, आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

आज से बालाघाट जिले में पहली बार होगा कोदो-कुटकी का समर्थन मूल्य पर उपार्जन का पंजीयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत समर्थन मूल्य पर बालाघाट जिले के इतिहास में पहली बार किसानों से मोटे अनाज कोदो-कुटकी का शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जायेगा। इसके लिए कलेक्टर मृणाल मीना ने जिले में कोदो-कुटकी का उत्पादन करने वाले किसान भाइयों से अपील की है कि वे असुविधा से बचने, अंतिम तिथि के पहले ही 24 अक्टूबर तक अपना पंजीयन अवश्य करवा लें। कोदो-कुटकी का उत्पादन करने वाले किसानों के पंजीयन के लिए 05 पंजीयन केन्द्र बनाए हैं। इसमें बिरसा विकासखंड के सेवा सहकारी मर्यादित समिति दमोह, लांजी विकासखंड अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मर्यादित सालेटेकरी, बैहर विकासखंड के आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बैहर, परसवाड़ा विकासखंड के आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था उकवा तथा बालाघाट, किरनापुर, वारासिवनी, लालबर्रा कटंगी एवं खैरलांजी के लिए सेवा सहकारी समिति मर्यादित पायली को पंजीयन केंद्र निर्धारित किया गया है। इन केन्द्रों पर कृषकों द्वारा पंजीयन कराया जा सकता है और शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकता है। जिले के 2214 किसानों द्वारा 1150 हेक्टेयर से अधिक भू-क्षेत्र में कोदो-कुटकी की फसल लगाई गई है। जिले का बैहर, बिरसा, परसवाड़ा एवं लांजी क्षेत्र कोदो-कुटकी के उत्पादन में अग्रणी है।

01 हजार रुपए प्रति क्विंटल मिलेगी प्रोत्साहन राशि

श्री अन्न उत्पादक जिले के कृषकों से श्री अन्न कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (श्री अन्न फेडरेशन) द्वारा कोदो-कुटकी का उपार्जन किया जायेगा। खरीफ-2025 में उत्पादित श्री अन्न कुटकी 3500 रूपये प्रति क्विंटल एवं कोदो 2500 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से खरीदा जायेगा। इसके अतिरिक्त कृषको को प्रोत्साहन राशि के रूप में 1000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से संबंधित कृषकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रदाय किया जायेगा।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

आवश्यकता है

- **कंप्यूटर आपरेटर -2 पद**
  शैक्षणिक योग्यता हिंदी व अंग्रेजी टायपिंग का ज्ञान अनिवार्य
  वेतनमान- योग्यतानुसार
- **आफिस ब्वाय-1 पद**
  योग्यता-न्यूनतम 12वीं कक्षा उत्तीर्ण
  वेतनमान-योग्यतानुसार

-मिलने का पता-
वार्ड नं. 14 गंगोत्री कालोनी वारासिवनी तह वारासिवनी जिला बालाघाट
समय -दोपहर 12 से शाम 6 बजे समय
संपर्क करें- मोबाईल नंबर 9584968038

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट